राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

गौरवशाली भारत

दिल्ली से प्रकाशित

R.N.I. NO. DELHIN/2011/38334 वर्ष- 11, अंक- 33 पृष्ठ - 08, नई दिल्ली, मंगलवार ,03 अगस्त 2021 , मूल्य रु. 1.50

संक्षिप्त समाचार

नीतिश सरकार में काम करना चुनौतीपूर्ण : सम्राट चौधरी

पटना, (एजेंसी)। बिहार की नीतिश सरकार में मंत्री और बीजेपी के वरिष्ट नेता सम्राट चौधरी ने एनडीए गठबंधन की सरकार को लेकर बड़ा बयान दिया है। औरंगाबाद में आयोजित कार्यक्रम में मंत्री ने कहा कि गठबंधन की सरकार चलाना काफी चुनौती भरा काम है। चौधरी ने कहा कि बिहार में जो हम गठबंधन की सरकार चला रहे हैं और यहां हमारी सरकार स्वतंत्र नहीं है,इसकारण हमें विभिन्न तरह की चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। सम्राट चौधरी ने कहा कि उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश की तरह जहां सिर्फ हमारी सरकार है, वहां हम किसी भी तरह के फैसले लेने के लिए स्वतंत्र हैं।

जीका वायरस की दस्तक से अलर्ट मोड पर सरकार

मुंबई, (एजेंसी)।महाराष्ट्र के पुणे में जीका वायरस का पहला मामला सामने आने के बाद केन्द्र सरकार ने तीन सदस्यीय टीम महाराष्ट्र भेजी है। यह टीम राज्य सरकार के साथ मिलकर इस वायरस की रोकथाम के लिए स्थिति की निगरानी करेगी। इसके अतिरिक्त जमीनी स्तर पर राज्य सरकार की तैयारियों की समीक्षा करेगी। आपको बता दें कि हाल ही में जीका वायरस के मामले केरल में भी पाए गए थे। केरल के बाद रविवार को महाराष्ट्र में जीका के मरीज मिलने से सरकार अलर्ट है। दरअसल महाराष्ट्र में रविवार को जीका वायरस संक्रमण का पहला मामला पुणे जिले में सामने आया था।

लश्कर-ए-तैयबा के टेरर मॉड्यूल का भांडाफोड़, 4 गिरफ्तार

नई दिल्ली, (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद पर लगातार प्रहार जारी है। इसी कड़ी में जम्मू-कश्मीर पुलिस ने अनंतनाग में लश्कर-ए-तैयबा के आतंकी मॉड्यूल का भांडाफोड़ किया है और इस मामले में 4 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इनपर आरोप है कि ये ऑनलाइन प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल कर के इलाके के युवाओं को आतंकी गतिविधियों के लिए ट्रेनिंग दे रहे थे। जानकारी के मुताबिक, जिन चार लोगों को पकड़ा गया है वे युवाओं के मन में जहर घोलकर उन्हें लश्कर-ए-तैयाब और हिजबुल मुजाहिदीन जैसे आतंकी संगठनों को जॉइन करने के लिए उकसाते थे।

कार्टून

एंटनी ब्लिंकन और जयशंकर के बीच कारोबारी रिश्तों को लेकर तल्ख मुद्दे उठे

नई दिल्ली, (एजेंसी)। अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने अपने दो दिवसीय भारत यात्रा के दौरान हिंद-प्रशांत क्षेत्र में भागीदारी को बढ़ावा देने और कोरोना महामारी से निपटने के प्रयासों सहित कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर बातचीत की। वहीं ऐसी जानकारी हैं कि विदेश मंत्री जयशंकर और एंटनी ब्लिंकन के बीच हुई वार्ता में मौजूदा कारोबारी रिश्तों को लेकर कुछ तल्ख मुद्दे भी उठे।

ब्लिंकन ने मोदी सरकार की प्रस्तावित ई-कामर्स नीति लेकर आपत्ति दर्ज कराई है। हालांकि भारत की तरफ से इन मुद्दों को सुलझाने का आश्वासन दिया गया है। बताया जा रहा है, कि आगामी ट्रेड समझौते में इस समस्या का समाधान निकाला जाएगा। हालांकि ट्रेड वार्ता कब होगी इसके बारे में अभी कोई जानकारी नहीं है। बात दें कि पिछले साल गुजरात में हुए नमस्ते ट्रंप कार्यक्रम में तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को कठिन वातार्कार बताया था। लेकिन अब कुछ आर्थिक नीतियों को लेकर बाइडेन प्रशासन ने भी चिंता जाहिर की।

विदेश मंत्री जयशंकर ने एंटनी ब्लिंकन के साथ हुई बातचीत की जानकारी देकर कहा था कि हमारी द्विपक्षीय साझेदारी इस स्तर तक बढ़ी है कि यह हमें बड़े मुद्दों से मिलकर निपटने में सक्षम बनाती है। उन्होंने कहा था कि कोरोना महामारी स्वभाविक रूप से खास प्राथमिकता है। हम दोनों ने कोविड से उत्पन्न यात्रा चुनौतियों पर चर्चा की। जयशंकर ने कहा था कि हमारी नजर अफगानिस्तान, हिंद-प्रशांत और खाड़ी क्षेत्र पर है।

वहीं, संयुक्त मीडिया ब्रीफिंग में ब्लिंकन ने कहा था कि दुनिया में कुछ ही इसतरह के संबंध है, जो अमेरिका भारत के बीच के रिश्ते से अधिक अहम हैं। साथ ही उन्होंने कहा था कि भारत और अमेरिका के कदम ही 21वीं सदी और उसके बाद के दौर का स्वरूप तय करने वाले हैं, इसकारण भारत के साथ साझेदारी मजबूत करना होगा। इसके अलावा उन्होंने दोनों देशों के बीच उत्पन्न कारोबारी अड़चनों को दूर करने की दिशा पर लगातार काम करना होगा। इस बारे में भी हमारी बातचीत हुई है।

यूपी डीजीपी की एडवाइजरी पर शिया धर्म गुरुओं ने ऐतराज किया

लखनऊ, (एजेंसी)। मुहर्रम के लिए यूपी के डीजीपी की एडवाइजरी पर विवाद हो गया है। शिया धर्म गुरुओं ने कहा कि एडवाइजरी में उन्हें विलेन की तरह पेश किया गया है। इसमें लिखा है कि मुहर्रम में सुन्नी वर्ग के खलिफाओं के लिए शिया अभद्र भाषा का इस्तेमाल करते हैं। जबकि पिछले 40 साल में लखनऊ में ऐसी कोई घटना नहीं हुई है। पुलिस इसे वापस ले क्योंकि इससे शिया-सुन्नी झगड़े कीआशंका है। एडीजी (लॉ एंड ऑर्डर) ने एक बयान जारी कर कहा है कि यह पुरानी एडवाइजरी है जो हर साल जारी होती है। इसका मकसद किसी का अपमान करना नहीं है।

कर्बला में इमाम हुसैन और उनके साथियों की शहादत की याद में मुसलमान पूरी दुनिया में मुहर्रम में गम मनाते हैं। इस मौके पर यहां काफी पहले हिंसा भी हो चुकी है। इसलिए मुहर्रम से पहले पुलिस को एडवाइजरी जारी होती है। इस बार कोविड की वजह से मुहर्रम के जुलूस पर रोक है। इसकी चार पेज की एडवाइजरी पर मौलानाओं ने ऐतराज किया है।

शिया धर्म गुरु मौलाना कल्बे जावेद ने कहा, उन्होंने ये लिखा है कि ये होता है। हो सकता है नहीं। एक चीज होता है कि हो सकता है। उन्होंने लिखा है कि यह सब हुआ करता है। होता रहता है ये। तो ये झूठा इल्जाम है।

लखनऊ में साल 1977 में मुहर्रम के जुलूस हुई हिंसा के बाद इस पर रोक लगा दी गई थी। बीस साल बाद 1998 में तीन पक्षीय समझौते के बाद फिर जुलूस शुरू हुए। पिछले 23 साल से महुर्रम के जुलूस में कोई झगड़ा नहीं हुआ है। इसलिए मौलाना कह रहे हैं कि 43 साल पहले के बवाल का जिक्र आज कि एडवाइजरी में क्यों किया जा रहा है शिया धर्म गुरु मौलाना सैफ अब्बास ने कहा, मैं तो कहता हूं कि ये ड्राफ्ट करने वाला खुद चाहता है कि अमन-चैन बिगड़े। आज 40 साल बाद उन तमाम चीजों को इस तरह से लिखकर और फिर आम किया जा रहा है। हम अफसोस इजहार करते हैं इस जुबान और इस खत पर।

वरिष्ठ नौकरशाह ने छोड़ा पद, प्रधानमंत्री कार्यालय में थे सलाहकार

नई दिल्ली, (एजेंसी)। प्रधानमंत्री कार्यालय में वरिष्ठ नौकरशाह अमरजीत सिन्हा ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। सूत्रों के अनुसार सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी अमरजीत सिन्हा प्रधानमंत्री कार्यालय में सलाहकार थे और सामाजिक क्षेत्र से जुड़ी परियोजनाओं का काम देखते थे। 1983 बैच के बिहार कैडर के आईएएस अधिकारी अमरजीत सिन्हा साल 2019 में ग्रामीण विकास सचिव के रूप में सेवानिवृत्त हुए थे और फिर उन्हें प्रधानमंत्री कार्यालय में नियुक्त किया गया था। सिन्हा हाल के महीनों में पीएमओ से इस्तीफा देने वाले दूसरे शीर्ष अधिकारी हैं। उनसे पहले पूर्व कैबिनेट सचिव पीके सिन्हा ने मार्च में इस्तीफा दे दिया था।

बाबुल सुप्रियो ने जेपी नड्डा से मुलाकात के बाद इरादा बदला

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजनीति छोड़ने और सांसद का पद त्यागने का फैसला करने के एक दिन बाद ही पूर्व मंत्री बाबुल सुप्रियो ने कहा है कि वो बिना राजनीति रूप से सक्रिय रहे अपनी संसदीय जिम्मेदारी का निर्वहन करते रहेंगे। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा से मुलाकात के बाद बाबुल सुप्रियो के इरादे में ये बदलाव सामने आया है।

बंगाल के आसनसोल से सांसद सुप्रियो को हाल ही में केंद्रीय कैबिनेट से बाहर कर दिया गया था। उन्होंने फेसबुक पर पोस्ट लिखते हुए राजनीति से सन्यास का ऐलान किया था। उन्होंने लिखा था, जा रहा हूं। अलविदा... अगर आप सोशल वर्क करना चाहते हैं तो वह बिना राजनीति में रहे भी कर सकते है। कई विपक्षी पार्टियों जैसे टीएमसी प्रवक्ता कुनाल घोष ने इसे ड्रामा कहा था।

हालांकि, सांसद ने अपना रुख दोहराया है। जेपी नड्डा से मुलाकात के बाद उन्होंने कहा, मैं सांसद बना रहूंगा, लेकिन राजनीति छोड़ दूंगा। मैं संवैधानिक पद पर बना रहूंगा। मैं किसी भी राजनीतिक गतिविधि में शामिल हुए बिना संवैधानिक जिम्मेदारी का निर्वहन करूंगा। साथ ही उन्होंने कहा, मैं कोई भी पार्टी ज्वाइन नहीं करूंगा। मैं बंगला छोड़ रहा हूं और कोलकाता या मुंबई शिफ्ट हो जाऊंगा।

सुप्रियो ने साल 2014 में भाजपा के साथ जुड़कर सियासी पारी शुरू की थी। 2014 में भाजपा के लोकसभा चुनाव जीतने के बाद उन्हें केंद्रीय शहरी विकास राज्य मंत्री बनाया गया था। हाल ही में केंद्रीय कैबिनेट में हुए फेरबदल में उन्हें केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री के पद से हटा दिया गया था। कुछ महीने पहले बंगाल विधानसभा चुनाव में टॉलीगंज विधानसभा सीट से 50 हजार वोटों से हार गए थे।

यूएनएससी की अध्यक्षता करने वाले देश के पहले प्रधानमंत्री होंगे नरेंद्र मोदी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खाते में एक और बड़ी उपलब्धि दर्ज हो गई है। एक अगस्त को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की अध्यक्षता संभालने के बाद भारत ने साफ तौर पर कह दिया है कि वह समुद्री सुरक्षा, शांति रक्षण और आतंकवाद को रोकने के लिए विशेष तौर पर कार्यक्रमों की मेजबानी करेगा। भारत ने यह भी कहा है कि वह इस अवसर का उपयोग करने के लिए पूरी तरह से तैयार है। हालांकि भारत सुरक्षा परिषद की अध्यक्षता ऐसे समय में करने जा रहा है जब विश्व कोरोना महामारी से जूझ रहा है। साथ ही साथ अफगानिस्तान और आतंकवाद का भी मुद्दा काफी महत्वपूर्ण है। भारत यह तमाम मुद्दे अलग-अलग मंचों पर उठा सकता है। इन सबके बीच खबर यह भी है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी यूएनएससी के किसी कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे। वह भारत के प्रतिनिधि के तौर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे। साथ ही साथ ऐसा करने वाले पहले प्रधानमंत्री भी बन सकते हैं।

यूएनएससी की तरफ से एक महीने के कार्यक्रम का एजेंडा आज जारी हो सकता है। एजेंडे को अंतिम रूप देने के लिए भारत अपने महत्वपूर्ण सहयोगी जैसे कि फ्रांस, अमेरिका, रूस इत्यादि देशों से लगातार संपर्क में है। भारत अपनी तैयारी इस तरह से कर रहा है कि कैसे वह इस बड़े मौके को हर तरह से भुनाने में कामयाब हो जाएं। यही कारण है कि अगले 1 महीने तक यूएनएससी के अलग-अलग आयोजनों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, विदेश मंत्री एस जयशंकर और विदेश सचिव हर्ष श्रृंगला भी संबोधित कर सकते हैं। हालांकि, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आयोजन को संबोधित करेंगे। इसका फैसला फिलहाल होना बाकी है।

संयुक्त राष्ट्र में भारत के पूर्व प्रतिनिधि सैयद अकबरुद्दीन ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट लिखा है जिसमें उन्होंने अनुमान जताया है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी संभवत 9 अगस्त को यूएनएससी के कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे। वह ऐसा करने वाले पहले प्रधानमंत्री होंगे। हालांकि दूसरी और विदेश मंत्रालय का कहना है कि फिलहाल इस पर फैसला होना बाकी है। वैसे योजना में यह भी शामिल है कि विदेश मंत्री एस जयशंकर यूएनजीसी में भारत के हितों से जुड़े किसी महत्वपूर्ण मुद्दे पर रखेंगे। भारत साथ ही साथ सम्मान, संवाद, सहयोग, शांति व समृद्धि पर जोर देगा।

सागर धनखड़ मर्डर केस में दिल्ली पुलिस ने फाइल की 170 पेज की चार्जशीट

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस ने छत्रसाल स्टेडियम में एक पूर्व जूनियर कुश्ती चैंपियन की कथित हत्या के मामले में सोमवार को ओलंपिक पदक विजेता पहलवान सुशील कुमार और 19 अन्य के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया। मुय मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट (सीएमएम) सतवीर सिंह लांबा के समक्ष अंतिम रिपोर्ट दाखिल की गई है, जिसमें कुमार को मुय आरोपी के रूप में नामजद किया गया है। इस मामले में 15 आरोपियों को गिरतार किया गया है, जबकि पांच फरार हैं। सुशील कुमार और उनके साथियों ने 23 वर्षीय पहलवान सागर धनखड़ और उसके दो दोस्तों सोनू और अमित कुमार के साथ 4 और 5 मई की दरयानी रात को मारपीट की थी। बाद में सागर ने दम तोड़ दिया। पुलिस ने पहले सुशील को हत्या का मुय अपराधी और षड्यंत्रकारी बताया था और कहा था कि उसके पास इलेट्रॉनिक सबूत हैं, जिसमें सुशील और उनके सहयोगियों को धनखड़ को लाठी से पीटते देखा जा सकता है।

क्राइम ब्रांच जल्द करेगी काला जठेड़ी से पूछताछ- सबसे अहम बात ये है कि अभी हाल ही में दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने जिस काला जठेड़ी को गिरतार किया था, उससे क्राइम ब्रांच जल्द ही इस मामले में पूछताछ करेगी। सुशील कुमार ने कोर्ट में भी ये कहा था कि उसे काला जठेड़ी से जान का खतरा है। चार्जशीट में कहा गया है कि वर्चस्व की लड़ाई में पहलवान सागर धनखड़ की हत्या की गई।

सुशील करता रहा है हत्या के इरादे से इंकार-इस मामले में सुशील कुमार कहना है कि उसने हत्या के इरादे से कुछ नहीं किया था। मारपीट जरूर हुई थी, लेकिन उसका मकसद हत्या नहीं था, लेकिन कहीं न कहीं पुलिस की जांच इस बात की तरफ इशारा करती है कि इन दोनों के बीच वर्चस्व की लड़ाई थी और इसकी लेकर नाराजगी इतनी बढ़ गई थी कि पहले प्लानिंग के तहत सुशील कुमार ने सागर धनखड़ का अपहरण किया, फिर सुनियोजित तरीके से पिटाई हुई और उसकी मौत हो गई।

मारे गए जैश आतंकी का फोन खंगाल रहीं एजेंसियां

नई दिल्ली, (एजेंसी)। जमू-कश्मीर में जैश आतंकी इस्माइल अल्वी के एनकाउंटर के दौरान मिले तीन आई फोन के जरिए सुरक्षा एजेंसियां मसूद अजहर के आतंकी साम्राज्य का नेटवर्क खंगाल रही हैं। सेना और जमू-कश्मीर पुलिस के साथ सुरक्षा एजेंसियां इन तीनों मोबाइल फोन की फॉरेंसिक जांच के जरिए मसद अजहर का पूरा कच्चा चिट्ठा निकाल रही है। दरअसल मसूद अजहर ने पाकिस्तान के बहावलपुर आतंक का पूरा साम्राज्य खड़ा कर रखा है। इस नेटवर्क में उसके परिवार के कई सदस्य शामिल है। इसी नेटवर्क का इस्तेमाल कर भारत में आतंकी हमलों को अंजाम दिया जाता है।

दरअसल पुलवामा में सीआरपीएफ के काफिले पर हुए आतंकी हमले में शामिल आतंकवादी इस्माइल अल्वी उर्फ सैफुल्ला को दो दिन पहले स्थानीय लोगों के इनपुट के बाद सुरक्षाबलों ने ढेर कर दिया था। अल्वी को लंबू और अदनान जैसे नामों से भी जाता था। खबरों के अनुसार, लंबू की हरकतों से स्थानीय लोग डरे रहते थे और उसके मूवमेंट की जानकारी सेना को दे दी गई।

विटर फोर्स के जनरल ऑफिसर कमांडिंग दहशतगर्द पर यह बोले

जैश सरगना मसूद अजहर के परिवार से रिश्ता रखने वाला लंबू को सुरक्षाबलों ने घेरकर ढेर कर दिया। विटर फोर्स के जनरल ऑफिसर कमांडिंग मेजर जनरल रशीम बाली ने बताया था कि हमें जमू-कश्मीर पुलिस और स्थानीय लोगों से लंबू के मूवमेंट के बारे में जानकारी मिल रही थी। त्राल इलाके में वह लोगों के साथ बुरा बर्ताव करता था। गौरतलब है कि पुलवामा में ही समीर डार नामक एक और आतंकी मारा गया था। वह लेथपोरा आतंकी हमले में शामिल था और उसका नाम एनआईए के चार्जशीट में भी था।

तालिबान से ट्रेनिंग- सैफुल्ला ने तालिबान से आतंक की ट्रेनिंग ली। रिपोर्ट्स के अनुसार, वह आईईडी तैयार करने में माहिर था। उसने भारत में 2017 में घुसपैठ की थी। इसके बाद से ही वह घाटी में लगातार सक्रिय था। अदनान को पाकिस्तान के आतंकी संगठन जेईएम के शीर्ष रउफ अजहर, मौलाना मसूद अजहर और अमार के बड़े सहयोगियों में गिना जाता था

मेरे मन में कोई आकांक्षा, कोई इच्छा नहीं है : नीतीश

पटना, (एजेंसी)। बिहार के मुख यमंत्री नीतीश कुमार ने उन्हें (नीतीश को) पीएम (प्रधानमंत्री) पद का मटेरियल बताए जाने संबंधी उपेंद्र कुशवाहा के बयान पर कहा, हम कल कह चुके हैं।अपने पार्टी के साथी कुछ भी बोल देते हैं। हमारे बारे में ऐसा कहने की जरूरत नहीं है। गौरतलब है कि नीतीश कुमार के पुराने सहयोगी कुशवाहा कुछ महीने पहले जद(यू) में लौट आए और अपनी राष्ट्रीय लोक समता पार्टी का जद(यू) में विलय कर दिया है।

नीतीश ने कहा, हम सेवक है सेवा कर रहे हैं। यहां की सेवा करते करते मेरे मन में कोई आकांक्षा, कोई इच्छा नहीं है। यह पूछे जाने पर कि आपको क यों लगता है कि आप पीएम पद के लायक नहीं है, नीतीश ने कुछ भी कहने से इंकार कर दिया। दरअसल, कुशवाहा ने कहा था नीतीश कुमार एक प्रधानमंत्री मैटेरियल हैं।

नीतीश ने इसके साथ ही उन अटकलों का भी खंडन किया कि पार्टी के संसदीय बोर्ड के अध्यक्ष कुशवाहा लोकसभा सांसद राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने से वे नाराज हैं। शनिवार को नई दिल्ली में आयोजित जद(यू) की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में ललन सिंह पार्टी के शीर्ष पद के लिए चुने गए है। उन्होंने आरसीपी सिंह की जगह ली है। आरसीपी सिंह ने केंद्र में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार में मंत्री बनने के बाद जद(यू) अध्यक्ष पद छोड़ दिया था।

अफगानिस्तान ने किया तालिबान के ठिकानों पर हवाई हमला, अशरफ गनी बोले- 6 महीने में सुधरेंगे हालात

इस्लामाबाद।(एजेंसी)।

जैसा की अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन अमेरिकी जनता से वादा किया था कि जब वह सत्ता में आयेंगे तो अफगानिस्तान से अपनी सेना को वापस बुलाएंगे। बाइडन ने अपना वादा पूरा कर दिया है। 20 साल से अपने देश और परिवार से दूर अमेरिकी सैनिकों की घर वापसी हो रही हैं। अफगानिस्तान से जब से अमेरिका ने अपनी सेना वापस बुलाई है वहा के हालात काफी खराब हो गये हैं। तालिबान का दावा है कि वह अफगानिस्तान के प्रमुख क्षेत्रों में 90 प्रतिशत तक कब्जा कर चुका है। तालिबान के दावे पर अफगानिस्तान के राष्ट्रपति अशरफ गनी का बयान आया है।

अफगानिस्तान के राष्ट्रपति अशरफ गनी ने कहा है हिंसा प्रभावित देश की स्थिति में अगले छह महीनों के भीतर बदलाव दिखाई देगा क्योंकि उन्होंने जोर देकर कहा कि शहरों की सुरक्षा उनकी सरकार की प्राथमिकता है। एक वर्चुअल कैबिनेट बैठक को संबोधित करते हुए, गनी ने रविवार को कहा कि तालिबान पिछले दो दशकों में ÷अधिक क्रूर और अधिक दमनकारी÷ हो गया है। उन्हें शांति, समृद्धि या प्रगति की कोई इच्छा नहीं है। गनी को समाचार एजेंसी एएनआई के हवाले से कहा कि हम शांति चाहते हैं लेकिन वे आत्मसमर्पण (दबे हुए लोग और सरकार) चाहते हैं। वे तब तक सार्थक बातचीत नहीं करेंगे जब तक कि युद्ध के मैदान में स्थिति नहीं बदल जाती। इसलिए, हमारा एक स्पष्ट रुख होना चाहिए। इसके लिए देशव्यापी लामबंदी की आवश्यकता है।

गनी की टिप्पणी तब आई जब अफगान बलों ने रविवार को तालिबान लड़ाकों और ठिकानों पर लड़ाई लड़ी और बमबारी की। जिसमें तालिबानियों का भारी नुकसान होने की संभावना है। तालिबान ने अफगानिस्तान के दूसरे सबसे बड़े शहर और विद्रोहियों के पूर्व गढ़ कंधार में हवाई अड्डे पर भी हमला किया था, जिसमें समूह के प्रवक्ता के अनुसार तालिबानियों की तरफ से ने रात में कम से कम तीन रॉकेटों से हमला किया और कहा कि इसका उद्देश्य अफगान सरकारी बलों द्वारा किए गए हवाई हमलों को विफल करना था। तालिबान के प्रवक्ता जबीउल्लाह मुजाहिद ने रॉयटर्स को बताया, ÷कंधार हवाईअड्डे को हमारे द्वारा निशाना बनाया गया था क्योंकि दुश्मन इसे हमारे खिलाफ हवाई हमला करने के लिए केंद्र के रूप में इस्तेमाल कर रहा था। रॉकेट के रनवे पर आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त होने के बाद अधिकारियों ने कंधार से उड़ानों को निलंबित कर दिया। बाद में उड़ान संचालन बहाल कर दिया गया। तालिबान लड़ाकों ने कम से कम दो अन्य प्रांतीय राजधानियों पर भी हमला किया है, जिसमें हेलमंद में लश्कर गाह और इसी नाम के प्रांत में हेरात शामिल हैं।

वहीं अफगानिस्तान के रक्षा मंत्रायल के सोशल मीडिया से एक बमबारी का वीडियो जारी करते यह दावा किया गया है कि सेना ने तालिबान के ठिकानों पर हवाई हमले किए हैं। सरकार ने कहा है कि अफगानिस्तान के राष्ट्रीय रक्षा और सुरक्षा बलों (ृह्ष्ठस्न्र) ने देश भर में सैकड़ों तालिबान आतंकवादियों को मार गिराया है। हेरात प्रांत में अमेरिकी वायु सेना के एक बी-52 विमान द्वारा किए गए हवाई हमले में कम से कम 200 सौ तालिबान आतंकवादी मारे गए। अफगानिस्तान के सुरक्षा बलों ने गजनी, कंधार, फराह, जोजजान, बल्ख, समांगन,

हेलमंद, तखर, कुंदुज, बगलान, काबुल और कपिसा प्रांतों में तालिबान के खिलाफ प्रमुख अभियान और जवाबी हमले किए हैं।

गनी की टिप्पणी अफगानिस्तान स्वतंत्र मानवाधिकार आयोग (एआईएचआरसी) ने एक रिपोर्ट में कहा है कि इस साल के पहले छह महीनों में 1,594 विभिन्न सुरक्षा घटनाओं में 1,677 नागरिक मारे गए हैं और 3,644 घायल हुए हैं। एआईएचआरसी ने एक रिपोर्ट में कहा, ÷यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि 2020 के पहले छह महीनों में नागरिक हताहतों की कुल संख्या 2,957 थी, जिसमें 1,213 लोग मारे गए और 1,744 घायल हुए।÷ ÷उपरोक्त आंकड़ों की तुलना से पता चलता है कि 2020 के पहले छह महीनों की तुलना में 2021 के पहले छह महीनों में नागरिक हताहतों की संख्या में 80 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

तुर्की के जंगलों में लगी भीषण आग, 100 से अधिक जगहों पर बुझाई गयी आग

इस्तांबुल।(एजेंसी)।

तुर्की में भीषण गर्मी के बीच बोड्रम के नजदीकी जंगलों में लगी आग पर काफी हद तक काबू पा लिया गया है। अधिकारियों ने रविवार को बताया कि 100 से अधिक जगहों में लगी आग पर काबू पा लिया गया है। हालांकि दमकल विभाग के कर्मचारी प्रसिद्ध समुद्री पर्यटन केन्द्रों में लगी आग पर काबू पाने के काम में जुटे हुए हैं। तुर्की के कृषि और वानिकी मंत्री बेकिर पाकदेमिरली ने ट्वीट कर कहा कि अंताल्या और मुगला जैसे पर्यटन केन्द्रों के कुल पांच इलाकों में आग अब भी लगी हुई है जबकि 107 क्षेत्रों में लगी आग पर काबू पा लिया गया है। अंताल्या के दो जिलों में आग अब भी लगी हुई है। मुगला में आग मर्मारिस के पर्यटन स्थल के साथ-साथ अन्य क्षेत्रों में भी अपना कहर बरपा रही है। घबराए हुए सैलानियों को शनिवार को होटलों से निकालकर सुरक्षित स्थानों की ओर पहुंचाया गया। तुर्की के स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि शनिवार को दो वन्यकर्मियों की मौत के बाद भूमध्यसागर से सटे शहर में जंगल की आग से मरने वालों की संख्या बढ़कर छह हो गई है। बुधवार से जंगल में आग फैलने लगी और आग की चपेट में कुछ बस्तियां, पर्यटन केंद्र और गांव भी आ गए। लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। यह आग कुल 32 प्रांतों में फैल गयी थी। तटरक्षक इकाई ने अभियान का नेतृत्व किया और अधिकारियों ने निजी नौकाओं को जंगल की आग के कारण सैलानियों को सुरक्षित जगह पहुंचाने में सहयोग करने को कहा।

एक्सपोज हो रहा पाकिस्तान, अब कनाडा के नेता ने लगाया तालिबान को ट्रेनिंग का आरोप, भड़का

दुबई। (एजेंसी)।

तालिबानी लड़ाकों को आतंकवादी की बजाय उन्हें आम नागरिक बताने वाले पाकिस्तान को अब दुनिया एक्सपोज कर रही है। कनाडा के पूर्व मंत्री क्रिस एलेक्जेंडर की ऐसी ही एक ट्विटर पोस्ट पर पाकिस्तान बिफर गया है। क्रिस एलेक्जेंडर ने तालिबानी लड़ाकों की एक तस्वीर शेयर की है, जिसमें वे सीमा रेखा के पास दिख रहे हैं। उस तस्वीर को शेयर करते हुए एलेक्जेंडर ने लिखा है, 'तालिबान के लड़ाके पाकिस्तान से अफगानिस्तान की सीमा में घुसने का इंतजार कर रहे हैं। क्या अब भी कोई इस बात से इनकार कर सकता है कि पाकिस्तान प्रॉक्सी वॉर और वॉर क्राइम को अफगानिस्तान में बढ़ावा दे रहा है।'

अब पाकिस्तान ने उन पर बिफरते हुए बयान जारी कर कहा है कि हम उनके स्टेटमेंट की निंदा करते हैं। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने कहा कि उनका बयान यह बताता है कि उन्हें जमीनी हकीकत की जानकारी नहीं है। वे अफगानिस्तान की शांति प्रक्रिया के बारे में कुछ नहीं जानते हैं। पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय की ओर से एक ट्वीट में कहा गया है, 'हम कनाडा के मंत्री क्रिस एलेक्जेंडर की अवांछित टिप्पणी की निंदा करते हैं, जिससे एक भ्रम पैदा होता है। अफगानिस्तान में शांति प्रक्रिया को लेकर गलत राय कायम होती है। इस तरह के बयान बताते हैं कि उन्हें मुद्दे की कतई समझ नहीं है और वह जमीनी तथ्यों से भी अनजान हैं।'

यही नहीं पाकिस्तान एलेक्जेंडर के इस बयान पर ऐसा बिफरा है कि कनाडा सरकार से भी इस मुद्दे को उठाया है। पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय ने कहा, 'हमने इस मुद्दे को कनाडा सरकार के समक्ष उठाया है। हमने कनाडा सरकार से कहा है कि वह कदम उठाए कि इस तरह के मोटिवेटिड और गलत कैंपेन चलाने वाले बयानों पर रोक लग सके।' यही नहीं पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय ने कहा कि अब दुनिया ने अफगानिस्तान को लेकर इमरान खान के बयानों को समझा है। अब उनकी बातों की सराहना की जा रही है, जिन्हें वह लंबे समय से दोहराते रहे हैं।

किराये पर रह रहे लोगों के लिए बढ़ा खतरा, मकान खाली को मजबूर हो रहे अमेरिकी

बोस्टन।(एजेंसी)।

अमेरिका में राष्ट्रव्यापी निष्कासन स्थगन आदेश की अवधि सोमवार को समाप्त हो रही है ऐसे में किराये के घरों में रह रहे लोगों को अपने मकान जल्द खाली करने पड़ सकते हैं। महामारी के दौरान मकान खाली कराने पर रोक थी। आवास अधिवक्ताओं ने आशंका जताई है कि केंद्रीय रोग नियंत्रण एवं रोकथाम (सीडीसीपी) द्वारा लगाई गई रोक खत्म होने से आने वाले हफ्तों में लाखों लोगों को अपने किराये के आवास खाली करने पड़ सकते हैं। बाइडन प्रशासन ने बृहस्पतिवार को कहा था कि वह इस रोक को आगे नहीं बढ़ाएगा, क्योंकि अमेरिका की सर्वोच्च अदालत ने संकेत दिया है कि किराये के मकान खाली करने पर लगाई गई रोक को सिर्फ महीने के अंत ही बढ़ाया जा सकता है। सांसदों ने शुक्रवार को किराये के आवास खाली करने पर

रोक को कुछ महीने बढ़ाने की कोशिश की लेकिन उन्हें कामयाबी नहीं मिली।

बाइडेन प्रशासन ने उम्मीद जताई है कि दिसंबर और मार्च में कांग्रेस द्वारा आवंटित किराया सहायता निधि घर खाली करने के संकट को टालने में मदद करेगी,लेकिन इनके वितरण में काफी देरी हुई है। एशले फोन्सिरी (22) के घर खाली करने के मामले की बृहस्पतिवार को सुनवाई है। उनका कहना है कि उनके मकान मालिक ने किराया सहायता लेने से मना कर दिया है। सैंट लुईस में शैरिफ का दफ्तर घर खाली कराने से संबंधित अदालत के आदेशों की तामील करता है। शैरिफ वर्नोन बेट्स ने कहा कि मकान खाली कराने से संबंधित 126 आदेश हैं और वे रोक की अवधि समाप्त होने का इंतजार कर रहे हैं,उनका दफ्तर नौ अगस्त से प्रतिदिन ऐसे 30 आदेशों को लागू करने की योजना बना रहा है।। उन्होंने कहा कि जल्द ही सैकड़ों आदेश आने की संभावना है।

तानाशाह किम की धमकियों के बावजूद रिश्तों में सुधार चाहता है दक्षिण कोरिया

सियोल। (एजेंसी)।

दक्षिण कोरिया ने सोमवार को कहा कि वह प्रतिद्वंद्वी उत्तर कोरिया के साथ रिश्तों में सुधार और बातचीत शुरू करने की कोशिश जारी रखेगा। उधर, उत्तर कोरिया ने चेतावनी दी है कि अगर दक्षिण कोरिया अमेरिका के साथ मिलकर सैन्य अभ्यास करता है तो इससे दुश्मनी फिर से शुरू हो सकती है। उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन की ताकतवर बहन ने रविवार रात को चेताया कि यह सैन्य अभ्यास कोरियाई देशों के बीच आपसी विश्वास को बहाल करने की कोशिश को गंभीर रूप से कम करेगा और बेहतर रिश्तों की संभावना को धुंधला कर देगा। यह अभ्यास इस महीने होना है।

दक्षिण कोरिया के रक्षा मंत्रालय ने सोमवार को कहा कि अभ्यास का सटीक समय और अन्य विवरणों को अभी तय नहीं किया गया है और इनका निर्धारण अमेरिका तथा दक्षिण कोरिया के अधिकारियों द्वारा किया जाएगा। प्रवक्ता बू सेउंग-चान ने अपना पुराना बयान दोहराते हुए कहा कि सियोल और वाशिंगटन महामारी की मौजूदा स्थिति, उत्तर कोरिया की परमाणु महत्त्वाकांक्षा को रोकना में कूटनीतिक कोशिश और दक्षिण कोरिया एवं अमेरिका की तैयारी जैसे कारकों का परीक्षण कर रहे हैं। एकीकरण मंत्रालय की प्रवक्ता ली जोंग जू ने कहा कि सियोल उत्तर कोरिया के साथ बातचीत चाहता है लेकिन उसे इसके लिए कोई जल्दबाजी नहीं है। उत्तर कोरिया, दक्षिण कोरिया और अमेरिका के बीच सैन्य अभ्यासों को हमला करने के अभ्यास के तौर पर देखता है और अपने हथियारों का परीक्षण कर अक्सर उनका जवाब देता है।

ट्रंप ने मोदी को बताया था कठिन वार्ताकार, बाइडेन प्रशासन भी भारत की कुछ आर्थिक नीतियों से चिंतित

नई दिल्ली।(एजेंसी)।

अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने अपने दो दिवसीय भारत यात्रा के दौरान अफगानिस्तान में तेजी से बदल रहे सुरक्षा परिदृश्य, हिंद-प्रशांत क्षेत्र में भागीदारी को बढ़ावा देने और कोविड-19 महामारी से निपटने के प्रयासों समेत कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर बातचीत की। वहीं ऐसी भी जानकारियां भी हैं कि विदेश मंत्री जयशंकर और एंटनी ब्लिंकन के बीच हुई वार्ता में मौजूदा कारोबारी रिश्तों को लेकर कुछ तल्ख मुद्दे भी उठे।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक एंटनी ब्लिंकन ने भारत सरकार की प्रस्तावित ई-कामर्स नीति लेकर आपत्ति दर्ज कराई है। हालांकि भारत की तरफ से इन मुद्दों को सुलझाने का आश्वासन दिया गया है। बताया जा रहा है कि आगामी ट्रेड समझौते में इस समस्या का समाधान निकाला जाएगा। हालांकि ट्रेड वार्ता कब होगी ? इसके बारे में अभी कोई जानकारी नहीं है। आपको याद हो तो पिछले साल गुजरात में हुए 'नमस्ते ट्रंप' कार्यक्रम में तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को Tough Negotiator (कठिन वार्ताकार) बताया था। लेकिन अब कुछ आर्थिक नीतियों को लेकर बाइडेन प्रशासन ने भी चिंता जाहिर की।

ट्रंप ने कहा था कि हम जल्द ही एक बड़ा व्यापार सौदा करेंगे, जिस पर वर्तमान में बातचीत की जा रही है। प्रधान मंत्री मोदी कठिन वार्ताकार हैं।

एस जयंशकर ने एंटनी ब्लिंकन के साथ हुई बातचीत की जानकारी देते हुए कहा था कि हमारी द्विपक्षीय साझेदारी इस स्तर तक बढ़ी है कि यह हमें बड़े मुद्दों से मिलकर निपटने में सक्षम बनाती है। उन्होंने कहा था कि कोरोना महामारी स्वभाविक रूप से खास प्राथमिकता है। हमने कोविड से उत्पन्न यात्रा चुनौतियों पर चर्चा की। जयशंकर ने कहा था कि हमारी नजर अफगानिस्तान, हिंद-प्रशांत और खाड़ी क्षेत्र पर है।

वहीं, संयुक्त मीडिया ब्रीफिंग में एंटनी ब्लिंकन ने कहा था कि दुनिया में कुछ ही ऐसे संबंध है जो अमेरिका भारत के बीच के रिश्ते से अधिक अहम हैं। साथ ही उन्होंने कहा था कि भारत और अमेरिका के कदम ही 21वीं सदी और उसके बाद के दौर का स्वरूप तय करेंगे और यही वजह है कि भारत के साथ साझेदारी मजबूत करना होगा। इसके अलावा उन्होंने दोनों देशों के बीच उत्पन्न कारोबारी अड़चनों को दूर करने की दिशा पर लगातार काम करना होगा। इस बारे में भी हमारी बातचीत ही है।

उन्होंने कहा था कि अगर हम कारोबार व निवेश के लिए सही माहौल का निर्माण करते हैं तो हमारे देश की निजी क्षेत्र की कंपनियां

साथ-साथ बहुत कुछ हासिल कर सकती हैं।

अफगानिस्तान मुद्दे पर हुई बात

भारत यात्रा के दौरान एंटनी ब्लिंकन ने कहा था कि अफगान के नेतृत्व और अफगानिस्तान के स्वामित्व वाली शांति प्रक्रिया वहां होनी चाहिए। भारत इस स्थिति का पिछले कई वर्षों से पक्षधर रहा है। उन्होंने कहा था कि शांतिपूर्ण, सुरक्षित और स्थिर अफगानिस्तान में भारत और अमेरिका की गहरी रुचि है। एक नेता और क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण साझेदार के रूप में भारत ने अफगानिस्तान की स्थिरता और विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है और आगे भी ऐसा करना जारी रखेगा तथा हम अफगान लोगों के हितों को कायम रखने व गठबंधन सेनाओं की देश से वापसी के बाद क्षेत्रीय स्थिरता के लिये साथ काम करना जारी रखेंगे।

सार समाचार

रूस के कुर्लिस्क में हिली धरती, महसूस हुए भूकंप के तेज झटके

नई दिल्ली। रूस में कुर्लिस्क के दक्षिण-दक्षिण पूर्वी क्षेत्र में सोमवार को मध्यम श्रेणी के भूकंप के झटके महसूस किये गये। अमेरिकी भूगर्भ सर्वेक्षण एजेंसी के मुताबिक रिक्टर पैमाने पर भूकंप की तीव्रता 5. 4 मापी गयी। भूकंप का केंद्र 44 1322 उत्तरी अक्षांश और 148 2984 पूर्वी देशांतर तथा जमीन की सतह से 35 किलोमीटर की गहराई में रहा। भूकंप से किसी प्रकार के जानमाल के नुकसान की रिपोर्टें नहीं हैं। बता दें कि हाल ही में पेरू के उत्तर प्रशांत तट पर शुक्रवार को 6.1 तीव्रता का भूकंप आया थी जिससे बेहद प्राचीन गिरजाघर क्षतिग्रस्त हो गया और कम से कम एक व्यक्ति घायल हो गया। अमेरिका के भूगर्भीय सर्वे विभाग की ओर से बताया गया कि भूकंप दोपहर सुल्लाना शहर से आठ किलोमीटर दूर पूर्व दिशा में आया। ये भूकंप दक्षिण इक्काडोर तक महसूस किया गया था। पियूरा स्थित 16वीं सदी के गिरजाघर का एक हिस्सा भूकंप के कारण ढहता नजर आया। भूकंप के कारण अन्य समुदायों के दो धर्मस्थलों और तीन दमकल केंद्रों को भी नुकसान पहुंचा।

ईरान ने किया ड्रोन से इजरायली जहाज पर हमला! तीन देशों ने लगाया आरोप

दुबई। इजराइल के बाद अमेरिका और ब्रिटेन ने भी ईरान पर अरब सागर में ओमान के तट के पास एक तेल टैंकर पर ड्रोन से हमला करने का आरोप लगाया। इससे हमले से इनकार कर रहे ईरान पर दबाव और बढ़ गया है। ब्रिटेन के विदेश मंत्री डॉमनिक राब ने इसे गैरकानूनी व क्रूर हमला करार देते हुए कहा कि उनका देश और उसके सहयोगी बृहस्पतिवार रात को तेल टैंकर 'मर्कर स्ट्रीट' पर हुए हमले को लेकर समन्वित प्रतिक्रिया की योजना बना रहे हैं। वहीं इसके बाद अमेरिका के विदेश मंत्री एटंनी ब्लिंकन ने कहा कि ''इस हमले का कोई औचित्य नहीं है, जो हमलों वाले व्यवहार के एक स्वरूप का अनुसरण करता है।'' ईरान के साथ विश्व शक्तियों के खटाई में पड़े परमाणु समझौते के बाद उपजे तनाव के बीच यह इस क्षेत्र में लंबे अरसे बाद किसी वाणिज्यिक पोत पर किया गया पहला ज्ञात घातक हमला है। अब तक किसी ने हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है लेकिन ईरान और उसके मिलीशिया सहयोगी पूर्व में 'आत्मघाती' ड्रोन हमलों को अंजाम देते रहे हैं।

कैलिफोर्निया में हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्ट, चार लोगों की मौत

नई दिल्ली। अमेरिका के कैलिफोर्निया प्रांत के कोलुसा काउंटी में हुई हेलीकॉप्टर दुर्घटना में चार लोगों की मौत हो गई। स्थानीय शेरिफ विभाग ने यह जानकारी दी है।यूएस फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन (एफएए) के अनुसार, स्थानीय समयानुसार दोपहर करीब 1315 बजे सैक्रामेंटो के उत्तर में काउंटी के एक दूरदराज के इलाके में रविवार को रॉबिन्सन आर 66 हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हुआ। कोलुसा काउंटी शेरिफ विभाग ने हेलीकॉटर में सवार सभी लोगों के दुर्घटना में मारे जाने की पुष्टि की है। यूएस नेशनल ट्रांसपोटेर्शन सेफ्टी बोर्ड (एनटीएसबी) दुर्घटना के कारणों की जांच कर रहा है। एनटीएसबी ने ट्व्टर पर कहा, 'एनटीएसबी एक अगस्त को कैलिफोर्निया में कोलुसा के पास रॉबिन्सन आर 66 हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त होने की जांच कर रहा है।' सीबीएस ने अधिकारियों के हवाले से बताया कि दुर्घटना कोलुसा के पास रिजवेर्शन रोड पर राजमार्ग 45 के पास हुई।

खत्म होने की कगार पर ढाई करोड़ की आबादी का यह शहर, क्लाइमेट चेंज का कहर

लागोस। कारें और घर पानी में डूब गए हैं। कहां नाली है और कहां बारिश का पानी है, यह अंतर पता नहीं चलता। लोग इस बात का अनुमान लगाने में बिजी हैं कि आखिर बाढ़ के चलते उनकी प्रॉपर्टी का कितना नुकसान हुआ है। यह हाल है अफ्रीका के सबसे ज्यादा आबादी वाले और नाइजीरिया के फाइनेंशियल सेंटर लागोस का। बारिश के मौसम में बीते कई सालों से यहां बुरा हाल हो जाता है। मार्च से नवंबर महीनों के दौरान इस शहर में बाढ़ के हालात रहते हैं और जीना मुहाल हो जाता है। खासतौर पर जुलाई और अगस्त के आसपास संकट और गहरा हो जाता है। लागोस के 32 वर्षीय शख्स एसेलेबोर ओसेलुनामहेन ने सीएनएन से बातचीत में कहा कि मैं बड़ी मुश्किल से अपने घर से निकल पाया हूं। बाढ़ के चलते सड़कों पर काफी ट्रैफिक रहता है। हम जितना आगे बढ़ते हैं, वाटर लेवल भी उतना ही बढ़ जाता है। यहां तक कि मेरी कार के बंपर तक पहुंच जाता है। यहां तक कि बाढ़ का पानी कार के भीतर भी कई बार घुस आता है। सोशल मीडिया पर अकसर ऐसे वीडियो और फोटो शेयर होते हैं, जिसमें शहर पूरी तरह पानी में डूबा नजर आता है। इसके चलते हर साल लागोस में 4 अरब डॉलर के कारोबार का नुकसान होता है।

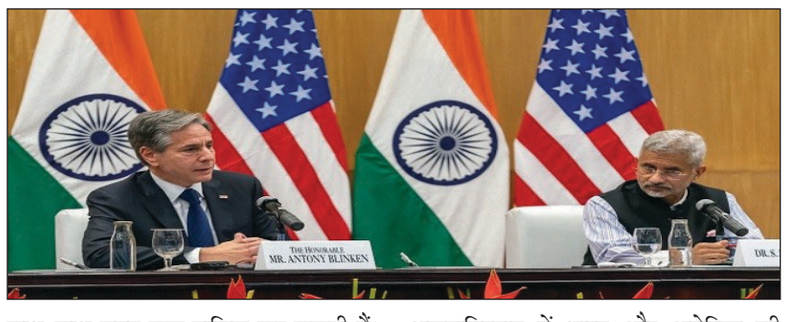

उजड़ता देश: तालिबान के डर से हर सप्ताह 30 हजार लोग छोड़कर भाग रहे अफगानिस्तान

नई दिल्ली। अफगानिस्तान के कई जिलों में तालिबान ने अपना कब्जा कर लिया है। अफगान विदेश मंत्रालय के अनुसार तालिबान ने 193 जिला केंद्रों और 19 सीमावर्ती जिलों पर कब्जा कर लिया है। तालिबान द्वारा की गई हिंसा में यहा 2 हजार से ज्यादा लोग मारे गए हैं। तालिबान के आतंक से परेशान होकर लोगों ने अफगानिस्तान छोड़कर दूसरे देशों में जाना शुरू कर दिया है। हर सप्ताह लगभग 30 हजार लोग अफगानिस्तान छोड़कर भाग रहे हैं। मजबूर लोग अस्थायी शिविरों में रह रहे हैं, कुछ अपने रिश्देदारों के घर रहे हैं। लोग अवैध तरीकों से सीमा पार करने के लिए तस्करों की भी मदद ले रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र के मुताबिक, इस साल अब तक लगभग 330, 000 लोग अफगानिस्थान से विस्थापित हुए हैं, जिनमें से आधे से ज्यादा लोग अपने घरों को छोड़कर इसलिए भाग गए, क्योंकि अफगानिस्तान से अब विदेशी सैनिकों की वापसी हो रही है।

नई दिल्ली में सोमवार को मूसलाधार बारिश के कारण मौसम सुहाना हो गया।

दिल्ली सरकार व्यापारियों की भलाई के लिए उठाएगी हर संभव कदम: सिसोदिया

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली के उपमुख्यमंत्री व वित्त मंत्री मनीष सिसोदिया ने दिल्ली के विभिन्न बाजार के व्यापार यूनियन के प्रतिनिधियों से मुलाकात की। दिल्ली जीएसटी संशोधन विधेयक के पारित होने से दिल्ली के लाखों व्यापारियों को लाभ हुआ है. इससे खुश व्यापारियों ने वित्तमंत्री को धन्यवाद ज्ञापन किया। उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने व्यापारियों को इन 15 अमंडमेंट्स के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि पहले व्यापारियों को हर साल ऋळ ऑडिट करवाना पड़ता था अब इसकी जरूरत नहीं पड़ेगी। जीएसटी ऑडिट से व्यापारी काफी परेशान थे और उन पर काफी आर्थिक बोझ भी पड़ रहा था, जीएसटी ऑडिट की अनिवार्यता खत्म होने से लाखों व्यापारियों को राहत मिलेगी। पहले ऋळ 3इ लेट हो जाने पर पूरे आउटपुट टैक्स पर ब्याज का नियम था. अब सेक्शन 50 में बदलाव के बाद सिर्फ नेट कैश लायबिलिटी पर ब्याज देना होगा । पहले माल रोके जाने या जब्ती के मामले में टैक्स और जुमार्ना देने का प्रावधान था अब उसमें बदलाव करते हुए व्यापारियों और ट्रान्सपोर्टर्स को राहत दी गई है । बोगस फर्म बनाकर हो रही जीएसटी की चोरी को रोकने के लिए अब नियम कड़े कर दिए गए हैं । जिससे चोरी के मास्टरमाइंड पर भी शिकंजा कसा जाएगा। उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने कहा कि दिल्ली सरकार समय समय पर दिल्ली के व्यापारियों से सुझाव लेती रहती है और उन सुझावों के आधार पर ही अपनी नीतियां बनाती है, उन्होंने व्यापारियों से कहा कि उनके लिए दिल्ली सरकार के दरवाजे हमेशा खुले हुए हैं और व्यापारी जब चाहें दिल्ली सरकार को अपने सुझाव दे सकते हैं।

मीटिंग में शामिल जीएसटी एक्सपर्ट सीए राकेश गुप्ता ने बताया कि पिछले सप्ताह दिल्ली विधानसभा में दिल्ली जीएसटी संशोधन विधेयक के तहत 15 अमेडमेंटस को अप्रूव किया गया था। पिछले कुछ दिनों से पूरी दिल्ली के व्यापारियों में इन जीएसटी अमेंडमेंट्स को लेकर काफी चर्चा थी। इन अमंडमेंट्स के बाद लाखों व्यापारियों को काफी लाभ होगा जिससे उनमें खुशी का माहौल है। चैंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री (सीटीआई) के चेयरमैन बृजेश गोयल के नेतृत्व में कश्मीरी गेट, चांदनी चौक, लाजपत नगर, सदर बाजार, चावड़ी बाजार, करोल बाग, खारी बावली, कनोट प्लेस, साउथ एक्स, नेहरू प्लेस, कमला नगर, लक्ष्मी नगर, शाहदरा, राजौरी गार्डन, सरोजनी नगर आदि बाजारों के व्यापारियों ने हिस्सा लिया।

तुगलकाबाद में महिला की गला घोंटकर हत्या

नई दिल्ली, (एजेंसी)। उत्तर-पूर्वी दिल्ली के गोविंदपुरी स्थित तुगलकाबाद एक्सटेंशन में एक शख्स ने अपनी पत्नी की गला घोंटकर हत्या कर दी। वारदात के बाद आरोपी कमरे पर बाहर से ताला लगातार फरार हो गया। परिजनों ने पुलिस को सूचना दी तो कमरे का दरवाजा तोड़ा गया है। महिला अपने कमरे में बिस्तर पर मृत थी। मृतका की शिनाख्त झरना (30) के रूप में हुई है। पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर आरोपी पति नंदा नायक उर्फ नंदू (35) को गिरफ्तार किया गया है। हत्या के एक मामले में रविवार को नंदू को सरेंडर करना था। वह दो जून से जमानत पर बाहर आया हुआ था। परिजनों का आरोप है कि उसी केस को वापस लेने के लिए आरोपी लगातार परिवार पर दबाव बना रहा था। पुलिस पकड़े गए आरोपी से पूछताछ कर मामले की छानबीन कर रही है।

ओल्ड नांगल में नाबालिग बच्ची की हत्या, महिला एवं बाल विकास मंत्री राजेन्द्र पाल गौतम पहुंचे

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली के महिला एवं बाल विकास मंत्री राजेन्द्र पाल गौतम ओल्ड नांगल में कल संदिग्ध हालत में हुई नाबालिग बच्ची की हत्या मामले में की जानकारी लेने पहुंचे। इस मामले में स्थानीय लोगों का कहना है कि, रेप के बाद बच्ची की हत्या की गई है और जबरन अंतिम संस्कार भी करा दिया गया। मंत्री राजेन्द्र पाल गौतम ने कहा कि हम चाहते हैं कि मामले की निष्पक्ष जांच हो। अगर जांच ठीक तरह से नहीं होती है, तो दिल्ली सरकार मजिस्ट्रियल जांच करवाएगी। दिल्ली में कल एक हैरान करने वाला मामला सामने आया। दिल्ली के ओल्ड नांगल में एक 12 वर्षीय बच्ची की संदिग्ध हालत में मौत हो गई। ऐसा लोगों का कहना है कि बच्ची के साथ रेप के बाद उसकी हत्या की गई है और जबरन अंतिम संस्कार भी करा दिया। इस मामले के जांच करने और सभी जानकारी लेने के लिए महिला एवं बाल विकास मंत्री राजेंद्र पाल गौतम वहां के लोगों से मिलने पहुंचे और वहां के लोगों से बातचीत की। मंत्री राजेंद्र पाल गौतम ने कहा, यह बहुत ही हैरान करने वाला मामला है। मैंने यहां के डीसीपी और डीएम से बात हुई है। मैंने उनसे कहां है कि मामले में कार्रवाई तेज गति से हो और बच्ची के माता पिता का बयान जल्द से जल्द दर्ज किया जाए। उन्होंने कहा, हम चाहते हैं कि इस मामले की जांच सही तरीके से हो। अगर हमको लगा कि मामले कि जांच ठीक तरह से नहीं हो रही है, तो दिल्ली सरकार मजिस्ट्रियल जांच करवाएगी। मंत्री राजेंद्र पाल गौतम ने आश्वासन दिया कि वह पीड़ित परिवार कि पूरी सहायता करेंगे। उन्होंने कहा, मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से हम बात करके जल्द से जल्द बच्ची के परिवार को मुआवजा भी देंगे और जिस प्रकार की कानूनी सहायता परिवार को चाहिए होगी, वह भी देंगे। महिला एवं बाल विकास मंत्री राजेंद्र पाल गौतम ने कहा, दिल्ली की कानूनी व्यवस्था केंद्र और एलजी के अधीन आती है। हम चाहते हैं कि एलजी साहब और दिल्ली पुलिस इस मामले की जांच सही तरह से करें और दिल्ली में सभी की सुरक्षा की व्यवस्था को मजबूत करें। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार महिला सुरक्षा के लिए उचित कदम उठा रही है। दिल्ली में हर जगह अब सीसीटीवी कैमरे लग रहे हैं। दिल्ली में करीब 2 लाख कैमरे लगा दिए गए हैं। इन कमरों की मदद से कई अपराधी भी पकड़े गए हैं। मैं अब उम्मीद करता हूं कि दिल्ली पुलिस भी इस मामले में निष्पक्ष जांच करें।

नई दिल्ली में सोमवार को दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष चौ. अनिल कुमार के दिल्ली में जनता की आवाज को उठाने, उनकी समस्याओं, परेशानियों और अधिकारों सहित जनहित मुद्दों के लिए लड़ाई लड़ने के साथ-साथ सामाजिक गतिविधियां जैसे कानूनी सहायता और कानूनी सलाह देने का काम भी दिल्ली प्रदेश कांग्रेस का विधिक एवं मानव अधिकार विभाग कर रहा है।

श्मशान घाट में पानी भरने गई लड़की की मौत, पुजारी ने की लड़की के अंतिम संस्कार की तैयारी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। नई दिल्ली के कैंट सागरपुर ब्रिज श्मशान घाट में बच्ची की रहस्यमय तरीके से मौत के बाद गांव के लोगों ने श्मशान घाट पर जमकर हंगामा किया। लोगों का आरोप था कि लड़की के साथ श्मशान घाट के पंडित ने गलत काम करके उसे मारकर जला दिया। वहीं आरोपी का कहना है कि लड़की की मौत करंट लगने से हुई है। कहा गया है कि शाम को करीब 5 बजे लड़की श्मशान घाट में पानी भरने गई थी, जहां पर उसकी मौत हो गई। इसके बाद वहां के पुजारी ने लड़की के अंतिम संस्कार की तैयारी शुरू कर दी। इसी बीच गांव वालों को जानकारी हुई तो बड़ी संख्या में लोग श्मशान घाट पर पहुंच गए और लड़की का शव चिता से उतार कर पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने लोगों के आरोप के आधार पर पुजारी और उसके अन्य साथियों को हिरासत में ले लिया और जांच में जुट गई है। दिल्ली पुलिस के अधिकारियों का कहना है कि बच्ची तकरीबन 5:30 बजे श्मशान घाट पर लगे वाटर कूलर से पानी लाने गई थी। आधे घंटे बाद पुजारी ने लड़की के परिजनों को बताया कि लड़की को कुछ हो गया है। उसके होंठ नीले पड़े हुए थे और हाथ मे जलने का निशान था। लड़की के परिजनों के अनुसार पुजारी ने बताया कि करंट लगने से बच्ची की मौत हुई है। परिवारवालों का आरोप है कि पुजारी और उसके साथ मौजूद 2-3 लोगों ने दबाव बनाया कि बच्ची का तुरंत अंतिम संस्कार कर दिया जाए, अगर पुलिस आएगी तो चीर फाड़ करेगी और इसके बॉडी पार्ट्स निकाल लिए जाएंगे। इसके बाद पुजारी और उसके साथियों की मदद से लड़की के अंतिम संस्कार की तैयारी शुरू कर दी गई, लेकिन इसी बीच गांव वालों को खबर लग गई। तुरंत ही बड़ी संख्या में लोग श्मशान घाट पहुंच गए और लड़की के शव को चिता से उतारकर उस पर पानी डाल दिया। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने आरोपी पुजारी को हिरासत में ले लिया है। साथ ही इस मामले को लेकर कई धाराओं में मामला दर्ज किया है। पुलिस का कहना है कि लाश काफी हद तक जल चुकी है, इसलिए एफएसएल टीम से जांच कराई जा रही है। अगर बच्ची के साथ कुछ गलत हुआ है तो सच सामने आ जाएगा, शुरूआती जांच में करंट लगने से मौत का मामला लग रहा है, लेकिन लापरवाही और सबूतों को मिटाने की कोशिश की वजह से पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

दिल्ली में 14.10 लाख से अधिक लोग कोरोना संक्रमण को दे चुके हैं मात

नई दिल्ली, (एजेंसी)। राष्ट्रीय राजधानी में कोविड-19 के 85 नये मामले सामने आए जबकि संक्रमण से एक और मरीज की मौत हो गयी। संक्रमण की दर 0.12 प्रतिशत पर पहुंच गयी है। दिल्ली के स्वास्थ्य विभाग ने एक बुलेटिन जारी कर यह जानकारी दी। बुलेटिन के मुताबिक नये मामले सामने आने के साथ कुल संक्रमितों की संख्या बढ़कर 14,36,350 हो गयी। दिल्ली में अब तक 14.10 लाख से अधिक लोग इस जानलेवा वायरस के संक्रमण को मात दे चुके हैं। बुलेटिन के मुताबिक कोविड-19 से एक और मरीज की मौत होने से मृतकों की तादाद 25,054 पर पहुंच गयी।

इससे पहले शनिवार को दिल्ली में कोविड-19 के 58 नये मामले सामने आए थे और एक मरीज की मौत हुई थी जबकि संक्रमण की दर 0.08 प्रतिशत रही थी। दिल्ली में शुक्रवार को कोविड-19 के 63 नये मामले सामने आए थे और तीन मरीजों की मौत हुई थी, जबकि संक्रमण की दर 0.09 प्रतिशत रही थी। राष्ट्रीय राजधानी में बृहस्पतिवार को कोविड-19 के 51 नये मामले दर्ज किए गए थे और संक्रमण की दर 0.08 प्रतिशत थी जबकि संक्रमण से किसी मरीज की मौत नहीं हुई थी। स्वास्थ्य बुलेटिन के मुताबिक दिल्ली में कोविड-19 के उपचाराधीन मरीजों की संख्या 582 हो गयी है।

इसबीच महाराष्ट्र में कोविड-19 के 6479 नए मरीज सामने आए जबकि 157 मरीजों की मौत हो गई। राज्य के स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक नए मामलों के बाद प्रदेश में संक्रमितों की कुल संख्या बढ़कर 63,10,194 हो गई वहीं महामारी से जान गंवाने वालों का आंकड़ा बढ़कर 1,32,948 हो गया। विभाग के मुताबिक प्रदेश में बीते 24 घंटों के दौरान 4110 मरीज इस महामारी से ठीक हुए हैं और इन्हें मिलाकर अब तक संक्रमण से उबर चुके लोगों की संख्या बढ़कर 60,94,896 हो गई है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में फिलहाल 78,962 मरीज उपचाराधीन हैं और स्वस्थ होने की दर 96.59 प्रतिशत है। मामलों में मृत्युदर 2.1 प्रतिशत है। विभाग ने एक बयान में कहा कि मुंबई में संक्रमण के 328 नए मामले सामने आए जबकि 10 और मरीजों की मौत हो गई। यहां नए मामलों के बाद संक्रमितों की कुल संख्या बढ़कर 7,35,107 हो गई जबकि महामारी से जान गंवाने वालों की संख्या बढ़कर 15,899 हो गई। मुंबई मंडल में आज 998 मामले सामने आए जबकि 17 मरीजों की जान चली गई। नासिक मंडल में संक्रमण के 985 नए मामले सामने आए जिनमें से 873 मामले अहमदनगर जिले से मिले। पुणे मंडल में 2332 मरीज मिले तो कोल्हापुर मंडल में संक्रमण के 1665 नए मरीज मिले। प्रदेश में संक्रमण के लिए अब तक कुल 4,81,85,350 नमूनों की जांच की जा चुकी है। आंध्र प्रदेश में कोरोना वायरस के 2,287 नए मामले सामने आए, जिससे राज्य में संक्रमण के कुल मामलों की संख्या बढ़कर 19,68,462 हो गई। रविवार को सुबह नौ बजे समाप्त हुये पिछले 24 घंटे में ये मामले सामने आए। राज्य सरकार की ओर से जारी बुलेटिन में इसकी जानकारी दी गयी है। बुलेटिन में कहा गया है कि 2,430 और लोग इस बीमारी से ठीक हुए, जिसके बाद अब तक ठीक होने वाले लोगों की कुल संख्या बढ़कर 19,34,048 हो गई। इमसें कहा गया है कि 24 घंटों में 18 और मौत हुयी है जिसके बाद प्रदेश में मरने वालों की संख्या बढ़कर 13,395 हो गई। बुलेटिन में कहा गया है कि राज्य में उपचाराधीन मरीजों की संख्या 21,019 हो गयी है। पूर्वी गोदावरी में 410 नए मामले सामने आए, इसके बाद चित्तूर (377), कृष्णा (299), गुंटूर (231), एसपीएस नेल्लोर (187), प्रकाशम (185), विशाखापत्तनम (170), कडप्पा (125) और पश्चिम गोदावरी (123) का स्थान रहा। शेष चार जिलों में 60 से कम नए मामले सामने आए। चित्तूर में 24 घंटे में चार नई मौतें हुईं, जबकि कृष्णा और एसपीएस नेल्लोर में तीन-तीन, पूर्वी गोदावरी और प्रकाशम में दो-दो, गुंटूर, कुरनूल, विशाखापत्तनम और पश्चिम गोदावरी में एक-एक मौत हुई। चार जिलों में कोविड-19 से कोई मौत नहीं हुई। झारखंड में कोविड-19 के 36 नये मामले सामने आने के साथ कुल संक्रमितों की संख्या बढ़कर 3,47,173 हो गयी जबकि इस दौरान संक्रमण से किसी मरीज की मौत नहीं होने से मृतकों की तादाद 5,128 पर स्थिर रही। राज्य के स्वास्थ्य विभाग ने एक बुलेटिन जारी कर यह जानकारी दी।

महापौर ने उपराज्यपाल के सामने खोली पूर्वी निगम की पोल, अधिकारियों पर कड़ी कार्रवाई के लिए मांगा सहयोग

नई दिल्ली । भ्रष्टाचार के खिलाफ मुखर रहे श्याम सुंदर अग्रवाल महापौर बनने के बाद भी नहीं बदले। सोमवार को उन्होंने उपराज्यपाल अनिल बैजल के सामने पूर्वी निगम की पूरी पोल खोल दी। उन्होंने उपराज्यपाल को एक पत्र सौंपा है। इसमें निगम की समस्याओं का विवरण दिया गया है। इसमें कहा गया है कि पूर्वी निगम में अवैध निर्माण एक बड़ी समस्या है और इसमें बिल्डिंग विभाग के सभी अधिकारी संलिप्त हैं। उन्होंने इन अधिकारियों पर कड़ी कार्रवाई की जरूरत बताई और इसमें उपराज्यपाल का सहयोग मांगा।

श्याम सुंदर अग्रवाल ने अपने पत्र में कहा है कि साल 2017 से अब तक पूर्वी निगम क्षेत्र में अधिकारियों ने 18 हजार ये अधिक मकानों और दुकानों को बुक किया है। बुक किए गए सभी मकानों में लोग रह रहे हैं और दुकानें भी चल रही हैं। यदि ये संपत्तियां नक्शे से बनाई जातीं तो निगम को इनसे चार सौ करोड़ रुपये का राजस्व मिलता। लेकिन अधिकारियों ने निजी स्वार्थ के लिए नियम कायदों को ताक पर रख दिया।

कई बार लिखित में शिकायत देने के बावजूद ये अधिकारी कार्रवाई नहीं करते। क्योंकि ऊपर से नीचे तक सभी अधिकारी मिले हुए हैं और कोई भी एक-दूसरे पर कार्रवाई नहीं चाहता है। महापौर ने कहा है कि निगम की छवि सुधारने के लिए और राजस्व को बढ़ाने के लिए इन बेलगाम अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई करने की जरूरत है। चाहे कुछ कनिष्ठ, सहायक और अधिशासी अभियंताओं को बर्खास्त क्यों न करना पड़े। उन्होंने पत्र में उपराज्यपाल से इस कार्य में सहयोग मांगा है।

15 अगस्त को गाजीपुर बॉर्डर पर झंडा फहराएंगे यूपी के किसान

नई दिल्ली/गाजियाबाद/हापुड़ । तीनों केंद्रीय कृषि कानूनों को पूरी तरह से वापस लेने की मांग को लेकर दिल्ली-एनसीआर के चारों बॉर्डर (सिंघु, टीकरी, शाहजहांपर और गाजीपुर बॉर्डर) पर यूपी के साथ पंजाब और हरियाणा के किसानों का धरना प्रदर्शन जारी है। इसी के साथ ही दिल्ली के जंतर मंतर पर किसान संसद का आयोजन भी किया जा रहा है, यह आयोजन उसी दिन होता है, जिस दिन संसद का मानसून सत्र चलता है। वहीं, दिल्ली से सटे उत्तर प्रदेश के हापुड़ जिले में कृषि कानूनों के विरोध में होने वाले आगामी कार्यक्रम की तैयारियों में किसान लगे हुए हैं। अब 15 अगस्त को गाजीपुर बॉर्डर पर किसान झंडा फहराने की रणनीति बनाने में जुटे हैं। इसको लेकर रविवार को गांव रसूलपुर में किसानों की बैठक आयोजित हुई।

भारतीय किसान यूनियन के पूर्व मंडल उपाध्यक्ष धनवीर शास्त्री ने कहा कि संगठन हाई कमान के आदेश पर 13 अगस्त को अमरोहा व मुरादाबाद से आने वाले किसानों के रुकने की व्यवस्था हापुड़ में होगी। स्थान निर्धारित करने पर विचार चल रहा है।

उन्होंने कहा कि तीनों कृषि कानून किसान विरोधी हैं, जिनके विरोध में किसान पिछले कई महीने से आंदोलन कर रहे हैं। सरकार मांगों को मानने के बजाय हठधर्मिता दिखा रही है। उन्होंने कहा कि 15 अगस्त को किसान गाजीपुर बार्डर पर झंडा फहराएंगे, जिसमें हापुड़ समेत आसपास के जिलों से किसान भी गाजीपुर पहुंचेंगे। उन्होंने कहा कि इस संबंध में तैयारी पूरी कर ली गई है। इस अहम बैठक में कुशलपाल आर्य, समरपाल सिंह, तेजपाल सिंह, पिंटू सिंह, सूरजमल सिंह, बलराज सिंह, जतिन चौधरी, इंद्रराज सिंह, साधु सिंह, मुन्नु सिंह, सुदेश दीवान, विरेंद्र, डीपी सिंह और पंकज आदि मौजूद थे।

दिल्ली विकास मॉडल से प्रभावित होकर लोग आप में शामिल हो रहे हैं : सौरभ

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केजरीवाल सरकार के दिल्ली विकास मॉडल से प्रभावित होकर अलग-अलग पार्टियों से लोग लगातार आप परिवार में शामिल हो रहे हैं। इसी क्रम में आप मुख्य प्रवक्ता सौरभ भारद्वाज ने आज ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी के सदस्य आर. मणि नायडू और डॉ राज ऋषि पांडे को पटका पहनाकर आम आदमी पार्टी में शामिल किया। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव पंकज गुप्ता ने टोपी पहनाकर सभी का आम आदमी पार्टी में स्वागत किया। सौरभ भारद्वाज ने कहा, जो लोग वाकई जनता के हित में काम करना चाहते हैं वे दिल्ली में शिक्षा, स्वास्थ्य, बिजली, पानी, सड़क और वाईफाई समेत तमाम क्षेत्रों में किए जा रहे ऐतिहासिक कार्यों से प्रभावित होकर आम आदमी पार्टी में शामिल हो रहे हैं।

आम आदमी पार्टी के मुख्य प्रवक्ता और ग्रेटर कैलाश से विधायक सौरभ भारद्वाज ने कहा, आज आम आदमी पार्टी की सरकार के लिए बड़े ही हर्ष का दिन है। अरविंद केजरीवाल की नीतियों से प्रभावित होकर कांग्रेस और भाजपा से कई नामचीन सख्सियतें आज आम आदमी पार्टी में शामिल हो रही हैं। इस क्रम में सबसे पहला नाम आर. मणि नायडू जी का है। नायडू जी ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी के सदस्य हैं। वह दिल्ली साउथ इंडियन कांग्रेस के अध्यक्ष हैं, 2 बार आंध्र संघ के अध्यक्ष भी रह चुके हैं और वर्तमान में कांग्रेस बाबरपुर जिला के आब्जर्वर हैं। नायडू जी भारत सरकार कपार्ट के भी सदस्य रह चुके हैं। इनकी पत्नी उमा नायडू जी 2 बार दिल्ली नगर निगम का चुनाव लड़ चुकी हैं। जो बात नायडू जी को सबसे खास बनाती है वह यह है कि इन्हें तेलंगाना और आंध्र क्षेत्र के पहले नागरिक के तौर पर देखा जाता है। इनके अलावा डॉ राज ऋषि पांडे जी आम आदमी पार्टी में शामिल हो रहे हैं। पांडे जी भी ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी के सदस्य हैं। वह 2019 लोकसभा और दिल्ली विधानसभा चुनाव के आब्जर्वर रहे हैं। ये मध्य प्रदेश सरकार के पूर्व वित्त सलाहकार रहे हैं, एनएसयूआई दिल्ली के पूर्व सचिव हैं और दिल्ली युवा कांग्रेस के भी सचिव रह चुके हैं। मैं आम आदमी पार्टी की सरकार की तरफ से सभी लोगों का पार्टी में स्वागत करता हूँ। जो लोग दिल्ली की तरह एमसीडी में भी बदलाव चाहते हैं, जो लोग एमसीडी से भ्रष्टाचार खत्म करना चाहते हैं वह अरविंद केजरीवाल की सरकार के नेतृत्व में काम करने की इच्छा रखते हैं। इसी क्रम में आज राष्ट्रीय प्रजापति महासभा के कई सदस्यों ने भी आप सरकार की सदस्यता ली। इनके अलावा कई अन्य लोग भी आम आदमी पार्टी में शामिल हुए।

संपादकीय

भीख की मजबूरी

भीख मांगने वालों के प्रति जिस श्रेष्ठ संवदेना का प्रदर्शन देश की सर्वोच्च अदालत ने किया है, वह न केवल स्वागत-योग्य है, बल्कि अनुकरणीय भी है। अदालत ने दोटूक कह दिया कि वह सड़कों से भिखारियों को हटाने के मुद्दे पर एलीट या संभ्रांत वर्ग का नजरिया नहीं अपनाएगी, क्योंकि भीख मांगना एक सामाजिक और आर्थिक समस्या है। न्यायमूर्ति डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति एम आर शाह की बेंच ने कहा कि वह सड़कों और सार्वजनिक स्थलों से भिखारियों को हटाने का आदेश नहीं दे सकती, क्योंकि शिक्षा और रोजगार की कमी के चलते बुनियादी जरूरतों को पूरा करने के लिए ही लोग आमतौर पर भीख मांगने को मजबूर हो जाते हैं। अदालत का इशारा साफ था कि भीख मांगने पर प्रतिबंध लगाना ठीक नहीं होगा और इससे भीख मांगने की समस्या का समाधान नहीं होगा। याचिकाकर्ता को शायद उम्मीद थी कि सर्वोच्च अदालत सड़कों-चौराहों पर लोगों को भीख मांगने से रोकने के लिए कोई आदेश या निर्देश देगी। अदालत ने समस्या की व्याख्या जिस संवेदना के साथ की है, वह गरीबी हटाने की दिशा में आगे के फैसलों के लिए बहुत गौरतलब है। अदालत ने पूछा कि आखिर लोग भीख क्यों मांगते हैं? गरीबी के कारण ही यह स्थिति बनती है।

यह सोचने में बहुत अच्छा लगता है कि सड़कों पर कोई भिखारी न दिखे, लेकिन सड़कों से भिखारियों को हटाने से क्या गरीबी दूर हो जाएगी? क्या जो लाचार हैं, जिनके पास आय का कोई साधन नहीं, क्या उन्हें मरने के लिए छोड़ दिया जाएगा? जस्टिस चंद्रचूड़ ने याचिकाकर्ता की ओर से पेश वरिष्ठ वकील चिन्मय शर्मा से यह भी कहा कि कोई भीख नहीं मांगना चाहता। मतलब, सरकार को भीख मांगने की समस्या से अलग ढंग से निपटना होगा। इसमें कोई शक नहीं कि सरकार असंख्य भारतीयों तक नहीं पहुंच पा रही है। मुख्यधारा से छिटके हुए वंचित लोग भीख मांगने को विवश हैं। ऐसे लोगों तक जल्दी से जल्दी सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचना चाहिए। जहां तक चौराहों पर भीख की समस्या है, तो स्थानीय प्रशासन इस मामले में कदम उठा सकता है। सड़क पर भीख मांगने वालों को सचेत किया जा सकता है कि वे किसी सुरक्षित जगह पर ही भीख मांगने जैसा कृत्य करें। भीख मांगना अगर सामाजिक समस्या है, तो समाज को भी अपने स्तर पर इस समस्या का समाधान करना चाहिए। समाज के आर्थिक रूप से संपन्न और सक्षम लोगों को स्थानीय स्तर पर सरकार के साथ मिलकर भीख जैसी मजबूरी का अंत करना चाहिए।

बहरहाल, सर्वोच्च अदालत ने कोविड-19 महामारी के मद्देनजर भिखारियों और बेघर लोगों के पुनर्वास और टीकाकरण का आग्रह करने वाली याचिका पर मंगलवार को केंद्र और दिल्ली सरकार को नोटिस जारी करके उचित ही जवाब मांगा है। याचिका की प्रशंसा की जानी चाहिए कि उसमें महामारी के बीच भिखारियों और बेघर लोगों के पुनर्वास, उनके टीकाकरण, आश्रय व भोजन उपलब्ध कराने का प्रशंसनीय आग्रह किया गया है। वाकई भीख मांगने वाले और बेघर लोग भी कोविड-19 के संबंध में अन्य लोगों की तरह चिकित्सा सुविधाओं के हकदार हैं। केंद्र सरकार के साथ तमाम राज्य सरकारों को स्वास्थ्य और रोजगार का दायरा बढ़ाना चाहिए, ताकि जो बेघर, निर्धन हैं, उन तक मानवीयता का एहसास पुरजोर पहुंचे।

यह चिंताजनक हिंसा

पूर्वोत्तर के दो राज्यों असम और मिजोरम के बीच हुई हिंसा असाधारण और अत्यंत गंभीर है। इस हिंसा में असम के पांच पुलिसकर्मियों और एक नागरिक की मौत हो गई और करीब 50 लोग घायल हो गए। वास्तविकता यह है कि इन दो पड़ोसी राज्यों के बीच खूनी संघर्ष लंबे समय से चले आ रहे सीमा विवाद और उससे पैदा हुए टकराव की परिणति है। हिंसा की तस्वीरों को देखकर लग रहा था कि किसी एक संप्रभु देश के 2 प्रांत नहीं, बल्कि दो दुश्मन राष्ट्रों के बीच हिंसा हो रही है। हिंसा की प्रकृति को संवैधानिक और संस्थागत गतिरोध के रूप में रेखांकित किया जा रहा है। हिंसक झड़प के बाद असम के मुख्यमंत्री हेमंत विस्वा सरमा और मिजोरम के मुख्यमंत्री जोरामथांगा के बीच ट्विटर युद्ध शुरू हो गया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की मध्यस्थता के बाद दोनों शांत हुए। पूर्वोत्तर में सीमा विवाद की जड़ें बहुत पुरानी और गहरी हैं। ऐतिहासिक साक्ष्य बताते हैं कि पूर्वोत्तर के राज्यों को सीमा विवाद का तनाव ब्रिटिश औपनिवेशिक सत्ता से विरासत के रूप में मिला है। आजाद भारत में जब राज्यों का पुनर्गठन किया गया तब ब्रिटिश अधिकारियों द्वारा सीमाओं से संबंधित गलतियों को दुरुस्त करने का अवसर था, लेकिन ऐसा नहीं हो सका। मिजोरम 1972 में संघ शासित प्रदेश के रूप में अस्तित्व में आया और 1987 में इसे पूर्ण राज्य का दर्जा दिया गया। इससे पहले यह असम का हिस्सा था। असम का नगालैंड, मेघालय और अरुणाचल के साथ भी सीमा विवाद है। अतीत में भी पूर्वोत्तर के राज्यों में सीमा विवाद को लेकर टकराव होते रहे हैं। विवादों को सुलझाने के लिए प्रयास भी किए गए लेकिन सफलता नहीं मिली। असम-मिजोरम के बीच हिंसक झड़प आंखें खोलने वाली है। यह घटना बताती है कि पूर्वोत्तर के राज्यों के बीच सीमा विवाद कितना गंभीर हो सकता है। असम और मिजोरम दोनों ने लंबे समय तक अशांति और उथल-पुथल का सामना किया है। अब वहां आर्थिक पुनर्निर्माण का दौर शुरू हुआ है। सुरक्षा की दृष्टि से पूर्वोत्तर बहुत संवेदनशील क्षेत्र है। इसलिए पूर्वोत्तर के राज्यों के नेताओं को शांतिपूर्ण ढंग से सीमा विवाद को सुलझाने का प्रयास करना चाहिए। केंद्र सरकार ने स्पष्ट कर दिया है कि राज्यों के बीच सीमा विवाद आपसी सहयोग से सुलझाए जाते हैं। केंद्र राज्यों के आंतरिक मामलों में केवल मध्यस्थ की भूमिका का निर्वाह करता है।

प्रवीण कुमार सिंह

इधर भी संसद, उधर भी संसद

इधर भी संसद है, उधर भी संसद है। लेकिन जिधर देखो, उधर संसद, कि यहां-वहां सब जगह संसद ही संसद नहीं है। भैया, सेंट्रल विस्टा वाली संसद बनने में भी अभी वक्त है। फिर संसद के अलावा विधानसभाएं भी तो हैं और वहां मुख्यमंत्री भी बदले जा रहे हैं। उनका रुदन भी है। रूठने वाले का नहीं, पिटने वाले का रुदन। इधर भाजपा को ताश के पत्ते फेंटने का शौक चर्राया है। कभी इसे कांग्रेस का शगल माना जाता था, आज भाजपा है। लोग इसे भाजपा का कांग्रेसीकरण भी मान सकते हैं। पर कहीं यह न हो जाए कि इस शौक के चलते जैसे कांग्रेस के दिन लदे, वैसे ही भाजपा के भी दिन भी लद जाएं। टाइम पास के लिए पत्ते पीटना भी कुछ-कुछ उसी कहावत का विस्तार है कि बैठा बनिया क्या करे, इधर के बाट उधर करे। फिर भी संसद है और इधर है और उधर भी है। दोनों एक दूसरे के दरवाजे पर हैं। इसे फोन कॉलवाली वह दूरी मत समझ लेना, जब प्रधानमंत्रीजी ने कहा था कि सरकारग किसानों से फोन कॉल की दूरी पर है। यह दूरी आठ महीने में तो खत्म हुई नहीं, आगे की भगवान जाने। खैर, सीन पड़ोसियों वाला ही है। एक-दूसरे के लिए कोसने हैं, लानत-मलामत हैं, शिकवे-शिकायत हैं।

जो संसद है और जो वास्तव में संसद है, उसमें खूब हो हल्ला है, जिसमें कुछ लोग जूतम पैजार कहने की हद तक जा सकते हैं। अलबत्ता जो मंत्री पद पाने से रह गए वे यह भी कह सकते हैं कि जूतों में दाल बंट रही है। फिर चाहे चिराग पासवान से पूछकर देख लीजिए या नीतीशजी। विरोधी हैं तो क्या हुआ, दर्द तो एक है न। उन्होंने दर्द एक-दूसरे को जरूर दिया होगा, लेकिन एक-दूसरे की दवा करने की स्थिति में बिल्कुल भी नहीं लग रहे। और साहब दवा को लेकर तो विपक्ष पहले ही इतना बवाल खड़ा किए हुए है। सरकार को चाहिए कि जैसे उसने कहा कि ऑक्सीजन की कमी से कोई मौत नहीं हुई, वैसे ही यह दावा भी कर दे कि दवा की कमी से कोई मौत नहीं हुई। बीमारी से हुई हो तो हुई हो। खैर, उस संसद में बड़ा हल्ला है साहब, जासूसी तक को लेकर है। लेकिन उधर बगल वाली संसद में कार्रवाई बड़ी शांति से चलती है। न कोई हो हल्ला होता है, न कार्रवाई स्थगित होती है। मुद्दों पर चर्चा होती है, बहस होती है। बस जो वास्तव में संसद है, वहां इतने मुद्दे हैं कि किसी भी मुद्दे पर चर्चा नहीं हो पाती और इस संसद में ले-देकर कर एक ही मुद्दा है-कृषि कानून वापस लो। फिर भी खूब चर्चा है।

दुनिया बदल सकती है यह दोस्ती

जनवरी, 2021 में जो बाइडन के राष्ट्रपति पद की शपथ लेने के बाद यह तीसरा मौका था, जब अमेरिकी सरकार का कोई वरिष्ठ नेता भारत आया। अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन कल देर शाम नई दिल्ली से कुवैत की ओर रवाना हो चुके हैं, लेकिन उनसे पहले रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन और जलवायु परिवर्तन मामलों पर अमेरिकी राष्ट्रपति के विशेष दूत जॉन कैरी की भारत यात्रा यह संकेत दे चुकी है कि बाइडन सरकार नई दिल्ली को कितनी अहमियत दे रही है।

ब्लिंकन का यह दौरा द्विपक्षीय संबंधों के साथ-साथ क्षेत्रीय रिश्तों की दशा-दिशा तय करने वाला माना जाएगा। हिंद प्रशांत क्षेत्र में शांति और स्थिरता को बढ़ावा देने के अलावा अफगानिस्तान में क्षेत्रीय सुरक्षा के मुद्दों पर कहीं अधिक मजबूती से मिलकर काम करने की सहमति बनी है। ऐसा माना जा रहा है कि अफगानिस्तान बातचीत का केंद्र रहा, क्योंकि अमेरिका जिस तरह से वहां से निकला है, उससे भारत भी चिंतित है। रात के अंधेरे में अमेरिकी सैनिकों ने अफगानिस्तान छोड़ा और हवाई जहाज से वे अपने देश के लिए रवाना हुए। भले ही अमेरिका ने अफगान हुकूमत को इसके बारे में स्पष्ट कर दिया था, लेकिन छिपते-छिपाते अमेरिकी फौज की रवानगी कई एशियाई देशों को वियतनाम युद्ध की याद दिला गई। सन 1975 में साइगॉन (हो ची मिन्ह शहर) से अमेरिकी फौज अपने दामन पर हार का दाग लेकर इसी तरह लौटी थी। अफगानिस्तान से उसकी घर वापसी को भी कई देश इसी रूप में देख रहे हैं। भारत के साथ दिक्कत यह है कि अफगानिस्तान के बुनियादी ढांचे के निर्माण और व्यापार परियोजनाओं में उसने तकरीबन तीन अरब डॉलर का निवेश कर रखा है। इतना ही नहीं, नई दिल्ली ने वहां के सभी 34 प्रांतों में 400 से अधिक परियोजनाएं शुरू की हैं। चूंकि वहां अब तक कोई स्थिर सरकार का गठन नहीं हो सका है और तालिबान अपने प्रभाव क्षेत्र के लगातार बढ़ने का दावा कर रहा है, इसलिए नई दिल्ली इन विकास-कार्यों के भविष्य को लेकर चिंतित है। एक तर्क यह दिया जा सकता है कि तालिबान शायद इन परियोजनाओं को नुकसान न पहुंचाए, मगर जिस तरह से पाकिस्तान लगातार भारत के बारे में दुष्प्रचार कर रहा है और अमेरिकी फौज की वापसी को भारत की हार के रूप में दुष्प्रचारित कर रहा है, उससे खतरा यह है कि कहीं पाकिस्तानपरस्त आतंकवादी तालिबान की आड़ में इन विकास-कार्यों के लिए खतरा न बन जाएं। नई दिल्ली वाशिंगटन से यह भरोसा चाहता है कि वह अफगानिस्तान को उसके हाल पर छोड़ देने के बजाय एक ठोस रणनीति के तहत उसकी मदद करता रहे।

> विदेश मंत्री बनने के बाद वह पहली बार भारत आए थे और यहां उन्होंने बाइडन प्रशासन का यह मंत्र दोहराया कि अमेरिका और भारत के बीच संबंधों को मजबूत करने का सिलसिला जारी रहना चाहिए।

भारत और अमेरिका के रिश्ते में 'क्वाड' भी काफी अहमियत रखता है। भारत, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और जापान से मिलकर बना यह संगठन अभी भले ही वैधानिक जामा नहीं पहन सका है, लेकिन इसने चीन के साथ तनाव बढ़ने पर अपनी सुरक्षा और आर्थिक संबंधों को तेजी से मजबूत बनाना शुरू कर दिया है। मार्च, 2021 में अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने इसकी एक वर्चुअल मीटिंग बुलाई थी, जिसमें ऑस्ट्रेलिया, भारत और जापान के शासनाध्यक्ष क्रमशः स्कॉट मॉरिसन, नरेंद्र मोदी और योशीहिदे सुगा ने ऑनलाइन शिरकत की थी। उस बैठक में उन्होंने कोविड-19 टीके को लेकर एक कार्य-समूह का गठन किया था और तय किया था कि जापान की आर्थिक मदद व ऑस्ट्रेलिया की लॉजिस्टिक सहायता से भारत हिंद प्रशांत के देशों के लिए अमेरिकी वैक्सीन की एक अरब खुराक बनाएगा। जॉनसन ऐंड जॉनसन में तकनीकी गड़बड़ियों की वजह से टीका-निर्माण में देरी का आशंका पैदा हो गई है, लिहाजा नई परिस्थिति में इस निर्णय को किस कदर साकार किया जाएगा, इस पर भी ब्लिंटन से चर्चा हुई होगी। कोरोना के डेल्टा प्लस वेरिएंट के बढ़ते मामले और हिंद प्रशांत के देशों में भारत के शामिल होने के कारण नई दिल्ली वैक्सीन-निर्माण को लेकर ज्यादा सक्रियता दिखा रही है। भारत हरसंभव उत्पादन करने के लिए तैयार है, लेकिन उसे इसके लिए कच्चे माल की जरूरत है, जो अमेरिका ही मुहैया करा सकता है। वैसे, क्वाड से अमेरिका के हित भी खासा जुड़े हुए हैं। दो महासागरों को समेटने वाला हिंद प्रशांत क्षेत्र अमेरिका के समुद्री हितों को बखूबी पूरा करता है। 2019 में इन महासागरों से 19 खरब डॉलर मूल्य का अमेरिकी व्यापार गुजरा। संयुक्त राष्ट्र की मानें, तो इस साल दुनिया के कुल निर्यात के 42 फीसदी और आयात के 38 फीसदी उत्पाद यहां से गुजर सकते हैं। स्वाभाविक है, इस कारोबार का एक बड़ा खिलाड़ी अमेरिका होगा।

ब्लिंकन के इस दौरे में हथियारों की खरीद का मसला भी उठा होगा और भारत में कथित मानवाधिकार हनन का भी। मगर ये ऐसे मसले हैं, जो हरेक बातचीत का हिस्सा तो होते हैं, लेकिन इन पर काई खास गंभीरता नहीं दिखाई जाती। अलबत्ता, अमेरिका में भारतवंशियों को होने वाली दिक्कतें अब आपसी बातचीत का मुख्य मसला बनती जा रही हैं। अमेरिका की वीजा नीति पर भारत सवाल उठाता ही रहता है, अब अनिवासी भारतीयों पर होने वाले नस्लीय हमले भी चिंता की वजह बन गए हैं। भारत लगातार इस बात पर जोर देता रहा है कि एशियाई मूल के लोगों के खिलाफ किसी तरह की शारीरिक या भावनात्मक हिंसा नहीं होनी चाहिए। अच्छी बात है कि बाइडन प्रशासन भी इस दिशा में संजीदा है और अनिवासी भारतीयों ही नहीं, तमाम प्रवासियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की बात कह रहा है। कुल मिलाकर, ब्लिंकन की यह यात्रा कई मायनों में उल्लेखनीय साबित हुई है। विदेश मंत्री बनने के बाद वह पहली बार भारत आए थे और यहां उन्होंने बाइडन प्रशासन का यह मंत्र दोहराया कि अमेरिका और भारत के बीच संबंधों को मजबूत करने का सिलसिला जारी रहना चाहिए। इसमें किसी तरह की कोई रुकावट नहीं आनी चाहिए। अच्छी बात है कि भारत सरकार की तरफ से भी उन्हें सकारात्मक जवाब मिला है। दोनों देशों की यह जुगलबंदी आने वाले दिनों में वैश्विक व्यवस्था को कई रूपों में प्रभावित कर सकती है।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

भारतीय भाषाओं के मोर्चे पर सकारात्मक पहल

आज ही के दिन ठीक एक साल पहले 29 जुलाई, 2020 को केंद्रीय मंत्रिमंडल ने नयी शिक्षा नीति को मंजूरी दी थी। शिक्षा ऐसा विषय है, जिसमें रातोंरात परिवर्तन होना मुश्किल है। कहा जा सकता है कि बीते बारह महीनों में नयी शिक्षा नीति के हिसाब से कई परिवर्तनों की आधारशिला रखी गई है। उम्मीद है यह पहल राष्ट्रीय शिक्षा नीति के लक्ष्यों को हासिल करेगी। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में शिद्दत से भारतीय भाषाओं की अहमियत को स्वीकार किया गया है और उसके हिसाब से बीते बारह महीनों में कई कदम उठाए गए हैं।

मैकाले की शिक्षा पद्धति लागू होने के बाद से शिक्षा में भारतीय भाषाएं लगातार या तो पिछड़ती चली गईं या फिर उन्हें दोयम दर्जे का माना जाने लगा। दुनियाभर के शिक्षा शास्त्रियों के मुताबिक बच्चा अपनी मातृभाषा में बेहतर सीख सकता है। 1991 की जनगणना के भाषा खंड की भूमिका में भी कहा गया, 'भाषा आत्मा का वह रक्त है, जिसमें विचार प्रवाहित होते और पनपते हैं।' इसके बावजूद भारतीय भाषाओं को उच्च शिक्षा का माध्यम बनाने की बात तो दूर, प्राथमिक शिक्षा का माध्यम बनाने से साजिशन लगातार दूर रखा गया। लेकिन नयी शिक्षा नीति ने भारतीयता की अवधारणा को मजबूत करते हुए न सिर्फ किशोरावस्था तक शिक्षा का माध्यम मातृभाषा को बनाने पर जोर दिया, बल्कि मातृभाषाओं में तकनीकी शिक्षा को भी बढ़ावा देने की राह खोली।

अतीत में जब भी तकनीकी शिक्षा को मातृभाषाओं में देने का विचार सामने आता था, उसका जोरदार विरोध होता था। कहा जाता था कि तकनीक का माध्यम अंग्रेजी ही हो सकता है। बहरहाल नयी शिक्षा नीति के तहत अब भारत में भी इंजीनियरिंग की पढ़ाई हिंदी समेत कई अन्य भारतीय भाषाओं में शुरू करने की तैयारी हो चुकी है। बीती 17 जुलाई को अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद यानी एआईसीटीई ने हिंदी, बांग्ला, मराठी, मलयालम समेत 11 भारतीय भाषाओं में इंजीनियरिंग की पढ़ाई कराए जाने को मंजूरी दे दी है। इसी तरह मेडिकल के दाखिले के लिए होने वाली संयुक्त प्रवेश परीक्षा नेशनल एलिजिबिलिटी कम एंट्रेंस टेस्ट भी 13 भारतीय भाषाओं में कराए जाने का फैसला लिया गया है। मेडिकल और इंजीनियरिंग की अंग्रेजी माध्यम की पढ़ाई के चलते भारतीय भाषाओं के माध्यम से पढ़ाई करके आए बच्चों का तनाव बढ़ जाता था। उन्हें समझने में दिक्कत होने लगती थी। इसकी वजह से उनका मजाक तक उड़ाया जाने लगता था। इससे उपजे तनाव से कई बार हताशा में कुछ बच्चों ने अपनी जान तक दे दी थी। कई पढ़ाई छोड़ने को मजबूर होते रहे हैं तो कई हताशा में पढ़ाई में पिछड़ते चले गए हैं।

नयी शिक्षा नीति ने भारतीय भाषाओं को उच्च शिक्षा का माध्यम बनाने की जो रूपरेखा रखी है, उसके मुताबिक एआईसीटीई और मेडिकल कौंसिल ऑफ इंडिया का आगे बढ़ना मामूली बात नहीं है। भारतीय भाषाओं में इंजीनियरिंग और मेडिकल की पढ़ाई या दाखिला परीक्षा होने की राह नयी शिक्षा नीति से ही संभव हुआ है।

शिक्षा नीति में पहली बार शिक्षा में न सिर्फ भाषा, बल्कि उनकी शिक्षा पर भी पूरा जोर दिया गया। और तो और, शिक्षा में मूल्य बोध, व्यापक दृष्टिकोण और सृजनात्मक कल्पना के सृजन का भी साधन भाषा को ही माना गया है। कई विश्वविद्यालयों ने पाठ्यक्रमों के भाषायी विस्तार के लिए अनुवाद के लिए अलग से विभाग बनाने शुरू कर दिए हैं। इसके साथ ही कई विश्वविद्यालयों ने भले ही पढ़ाई का माध्यम मातृभाषाओं में शुरू नहीं किया है, लेकिन छात्रों को परीक्षाओं में दो भाषाओं में उत्तर लिखने की अनुमति दे दी है। इसी तरह से कई विश्वविद्यालयों ने अपने स्तर पर ऐसे कई पाठ्यक्रम विकसित कर लिए हैं, जिनकी पढ़ाई दो या दो से अधिक भाषाओं के माध्यम से हो सकती है। भोपाल का अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय संभवतः पहला विश्वविद्यालय है, जिसने हिंदी माध्यम से इंजीनियरिंग की पढ़ाई शुरू भी कर दी है।

नयी शिक्षा नीति में भारतीयता की अवधारणा के साथ ही भारतीय ज्ञान परम्परा पर भी जोर दिया गया है। इस लिहाज से पाठ्यक्रम बनने शुरू हो गए हैं। देश के सबसे बड़ा खुला विश्वविद्यालय इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय और सयाजीराव विश्वविद्यालय बड़ोदा ने इस दिशा में कदम बढ़ा दिए हैं। नयी शिक्षा नीति के हिसाब से पाठ्यक्रम बनाने, पढ़ाई करने आदि के लिए पिछले एक साल में जो प्रयास हुए हैं, वे मामूली नहीं हैं। हालांकि, भाषायी शिक्षण में हीला-हवाली करने की भी जानकारियां हैं। कुछ संस्थान अपनी स्वायत्त हैसियत का दुरुपयोग करते हुए इस नीति को लागू करने की बजाय ऐसी रणनीति बना रखे हैं, जिसमें काम होता हुआ नजर तो आए, लेकिन वास्तव में लागू न हो पाए। अगर इन पर काबू नहीं पाया गया, शैक्षिक तंत्र में विचारधारा और दूसरे नाम पर जमी ताकतों को मर्यादित नहीं किया गया तो नयी शिक्षा नीति का पूरा फायदा नहीं उठाया जा सकता।

हिमालयवासियों की जमीन बचानी होगी

बात अगर 'छत्तीस का आंकड़ा' वाले मुहावरे की करें तो ऐसा लगता है कि यह पश्चिम बंगाल की मौजूदा राजनीति पर बिल्कुल सटीक बैठता है। इन दिनों तृणमूल कांग्रेस शासित राज्य सरकार और सूबे के राज्यपाल के बीच जो और जैसी खींचतान चल रही है, उसे देखते हुए यह कहने और लिखने में कोई हर्ज नहीं कि राज्य सरकार व राजभवन के बीच सचमुच छत्तीस का आंकड़ा है, और निकट भविष्य में यह 63 का होने से रहा । कहना गलत नहीं होगा कि राज्यपाल जगदीप धनखड़ और राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी एक दूसरे की कार्य पद्धति की खामियां निकालने को आतुर रहते हैं।

जब से (जुलाई, 2019) जगदीप धनखड़ ने सूबे के राज्यपाल का पदभार संभाला है, तब से लगभग रोजाना उनकी और राज्य सरकार या यूं कहें कि सीधी मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से न केवल नोकझोंक की खबरें आती रही हैं, बल्कि कई मर्तबा तो दोनों ने एक दूसरे पर संगीन और गंभीर आरोप भी लगाए हैं।

चाहे राज्यपाल हो या मुख्यमंत्री, दोनों को अपने-अपने पदों और अपनी-अपनी मर्यादा का ध्यान रखना चाहिए और निजी राग-द्वेष को दरकिनार कर राज्य और राज्य की जनता की भलाई पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। राज्यपाल के लिए। कुछ भी अशोभनीय बोलने से पहले मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को सौ बार सोचना चाहिए कि केंद्र सरकार द्वारा मनोनीत राज्यपाल सूबे के शीर्ष पद पर आसीन हैं। ठीक इसी तरह ही राज्यपाल को भी राज्य सरकार या उसकी मुखिया के खिलाफ कोई भी बयान जारी करने से पहले मनन करना चाहिए कि सरकार को राज्य की जनता ने मतदान के जरिए चुना है। हालांकि बंगाल में राज्य सरकार और राजभवन के बीच छत्तीस के आंकड़े का पुराना इतिहास रहा है। सूबे के राजनीतिक इतिहास के पन्ने पलटने पर ज्ञात होता है। 1967, 1969, 1972,1977, 1980 और 2008 में भी राज्य सरकार और राज भवन का आमना-सामना हो चुका है।

वर्ष 2011 में जब ममता बनर्जी ने पहली बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी। तब एमके नारायणन राज्यपाल के पद पर आसीन थे। लगने लगा था कि अब सब सही होगाग लेकिन स्थिति जस की तस रही। नारायणन से टकराव के बाद 2014 में राज्यपाल बने केसरीनाथ त्रिपाठी ने सूबे में सांप्रदायिक हिंसा को लेकर मुंह खोला तो संवाददाता सम्मेलन बुलाकर ममता ने कहा कि राज्यपाल ने उनका अपमान किया है। वर्ष 2019 में जगदीप धनखड़ आए तो उनके साथ टकराव इतना बढ़ चुका है कि राज्यपाल के पद से उन्हें हटाने को लेकर ममता मुखर हैं। यहां बात केवल पश्चिम बंगाल या राज्यपाल या मुख्यमंत्री या जगदीप धनखड़ या ममता बनर्जी या भाजपा या तृणमूल कांग्रेस की नहीं। बात केवल एक सूबे या एक राज्य की भी नहीं है। बात है लोकतंत्र, संविधान, संसदीय ढांचे, शिष्टाचार, समझदारी और साझेदारी की।

चाहे राज्यपाल द्वारा विधानसभा सत्र की अनुमति नहीं देने का मामला हो, चाहे विधानसभा भवन में राज्यपाल के प्रवेश के रोक का मामला होग चाहे जिलाधिकारियों के साथ बैठक की बात हो, चाहे विश्वविद्यालय के उपकुलपतियों से चर्चा की बात हो। ये तमाम ऐसे घटनाक्रम हैंग जो शायद केवल बंगाल में ही हुए हैं, और मौजूदा राज्यपाल के कार्यकाल के दौरान ही हुए। इतना ही नहींग राज्य सरकार ने भी दर्जनों बार राज्यपाल पर सरकारी काम में बेवजह दखल देने और भाजपा के एजेंट की तरह काम करने का आरोप भी लगाया।

शपथ ग्रहण समारोह में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और राज्यपाल जगदीप धनखड़ के बीच काफी सद्भाव नजर आया था, लेकिन वह पहला और आखिरी मौका था और उसके बाद दोनों की बीच दूरियां बढ़ती गई। राजनीतिक पर्यवेक्षकों का कहना है कि राजभवन और राज्य सरकार के बीच लगातार चौड़ी होती खाई लोकतंत्र के हित में नहीं है। राजनीति के पंडित कहते हैं-अब राज्यपाल और राज्य सरकार के मंत्री और मुख्यमंत्री खुल कर एक दूसरे पर निशाना साध रहे हैं। इससे संवैधानिक संकट पैदा होने का खतरा बढ़ रहा है।

गौरवशाली भारत के स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं, दिल्ली.... से मुद्रित एवं, ब्लॉक नं. 23 मकान नं. 399 त्रिलोकपुरी दिल्ली....91 से प्रकाशित संपादक -प्रवीण कुमार सिंह टेलीफोन नं. 011.22786172 फैक्स नं. 011.22786172
RNI, No. DELHIN383334, E-mail: gauravashalibarat@gmail.com इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के पीआरबी एट के तहत

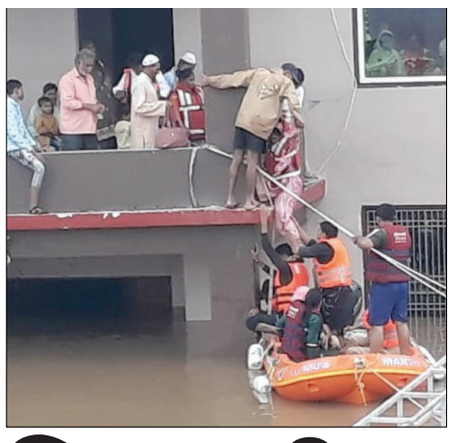

शिवपुरी- श्योपुर जिले हुए पानी-पानी

नालों में बाढ़ की स्थिति, घरों में घुसा पानी, आम जिंदगी हुई अस्त-व्यस्त

शिवपुरी, (एजेंसी)। शिवपुरी जिले में लगातार चौबीस घंटे से भी अधिक समय से हो रही बारिस से शिवपुरी शहर सहित समूचा जिला जलमग्न नजर आने लगा है। इस वारिस ने पिछले सभी रिकार्ड तोडते हुये अपना असर समूचे जिले पर छोड दिया है। शिवपुरी नगर के कई बार्ड इस वारिस से इतना अधिक प्रभावित हुये हैं कि नगर के उफनते नाले ने बार्ड के हालात लेते हुये बार्डवासियों के घरों में नाले का पानी जा घुसा है। शिवपुरी नगर के कई आवासीय क्षेत्रों में कई आवासों को जलमग्न होते हुये देखा गया जिससे उनमें रहने वाले लोगों को सुरक्षित स्थान पर ले जाना पड़ा। कहीं दीवार धराशायी हो गई तो कहीं मकान। घर सहित खेत, तालाब में तब्दील हो गए हैं। सड़कों के हाल बेहाल है। कोलारस के रत्नौद इलाके में कई रास्ते नदियों के उफान के चलते बंद हो गए हैं। भारी बारिश के कारण पचावली सहित कूनो नदी पुल से ऊपर बह रही है। कई गांवों में बाढ़ जैसे हालात निर्मित हो गए हैं और कई गांवों का रास्ता बंद हो गया है। कूनो नदी का पानी पुल से ऊपर बहने से शिवपुरी-श्योपुर मार्ग व पचावली नदी चढ़ने से अशोकनगर व शिवपुरी मार्ग बंद हो गया है। बदरवास क्षेत्र के कई नदी नाले उफान पर चल रहे हैं वहीं गली मोहल्लों में घुटनों से ऊपर पानी भरा हुआ है।

शिवपुरी शहर में उफने नाले ने अपनी सीमा तोड दी है, जिससे लोगो के घरो में पानी घुस गया है। कई परिवार एक मंजिल को छोडकर दूसरी मंजिल पर पहंच गए है। ठंडी सडक से निकले नाले ने सबसे अधिक तबाही मचाई हैं। वहीं शिवपुरी के वाटरफाल पर्यटक स्थल भदैया कुण्ड, करवला, पवा, टुण्डा भरका, आदि स्थलों का जल स्तर खतरे के निशान से ऊपर देखा गया। इस स्थिति में किसी के भी जाने पर खतरा हो सकता है। बताया जाता है कि दो व्यक्ति भदैयाकुण्ड के तेज जलप्रपात को देखने नीचे उतर गये। जिन्हें वमुश्किल प्रशासन की रेस्क्यू टीम द्वारा बचाया गया।

30 साल बाद क्वारी नदी उफनी, पार्वती खतरे के निशान से उपर, कूनो भी उफान पर

श्योपुर। प्रदेश के अन्तिम छोर पर बसे श्योपुर जिले में देशभर व प्रदेश भर में रिकार्डतोड़ बारिश से लोगों का जीना मुश्किल होने लगा है। भयंकर बरसात के उग्र रूप के कारण आधा दर्जन से अधिक गांवों में जलाशय टूटने के साथ ही जिले के नदी-नालों में भयंकर उफान बना हुआ है। जिले की सीमा क्षेत्र से होकर गुजरी पार्वती नदी के भयंकर उफान के कारण जिले का राजस्थान कोटा, बांरा के रास्ते से राजस्थान से टूटा हुआ है, वहीं दूसरी ओर कूनो के बज्र रूप के कारण जिले का मध्यप्रदेश के ग्वालियर व शिवपुरी जिले से भी संपर्क कट गया है। क्वारी नदी के उफान के कारण विजयपुर कस्बे के मण्डी क्षेत्र, बसस्टेण्ड क्षेत्र सहित निचिली बस्तियों में पानी भर गया। वहीं कस्बे के बीच से होकर गुजरी क्वारी नदी की पुल पर 10 फिट पानी आने से कोठारी गार्डन में एक कार्यक्रम में शामिल होने आए लोग फंस गए, जिनको काफी मशक्कत के बाद निकालने का प्रयास किया गया। विजयपुर कस्बे में क्वारी नदी के पुल पर दस फिट पानी आने से जहां 30 वर्षो पुराना तोड़ा, वहीं कूनो के उग्र रूप के कारण रेशम कॉलोनी खाली करानी पड़ी। क्वारी नदी के विकराल रूप को देख विजयपुर में प्रशासन ने लोगों को सुरक्षित जगह पहुंचाया। जिले की सीमा क्षेत्र स्थित सेसईपुरा से होकर गुजरी कूनो नदी में में भी रिकार्डतोड़ उफान देखने को मिला।

कोटा बैराज से पहली बार पानी की निकासी

राजस्थान के कोटा जिले में पिछले 24 घंटों से लगातार हो रही बारिश और ऊपरी जल ग्रहण क्षेत्र से पानी की भरपूर आवक के कारण आज इस मानसून में पहली बार कोटा बैराज से पानी की निकासी की गई। जिले में भारी बारिश के कारण कई नदी-नाले उफान पर हैं जिसके चलते खातौली-श्योपुर (मध्य प्रदेश) मार्ग सोमवार को दूसरे दिन भी बंद रहा। सिंचाई विभाग के सूत्रों ने बताया कि उपरी जल ग्रहण क्षेत्र में अच्छी बरसात के कारण पानी की आवक को देखते हुए आज सुबह कोटा बैराज के दो गेट खोलकर पांच हजार क्यूसेक पानी की निकासी की गई। यह पहला अवसर है जब इस मानसून सत्र में कोटा बैराज के गेट खोले गए हैं और इस मनोरम दृश्य को देखने के लिए दिन भर सैकड़ों लोगों का तांता लगा रहा। इस बीच पार्वती नदी के उफान पर होने के कारण तीसरे दिन भी कोटा जिले के खातोली और मध्यप्रदेश के श्योपुर के बीच सड़क संपर्क कटा रहा क्योंकि दोनों राज्यों की सीमा पर स्थित पार्वती नदी पर बनी पुलिया तीन दिन से डूबी हुई है।

टीकमगढ़ में भी नदी-नाले उफान पर

टीकमगढ़। जिले सहित नगर में लगातार हो रही बारिश के कारण अब जगह-जगह जल भराव की स्थिति बन गई है। अंचल के सभी नदी-नाले उफान पर हैं। वहीं झांसी मार्ग स्थित ज्यौरा गांव की पुलिया पर पानी भर गया है। जिसके कारण टीकमगढ़-झांसी मार्ग पूर्णतः बंद रहा। इधर बारिश के साथ तेज हवा के कारण भाई के ढावा के समीप एक बड़ा पेड़ गिर गया। जिसके कारण लगभग 5 घंटे झांसी मार्ग अवरुद्ध रहा।

नहाने गए किशोर की डूबने से मौत

भिंड। जिले के उमरी थाना क्षेत्र स्थित लहालौरी गांव के किनारे सिंध नदी के ऊपरी बीहड़ में बने बांध में गांव के कुछ बालक रविवार की शाम को नहाने के लिए गए थे। इसी समय 16 वर्षीय रोहित पुत्र रामराज शाक्य आ गया। वो भी दोस्तों को देखकर बांध में उतर गया। तैरना नहीं आने की वजह से वो गहरे पानी में चला गया। जिससे उसकी मौत हो गई।

नहाने के दौरान कुंड में डूबे युवक की मौत

बुरहानपुर। धूलकोट क्षेत्र अंर्तगत ग्राम डोज़र निवासी जितेन्द्र पिता ब्रिजलाल 25 वर्ष गाव से करीब एक किलोमिटर दुर खेत में बने कुंड मे रविवार दोपहर 3 बजे नाहने गया था। जहां डूबने से मौत हो गई।

हरसी बांध लबालब, वेस्टवियर से पानी ओवरफ्लो, दोनों नहरें खोली

डबरा। हरसी बांध के कैचमेंट एरिया में हो रही झमाझम बारिश से हरसी बांध में लगातार पानी बढ़ रहे पानी से रात 9:30 बजे हरसी बांध लबालब हो गया, जिसका पानी वेस्ट बियर से ओवरफ्लो होकर निकलने लगा। वही पड़ोस के मणिखेड़ा बांध के कैचमेंट एरिया में जोरदार बारिश से दोनों बांध लबालब होनी की स्थिति में है। ककैटो बांध के बेस्ट बीयर से ओवरफ्लो होकर आ रहे पानी से पार्वती नदी का जलस्तर बढ़ गया है। हरसी बांध में पानी की आवक को देखते हुए जलसंसाधन विभाग ने हरसी बांध की दोनों नहरें खोल दी है। पार्वती नदी के बढ़े जलस्तर को देखते हुए किनारे बसे गांवों के लिए अलर्ट जारी कर दिया है।

अशोकनगर में पेड़ गिरने से रास्ते जाम

अशोकनगर। पिछले तीन दिनों से जिला मुख्यालय सहित सभी लगभग सभी तहसीलों में जोरदार बारिश हो रही है और नुकसान की खबरें सामने आ रही हैं। पिछले 24 घंटों में अशोकनगर और चंदेरी ब्लॉक में सबसे ज्यादा बारिश दर्ज की गई है। वही ईसागढ़ क्षेत्र की भी कई नदियां और तालाब उफान पर हैं। जिला प्रशासन हर हालात पर नजर बनाए हुए है। रविवार-सोमवार की दरमियानी रात हुई बारिश के बाद जिला मुख्यालय पर कई पेड़ गिर गए हैं। आरोन रोड पर पेड़ गिरने से हादसा होते-होते टल गया। दवाया और ईसागढ़ क्षेत्रों में जारी तेज बारिश की वजह से कई रास्ते बंद हो गए हैं। पुल-पुलिया खतरे के निशाने से ऊपर बह रहे हैं। ईसागढ़ नगर का प्राचीन तालाब सिंह सागर चार दिन की बारिश में भर गया और नगर के चार तालाब में भी काफी पानी आ गया है।

चीलर बांध का जलस्तर साढ़े सात फीट पर पहुंचा

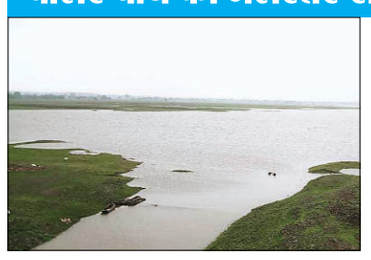

शाजापुर। आसमान से रूक-रूककर बूंदों के बरसने का सिलसिला जारी है और इसीके चलते हर दिन बारिश की बोछारें शहर की सड़कों को तरबतर करने का काम कर रही हैं। वहीं सूखे पड़े जल स्त्रोतों में भी लगातार बारिश के चलते पानी की बढ़ोत्तरी हो रही है रविवार रात से बादलों ने एक बार फिर बरसना शुरू कर दिया और बारिश के बरसने का यह दौर दूसरे दिन भी जारी रहा। आसमान से बरसती बारिश की वजह से शहर के लोगों का वर्षभर कंठ तर करने वाले एकमात्र पेयजल स्त्रोत चीलर बांध का जल स्तर भी तेजी से बढ़ गया। जल संसाधन विभाग के एसडीओ हिमांशु भाभौर ने बताया कि लगातार रूक-रूककर हो रही बारिश के चलते बांध में साढ़े सात फीट पानी जमा हो गया है।

दूसरा श्रावण सोमवार...

ठाट बाट से निकली महाकालेश्वर की शाही सवारी

उज्जैन। उज्जैन में श्रावण के दूसरे सोमवार पर भगवान महाकालेश्वर की शाही ठाट से निकली। भगवान श्री चन्द्रमौलीश्वर पालकी में और श्री मनमहेश हाथी पर सवार होकर अपनी प्रजा का हाल जानने नगर भ्रमण पर निकले। सवारी निकलने के पूर्व मंदिर के सभामंडप में भगवान श्री चन्द्रमौलीश्वर का विधिवत पूजन-अर्चन किया गया। पूजन के पश्चात सभी गणमान्यों ने पालकी को कंधा देकर नगर भ्रमण की ओर रवाना किया। सवारी को मुख्य द्वार पर सशस्त्र पुलिस बल के जवानों द्वारा भगवान को सलामी (गॉड ऑफ ऑनर) दी गई।

भगवान ओंकारेश्वर का फूल/मेवों से महाश्रृंगार

खंडवा। ज्योतिर्लिंग भगवान ओंकारेश्वर मंदिर गर्भग्रह का प्रातःकाल सुगंधित फूलों से आकर्षक श्रृंगार किया एवं ज्योतिर्लिंग भगवान का सूखे मेवा मिष्ठान्न भंग इत्यादि से महाश्रृंगार किया गया। इसके पश्चात भोलेनाथ ने पालकी में सवार होकर परंपरागत मार्ग से सवारी के रूप में सैकड़ो भक्तों को दर्शन किए। इसके अलावा भगवान ओंकारेश्वर और ममलेश्वर की सवारी दोपहर बाद नगर भ्रमण पर निकली। भगवान ममलेश्वर महादेव का नर्मदा नदी के गोमुख घाट पर 251 लीटर दूध व पंचाम्रत से महा अभिषेक हुआ। श्रावण माह के दूसरे सोमवार को 50 हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने दर्शन किए।

पशुपतिनाथ को साफा बांध दूल्हे की तरह सजाया

मंदसौर। श्रावण मास के दूसरे सोमवार को भगवान पशुपतिनाथ मंदिर में श्रद्धालुओं का दिनभर तांता लगा रहा। यहां भगवान पशुपतिनाथ की प्रतिमा का विधि-विधान से अभिषेक कर साफा बांध दूल्हे की तरह सजाया गया। मंदिर के गर्भ गृह को भी आकर्षक तरीके से सजाया गया। श्रद्धालुओं ने गर्भगृह के बाहर से ही भगवान पशुपतिनाथ की पूजा-अर्चना की बिल्वपत्र एवं आंकड़े के फूल भगवान को समर्पित किए।

संक्षिप्त खबर

ग्वालियर: मिर्ची बाबा पर दो बदमाशों ने लाठी डंडों से किया हमला

ग्वालियर। सोमवार को शहर के सिटीसेंटर स्थित एक होटल में पत्रकारों से चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि वह रविवार को शिवपुरी से श्रीमदभागवत परायण विश्राम के बाद ग्वालियर पहुंचे और वह जडेरूआ स्थित एक आश्रम पर गए। जहां महंत के सो जाने पर वह वापस लौट रहे थे तभी बाइक पर सवार दो बदमाशों ने लाठी डंडों से उनपर हमला कर दिया। उनकी कार के कांच तोड दिए, उन्हें धमकाया भी कि तुम अगर अपनी गौमाता को लेकर आवाज को बंद नहीं करोगे तो तुम्हें ठिकाने लगा दिया जाएगा। मिर्ची बाबा ने कहा है कि मैं हमलों से डरने वाला नहीं हूं। बीती रात दो अज्ञात बदमाशों ने हमला कर उन्हें डराने का प्रयास किया, लेकिन वह गौ सेवा में लगे रहेंगे चाहे कोई भी उनके ऊपर कितना भी हमला क्यों ना करें। सरकार की कथनी करनी में बहुत अंतर है।

खजुराहो: अंधेरे में जेसीबी से तोड़ दिया 200 साल पुराना मंदिर,तनाव

खजुराहो। राजनगर थाने से लगभग 200 मीटर की दूरी पर स्थित एक 200 साल पुराने गौरीशंकर मंदिर को पड़ोस में रहने वाले एक विश्वकर्मा परिवार ने रात करीब 12 बजे जेसीबी मशीन के माध्यम से धराशाई कर दिया। सुबह मंदिर टूटने की खबर जैसे ही इलाके में फैली यहां तनाव फैलने लगा। परिवार के लोग और मोहल्ले के लोग आपस में लड़ने पर उतारू हो गए। सूचना पर पुलिस,एसडीएम डीपी द्विवेदी और विधायक नातीराजा को मौके पर पहुंचे। एसडीएम डीपी द्विवेदी ने बताया कुछ लोगों को हिरासत में लिया है। पुराने मंदिर को अतिक्रमण के उद्देश्य से तोड़ना बताया है। कानूनी कार्यवाही के साथ ही मंदिर क्षेत्र को सुनिश्चित करते हुए जीर्णोद्धार के प्रयास करेंगे। विधायक ने भी मौके पर पहुंचकर दुख जताया और आरोपियों पर कार्रवाई की मांग की।

रायपुर: छत्तीसगढ़ में मिले 236 नए संक्रमित, तीन मरीजों की मौत

रायपुर। छत्तीसगढ़ में लगातार दूसरे दिन कोरोना संक्रमित मरीजों की संख्या में इजाफा हुआ है। राज्य में पिछले 24 घंटे में 236 नए संक्रमित मरीज मिले हैं,जबकि तीन संक्रमित मरीजों की मौत हुई है। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार पिछले 24 घंटे में 236 नए संक्रमित मरीज मिले हैं। सबसे अधिक 87 मरीज बलौदा बाजार जिले के है। इसके अलावा कोरबा के 24, रायपुर के 17, बीजापुर के 16, कांकेर के 14 तथा दुर्ग के 11 मरीज शामिल हैं। इस दौरान तीन संक्रमित मरीज की मौत हो गई, इसके साथ ही राज्य मे कोरोना से मरने वाले मरीजों की संख्या 13528 हो गई। इस दौरान अस्पताल एवं होम आइसोलेशन से 234 मरीजों को डिस्चार्ज किया गया। राज्य में सक्रिय मरीजों की संख्या 1918 हो गई है।

पुलिस सोती रही, हथकड़ी खिसकाकर भागा बदमाश

ग्वालियर। हाइवे पर सुहाने मौसम के बीच ढाबा का स्वादिस्ट खाना खाकर करनाल हरियाणा की क्राइम ब्रांच के जवान सोते रह गए और बदमाश सुरेन्द्र सिंह उर्फ सिंद पुत्र बलकार सिंह सिख हथकड़ी सरकाकर फरार हो गया। घटना प्रिंस मामा ढाबा की है। घटना का पता सुबह चला जब पुलिसकर्मियों की नींद खुली। घटना का पता चलते ही गिरवाई पुलिस को सूचना दी। एफआईआर दर्ज कराई है।

हरियाणा के एएसआई जयपाल सिंह ने बताया कि रविवार को वह एनडीपीएस एक्ट में पकड़े गए आरोपी को गुना में उसके साथी आरोपी बनवारी की तलाश में लेकर आए थे। एएसआई दशरथ सिंह, बलजीत सिंह, प्रधान आरक्षक बलवान सिंह, प्रवीण कुमार, तथा एक आरक्षक के साथ लेकर आए थे, लेकिन बनवारी नहीं मिला तो वापस आ रहे थे। रात करीब 11 बजे बेला की बावड़ी पर पहुंचे तो यहां गाड़ी लाइट पानी भरने से खराब हो गई थी। तेज बारिश हो रही थी तो उन्होंने रात का समय होने पर प्रिंस मामा ढाबा में दो कमरे किराए से लिए और सुरेन्द्र को हथकड़ी लगाकर बाथरूम के गेट से बांधकर आराम करने लगे।

इंदौर में निगम अधीक्षक ने ली 25 हजार की रिश्वत, अलमारी से भी मिले 10 लाख रुपए

इंदौर (एजेंसी)।

इंदौर में सोमवार की दोपहर पच्चीस हजार रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथो गिरफ्तार हुए नगरपालिक निगम में पदस्थ एक अधीक्षक के कार्यालय कक्ष से लोकायुक्त पुलिस को 10 लाख से ज्यादा नकद रुपए मिले हैं।

उप अधीक्षक (डीएसपी, लोकायुक्त) प्रवीण सिंह बघेल ने बताया कि नगरनिगम के जनकार्य विभाग के अधीक्षक विजय सक्सेना और उनकी एक क्लर्क को सुबह रिश्वत राशि लेते हुए रंगे हाथों

गिरफ्तार किया था। इस ट्रेप कार्यवाही के बाद लोकायुक्त पुलिस ने जब आरोपी सक्सेना के कार्यालय कक्ष में रखी अलमारी की तलाशी ली, तब उसमे दस लाख अड़सठ हजार दो सौ रुपए नगद मिले है। शुरुआती पूछताछ में सक्सेना ने लोकायुक्त को बताया कि है कि यह राशि उसी की है, जिसे उसने अपनी कुछ अचल सपत्ति बेचने के बाद अर्जित किया था।

लोकायुक्त पुलिस मामले की जांच कर रही है। इससे पहले एक ठेकेदार के बिल के भुगतान के एवज में पच्चीस हजार रुपए की रिश्वत राशि लेने के आरोप में लोकायुक्त पुलिस ने अधीक्षक सक्सेना और हेमाली वैद्य (क्लर्क बिल शाखा) को गिरफ्तार किया था।

लिपिक पांच हजार रुपए की घूस लेते गिरफ्तार

मुरैना। मुरैना जिले में सीएमएचओ कार्यालय में पदस्थ एक लिपिक को सोमवार को लोकायुक्त पुलिस ने पांच हजार रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया।

ग्वालियर लोकायुक्त पुलिस सूत्रों के अनुसार तुस्सीपुरा वार्ड नंबर 30 निवासी रमेश होलकर की शिकायत पर सीमएचओ कार्यालय के एक लिपिक पंकज जैन को पांच हजार रुपए की रिश्वत लेते पकड़ा गया है। आरोपी ने रमेश से पैथोलॉजी के रजिस्ट्रेशन के नवीनीकरण करने के एवज में यह रिश्वत मांगी थी। लोकायुक्त पुलिस ने आरोपी लिपिक के खिलाफ भ्रष्ट्राचार निवारण अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

बेराड़ में बाढ़ की स्थिति से राज्य मंत्री धाकड़ ने सीएम को कराया अवगत

भोपाल। लोक निर्माण राज्य मंत्री सुरेश धाकड़ ने सीएम शिवराज सिंह चौहान से मुलाकात कर शिवपुरी जिले के बेराड़ क्षेत्र में बाढ़ की स्थिति और राहत कार्यों से अवगत कराया।

मंत्री धाकड़ ने उनके विस क्षेत्र के बैराढ़ क्षेत्र में ग्राम हरई, बरखेड़ी, अकुरनी, चिलपई, रायपुर और कुपबाड़ा ग्राम से बाढ़ पीड़ितों को बाहर निकालने के लिए सेना, एनडीआरएफ, हेलीकॉप्टर उपलब्ध कराने का अनुरोध सीएम चौहान से किया। सीएम द्वारा विशेष संज्ञान लेते हुए तीन हेलीकॉप्टर एवं अन्य राहत सामग्री उपलब्ध कराई गई है। राज्य मंत्री धाकड़ ने राहत आयुक्त को तुरंत राहत सामग्री मुहैया कराने के निर्देश दिए हैं।

अपराध क्राइम ब्रांच ने एक ट्रांसपोर्ट पर मारा छापा,स्टेशनरी की बिल्टी पर करते थे तस्करी

स्टेशनरी के बंडल में मंगवाई अंग्रेजी शराब, तीन गिरफ्तार

इंदौर (एजेंसी)।

नकली शराब के मामले में नित नए खुलासे हो रहे हैं। क्राइम ब्रांच ने दिल्ली से स्टेशनरी के नाम पर शराब मंगाने वाले तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। दूसरी ओर पुलिस पड़ताल के दौरान प्रदेश के अन्य शहरों के शराब माफियाओं के बारे में जानकारी मिली है। वहीं नकली शराब से प्रभावित होकर अस्पताल में भर्ती होने वालों की हालत में कोई सुधार नहीं होने से परिजन बेहद चिंतित हैं।

प्लास्टिक के पैकेट में मिली शराब

क्राइम ब्रांच की टीम ने एक ट्रांसपोर्ट पर छापा मारकर 3 लोगों को पकड़ा है। स्टेशनरी की बिल्टी बनाकर बाहर से इंदौर में शराब मंगाई जा रही थी।

एएसपी क्राइम गुरुप्रसाद पाराशर के अनुसार पकड़े गए आरोपियों के नाम जितेंद्र पिता मांगीलाल भोज निवासी मूसाखेड़ी, चंदन पिता लालचंद कौशल निवासी खंडवा नाका और गोविंद पिता भवर सिंह गुर्जर निवासी अन्नपूर्णा है। विशेष अभियान के तहत सक्रिय किए गए मुखबिर से क्राइम ब्रांच को सूचना मिली थी कि सांवेर रोड पर

कैपिटल इंडिया लॉजिस्टिक ट्रांसपोर्ट से अवैध शराब आती है। टीम ने वहां छापा मारा,एक प्लास्टिक के पैकेट के बारे में टीम छानबीन की तो ट्रांसपोर्ट कर्मचारियों ने बताया कि है स्टेशनरी का पैकेट है। उन्होंने बिल्टी भी स्टेशनरी की ही बताई लेकिन जब उस पैकेट को खोला गया तो 5 पेटी अंग्रेजी शराब निकली। आरोपियों ने बताया कि यह पैकेट दीपेश वाधवानी पिता अशोक वाधवानी आकर ले जाता है। पुलिस ने सभी के खिलाफ आबकारी एक्ट और धोखाधड़ी की धाराओं में केस दर्ज किया है।

जावरा में पकड़ी अवैध शराब फैक्टरी, तीन गिरफ्तार, 6 फरार

रतलाम। जावरा औद्योगिक क्षेत्र थाना पुलिस ने अवैध शराब की फैक्टरी पकड़ी है जिसे एक अंतर्राज्यीय गिरोह संचालित कर रहा था। गिरोह के तीन सदस्य ही हाथ लगे हैं, जबकि 6 की तलाश जारी है। एसपी गौरव तिवारी ने बताया कि सूचना पर जावरा के समीप ग्राम सोहनगढ़ में सुरेश पाटीदार के खेत पर बने कमरे में अवैध शराब बनाने की फैक्टरी लगी है। सूचना पर पुलिस ने दबिश दी। यहां से पुलिस को मोइन खान, सुरेश पाटीदार और प्रभुलाल पाटीदार को पकड़ा। 60 लीटर देशी शराब, यूरिया खाद, नोशादर, स्प्रिट ड्रम, टंकीया, शराब के खाली क्वार्टर, ढक्कन, लेबल और दो वाहन मिले जिन्हें जब्त किया। यहां से एक आरोपी अनोखीलाल पाटीदार भागने में सफल रहा। पुलिस ने इन पर केस दर्ज कर जांच शुरू की। जांच में पता चला कि जीवनसिंह ने देवास के शादाब, सादिक और जोवेद से बात की जिनका अवैध शराब का कारोबार है। इसके बाद इन तीनो के सहयोग से ग्राम सोहनगढ में सुरेश पाटीदार के खेत पर बना कमरा एक लाख रुपए प्रतिमाह के किराए पर लेकर काम शुरू कर दिया। पुलिस ने इन सभी के खिलाफ भी प्रकरण दर्ज कर इनकी तलाश शुरू कर दी है।

राहगीर को कुचलते हुए कार कंटेनर से भिड़ी, दो की मौत तीन घायल

गृह मंत्री के स्टॉफ के सदस्य की थी कार

राजगढ़। राजगढ़ जिले के पचोर के समीप सोमवार की सुबह एक कार राहगीर को कुचलते हुए सड़क किनारे खड़े एक कंटेनर से भिड़ गई, जिससे राहगीर समेत दो लोगों की मौत हो गई और तीन अन्य घायल हो गए। कार गृह मंत्री के स्टाफ की बताई जा रही है।

पुलिस के अनुसार सुबह गृह मंत्री के स्टॉफ के सदस्य दतिया से उज्जैन जा रहे थे तभी अनियंत्रित होकर कार ने ग्राम सरेड़ी निवासी कन्हैयालाल को चपेट में ले लिया और युवक को कुचलते हुए वाहन रोड किनारे खड़े कंटेनर से भिड़ गया। हादसे में कन्हैयालाल और कार चालक प्रताप सिंह जादौन ग्वालियर की मौत हो गयी, जबकि गृह मंत्री का स्टाफ गोपीराम वर्मा सहित तीन घायल हो गए।

नायब तहसीलदार के पति की दुर्घटना में मौत

इंदौर। तराना की नायब तहसीलदार के पति की खुडैल इलाके में सड़क हादसे में मौत हो गई। वह दो दोस्तों के साथ पिकनिक मनाने जा रहे थे। एक गाय को बचाने में उनकी कार पलटी खा गई। इस खबर से उज्जैन और इंदौर जिले के प्रशासनिक अफसरों में शोक की लहर है। खुडैल पुलिस के अनुसार तरुण पिता बंधन निवासी देवास है। अपने दो दोस्तों के साथ कार में सवार होकर पिकनिक मनाने जा रहे थे। ग्राम पेडमी के पास से गुजरते समय सड़क पर गाय को बचाने के चक्कर में उनकी कार पलटी खा गई। हादसे में तरुण की मौत हो गई और उसके दोनों दोस्त घायल हो गए। तरुण की पत्नी सोनम उज्जैन जिले की तहसील तराना में नायब तहसीलदार के पद पर पदस्थ हैं। तरुण देवास से अपने दो दोस्तों के साथ वह इंदौर के खुडैल इलाके में पिकनिक मनाने जा रहे थे। मामले की जांच कर रही है।

संक्षिप्त समाचार

विधानसभा नियम समिति की बैठक आयोजित

भोपाल, (प्रसं)। विधानसभा की नियम समिति की बैठक सोमवार को विधानसभा में विधानसभा के अध्यक्ष गिरीश गौतम की अध्यक्षता में हुई। बैठक में मध्यप्रदेश शासन के वरिष्ठ और संसदीय कार्य मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा, पूर्व मंत्री पारस जैन, विधायक रामेश्वर शर्मा, हर्ष यादव, गोपीलाल जाटव, बापू सिंह तंवर, राकेश मावई एवं विधानसभा के प्रमुख सचिव एपी सिंह मौजूद थे।

सीएम से मिलीं एचडीएफसी बैंक की ग्रुप हेड स्मिता

भोपाल । मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि बैंक ग्रामीण स्तर पर उद्यमिता तथा कौशल विकास और स्व-सहायता समूहों की गतिविधियों को प्रोत्साहित करने में सहयोग प्रदान करें। मुख्यमंत्री ने एचडीएफसी बैंक की ग्रुप हेड श्रीमती स्मिता भगत तथा अन्य अधिकारियों से मंत्रालय में भेंट के दौरान यह बात कही। एचडीएफसी की ग्रुप हेड श्रीमती भगत ने बताया कि राज्य में लागू पथ विक्रेता योजना में हितग्राहियों की सुविधा के लिए नगरीय निकाय स्तर पर बैंक द्वारा शिविर लगाए जाएंगे। प्रदेश के 4000 से अधिक ग्रामों के स्व-सहायता समूहों को 400 करोड़ रुपए उपलब्ध कराने की योजना भी है। साथ ही प्रदेश के 100 स्कूलों में स्मार्ट क्लासेज लगाने और जिला अस्पतालों में 10 बिस्तर के आईसीयू स्थापित किए जाएंगे। प्रत्येक आईसीयू पर 30 लाख रुपए की लागत आएगी।

डॉ. मिश्रा ने अस्पताल पहुंचकर सड़क हादसे में घायल गोपीराम वर्मा का कुशल-क्षेम जाना

भोपाल । गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने बंसल अस्पताल पहुंचकर राजगढ़ जिले में सड़क दुर्घटना में घायल निज सहायक गोपीराम वर्मा की कुशल-क्षेम जानी। उन्होंने हादसे में मृतकों के परिजनों के प्रति शोक-संवेदना व्यक्त की। डॉ. मिश्रा ने अस्पताल में श्री वर्मा के साथ उपचाररत सुरेश गुप्ता और सन्नी नाहर का भी हालचाल जाना। उन्होंने मां पीतांबरा से घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की।

शिवराज सिंह ने ओलंपिक हाकी खिलाड़ी विवेक सागर को फोन पर दी बधाई

भोपाल, (एजेंसी)। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आज मध्यप्रदेश के निवासी भारतीय हॉकी टीम के सदस्य विवेक सागर को फोन कर श्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए बधाई दी। श्री चौहान ने सागर से बातचीत करते कहा आपको टोक्यो ओलंपिक में अच्छे प्रदर्शन के लिए बहुत-बहुत शुभकामनाएं, मुझे पूरा विश्वास है भारतीय हाकी टीम निरंतर सफलताएं अर्जित करेगी। आप खेलो और जीतो, मध्यप्रदेश की जनता की तरफ से बहुत बधाई। मुख्यमंत्री ने आशा व्यक्त की कि विवेक सागर जो होशंगाबाद जिले के निवासी हैं, उन्होंने और अन्य खिलाड़ियों ने भारतीय हॉकी टीम के सदस्य के रूप में शानदार प्रदर्शन किया है। इसी सप्ताह विवेक सागर में अर्जेंटीना के विरुद्ध हॉकी ओलंपिक मैच में गोल भी किया था, जिसके फलस्वरूप भारत की टीम विजयी रही।

अब घर बैठे बनाएं जा सकेंगे ऑनलाइन लर्निंग लाइसेंस

भोपाल । प्रदेश के परिवहन मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने कहा कि लर्निंग लाइसेंस बनवाने की प्रक्रिया का सरलीकरण किया गया है। लोग अब घर बैठे ऑनलाइन लर्निंग लाइसेंस बना सकेंगे। श्री राजपूत ग्वालियर स्थित भारतीय पर्यटन एवं यात्रा प्रबंधन संस्थाओं में आयोजित शुभारंभ कार्यक्रम में वर्चुअली सम्मिलित हुए। परिवहन मंत्री ने कहा कि ऑनलाइन लाइसेंस बनने से जहां एक ओर आम जनता को परिवहन कार्यालय में लगने वाली लंबी कतारों से मुक्ति मिलेगी वहीं एजेंटों से छुटकारा भी मिलेगा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में प्रदेश सरकार आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश के लिए बहुत शिद्दत के साथ कार्य कर रही है। इसी अनुक्रम में परिवहन विभाग द्वारा ऑनलाइन लर्निंग लाइसेंस सुविधा प्रारंभ की गई। उन्होंने कहा कि इस सुविधा से हर साल लगभग 10 लाख युवा घर बैठे लर्निंग लाइसेंस बनवा सकेंगे।

पीएचक्यू खरीदेगा 15 लाख का वेब इंटेलिजेंस टूल

भोपाल । पुलिस मुख्यालय की विशेष शाखा द्वारा वेब इंटेलिजेंस टूल की खरीदी की जा रही है। टूल की अनुमानित कीमत 15 लाख रुपए निर्धारित की गई है। इस टूल से पीएचक्यू कई तरह की रिपोर्ट तैयार करेगा। इस साल के सितंबर तक वेब इंटेलिजेंस टूल की खरीदी कर उपयोग शुरू हो सकता है। गौरतलब है कि मप्र पुलिस अब कई तरह के आधुनिक उपकरणों का उपयोग कर रही है। इस समय डिजिटल टेक्नोलॉजी, बेव, सोशाल मीडिया की दिशा में पीएचक्यू तेजी से काम कर रहा है।

आबकारी अधिकारियों के तबादले

भोपाल । राज्य शासन के वाणिज्यिक कर विभाग ने चार सहायक जिला आबकारी अधिकारियों के तबादले किए हैं। इस संबंध में सोमवार को आदेश जारी कर दिए गए हैं। विभाग ने संबंधित अधिकारियों को नवीन पदस्थापना स्थल पर तत्काल कार्यभार ग्रहण करने के निर्देश दिए हैं। सूची इस प्रकार है।

अधिकारी का नाम	वर्तमान पदस्थापना	नवीन पदस्थापना
अजीत एक्का	जिला होशंगाबाद	कार्या. उड़नदस्ता, भोपाल
मुकेश कुमार मौर्य	जिला छतरपुर	जिला विदिशा
नरेश प्रताप सिंह	जिला इंदौर	जिला होशंगाबाद
विनोद सल्लाम	जिला रायसेन	जिला होशंगाबाद

राज्य सरकार विधेयक में करेगी संशोधन

जहरीली शराब का कारोबार करने वालों को मिलेगी उम्रकैद की सजा

जहरीली शराब से मौत होने पर आरोपी को भी मिलेगी मौत की सजा

भोपाल (एजेंसी)। प्रदेश में लगातार जहरीला शराब के सेवन से लोगों की मौत के मामले को मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने गंभीरता से लिया है। लिहाजा अब प्रदेश में जहरीली शराब का कारोबार करने वालों के खिलाफ सख्ती करने जा रही है। इसके तहत प्रदेश में कानून में संशोधन किया जाएगा। इसके लिए विधानसभा के मानसून सत्र के दौरान संशोधन विधेयक पेश किया जा सकता है। विधेयक के प्रावधानों के मुताबिक प्रदेश में यदि कोई व्यक्ति अवैध शराब के कारोबार में पकड़ा गया तो फिर ऐसे व्यक्ति को आजीवन कारावास की सजा होगी। इसी तरह यदि जहरीली शराब के सेवन से किसी व्यक्ति की मौत होती है, तो ऐसे मामलों में जहरीली शराब बेचने वालों को मौत की सजा मिलेगी।

प्रदेश में लगातार जहरीली शराब के कारोबार बढ़ने पर मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कड़ी नाराजगी जताई है। उन्होंने इसके लिए आबकारी और पुलिस के अफसरों को आड़े हाथों भी लिया है। उन्होंने सोमवार को मंत्रालय में अवैध शराब के बढ़ते कारोबार के साथ ही कानून - व्यवस्था की स्थिति को लेकर उच्चस्तरीय बैठक की। इस बैठक में मुख्यमंत्री ने तीखे तेवर दिखाए। उन्होंने हाल ही में मंदसौर में जहरीली शराब के पीने से आधा दर्जन से अधिक लोगों की मौत के मामले का जिक्र करते हुए कहा कि जब पूर्व में ही निगरानी करने के निर्देश दिए गए हैं, तो फिर उनका सख्ती से पालन क्यों नहीं होता? यदि आबकारी अमला और पुलिस बल सख्त निगरानी रखें तो अवैध कारोबार करना किसी के लिए आसान नहीं होगा।

शराब की बोतलों पर ट्रैक एंड ट्रेस की व्यवस्था के साथ लगेंगे होलोग्राम

मुख्यमंत्री ने कहा कि अवैध शराब के कारोबार की जड़ों तक पहुंचने के लिए विशेष टीम गठित कर जांच आरंभ की जाए। इसे प्रदेश से पूरी तरह से समाप्त किया जाए। बैठक में जानकारी दी गई कि शराब की बोतलों पर लगने वाले होलोग्राम की कापी नहीं हो और इसका दुरुपयोग न हो, इसके लिए सिक्यूरिटी प्रिंटिंग कार्पोरेशन ऑफ इंडिया से क्यूआर कोड और ट्रैक एंड ट्रेस की व्यवस्था के साथ होलोग्राम बनवाए जाएंगे। इसमें बीस से पच्चीस सिक्यूरिटी फीचर्स होंगे। गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने बार में भी अवैध और अमानक शराब की चेकिंग की व्यवस्था की आवश्यकता बताई।

बच्चों में ऑनलाइन गेमिंग की बढ़ती आदत पर सीएम ने जताई चिंता

मुख्यमंत्री ने बच्चों में ऑनलाइन गेमिंग की बढ़ती आदत और इसके परिणामस्वरूप हुई आत्महत्या की घटनाओं पर चिंता व्यक्त की तथा इसके लिए आवश्यक निगरानी तंत्र विकसित करने के निर्देश दिए। बैठक में जानकारी दी गई कि ऑपरेशन मुस्कान के तहत जुलाई माह में 938 लापता बच्चों को बरामद किया गया। बैठक में साईबर क्राइम, नक्सल गतिविधियों पर भी चर्चा हुई। यहां बता दें कि छतरपुर में एक बच्चे की ऑनलाइन गेम के चक्कर में जान चली गई थी। उसके बाद इसे नियंत्रित करने के प्रयास शुरू कर दिए गए हैं।

पड़ोसी राज्यों से अवैध शराब रोकने राज्यों से बातचीत करें

मुख्यमंत्री ने कहा है कि जहरीली शराब से लोगों की जान जाना अत्यंत गंभीर अपराध है। कानून में संशोधन कर अवैध शराब के कारोबार में लगे व्यक्तियों के लिए कठोरतम दंड का प्रावधान किया जाएगा। तात्कालिक रूप से अवैध शराब के कारोबार में संलग्न व्यक्तियों पर कठोरतम कार्रवाई की जाए। इसमें विलंब बर्दाश्त नहीं होगा। पड़ोसी राज्यों से लाई जा रही अवैध शराब को रोकने के लिए सघन रूप से हरसंभव प्रयास किए जाएं। इसके लिए संबंधित राज्यों से बातचीत करें। चौहान ने निर्देश दिये कि डिस्टलरी से निकलने वाले ओपी अल्कोहल के टैंकरों का शत-प्रतिशत आवागमन ई-लॉक सिस्टम के साथ हो। प्रदेश की कोई भी डिस्टलरी यदि ओपी अल्कोहल के अवैध परिवहन में लिप्त पाई जाती है तो उसे तत्काल बंद किया जाए।

50 करोड़ निवेश करने वाले भी अब एमएसएमई के दायरे में

कैबिनेट में आज पेश होगा प्रस्ताव

भोपाल (एजेंसी)। राज्य सरकार प्रदेश में निवेश को बढ़ाने के लिए सुक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योगों का दायरा बढ़ाने जा रही है। अब 50 करोड़ रुपए तक निवेश वाले उद्योगों को एमएसएमई का दर्जा मिलेगा। इससे उन्हें एमएसएमई की सभी रियायतें मिल सकेंगी। अब तक 10 करोड़ रुपए तक निवेश करने वालों को ही एमएसएमई के दायरे में शामिल किया जाता था।

इस संबंध में कैबिनेट में प्रस्ताव पेश होगा, जिसे हरी झंडी मिल सकती है। कैबिनेट मंगलवार को मंत्रालय में सुबह 11.30 बजे होगी, जिसमें लगभग एक दर्जन प्रस्ताव पेश होंगे, जिसमें यह महत्वपूर्ण प्रस्ताव भी शामिल है। इसके तहत मप्र की एमएसएमई विकास नीति - 2019 और मप्र एमएसएमई प्रोत्साहन योजना - 2019 में संशोधन का प्रस्ताव पेश होगा। केंद्र सरकार पहले ही एमएसएमई में निवेश के लिए अधिकतम सीमा को बढ़ाकर 50 करोड़ रुपए कर चुकी है। अब राज्य सरकार को भी यह प्रावधान लागू करना है। इसलिए ही नीति में संशोधन किया जाएगा। इस नीति में बदलाव से प्रदेश में निवेश के अवसरों में बढ़ोतरी होगी। साथ ही प्रदेश में रोजगार के अवसरों में भी बढ़ोतरी हो सकेगी। कैबिनेट में जहरीली शराब के सेवन से मौत के मामलों को देखते हुए इसे रोकने के लिए कानून में कड़े प्रावधान करने के लिए विधेयक का मसौदा भी पेश हो सकता है।

इन्हें भी मिल सकती है मंजूरी

- कोविड - 19 की संभावित तीसरी लहर को देखते हुए बीना रिफाइनरी के पास एक हजार बेड क्षमता के कोविड केयर सेंटर के निर्माण और संचालन की अनुमति दिए जाने का प्रस्ताव भी कैबिनेट में पेश हो सकता है।
- महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय संशोधन विधेयक - 2021 ।
- सिंगरौली जिले के सिंगरौली विकासखंड में नवीन आईटीआई भवन खोले जाने संबंधी।
- महाधिवक्ता कार्यालय में सचिव के पद पर पदस्थ सेवानिवृत्त न्यायाधीश पंकज गौड़ को एक वर्ष की संविदा अवधि में बढ़ोतरी।

भोपाल में आयुष्मान हितग्राही सम्मेलन आज

भोपाल, (एजेंसी)। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान तीन अगस्त को आयुष्मान भारत निरामयम, मप्र योजना में आयुष्मान हितग्राही सम्मेलन में आयुष्मान हितग्राहियों को प्रतीक स्वरूप आयुष्मान कार्ड और डीआईएस कार्ड जनरेशन में उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्तियों को प्रशस्ति-पत्र प्रदान करेंगे। आयुष्मान हितग्राही सम्मेलन मंगलवार अपरान्ह तीन बजे मिंटो हॉल में होगा। सम्मेलन में चिकित्सा शिक्षा मंत्री विश्वास कैलाश सारंग, स्वास्थ्य मंत्री डॉ. प्रभुराम चौधरी और एसीएस स्वास्थ्य मोहम्मद सुलेमान भी मौजूद रहेंगे। मुख्यमंत्री आयुष्मान योजना में उपचार का लाभ प्राप्त कर चुके हितग्राहियों से संवाद भी करेंगे। आयुष्मान योजना 23 सितंबर, 2018 से क्रियान्वित की जा रही है। योजना में एम्पेनल्ड निजी और शासकीय चिकित्सालयों में हितग्राही परिवार को एक वर्ष में पांच लाख रुपएका नि:शुल्क उपचार प्रदान किया जा रहा है। प्रदेश में एक करोड़ 8 लाख पात्र परिवारों के 4 करोड़ 7 लाख हितग्राहियों को योजना में सम्मिलित किया जा चुका है। मार्च-2022 तक प्रदेश के एक करोड़ पात्र हितग्राहियों के आयुष्मान कार्ड बनाने का लक्ष्य रखा गया है। प्रदेश राष्ट्रीय स्तर पर आयुष्मान कार्ड जारी करने में सबसे आगे है।

एक माह में करें लंबित पेंशन व अनुकंपा नियुक्ति के प्रकरणों का निराकरण

भोपाल (एजेंसी)। प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री मोहन यादव ने कहा कि विभाग में लंबित पेंशन एवं अनुकंपा नियुक्ति के प्रकरणों का निराकरण एक माह करें। कोई भी प्रकरण लंबित नहीं रहे। महाविद्यालयों को विश्वविद्यालयों से संबद्ध करने का पुनरीक्षण करें।श्री यादव ने यह निर्देश सोमवार को यहां मंत्रालय में आयोजित विभागीय समीक्षा बैठक में दिए।

उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालयों की वित्तीय स्थिति की जानकारी प्राप्त कर उन्हें आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराएं। उन्होंने कहा कि वर्षाकालीन विधानसभा सत्र के महत्वपूर्ण विषयों की तैयारी समय पर करें। आगामी 15 अगस्त के पूर्व समस्त शिक्षण संस्थाओं द्वारा एक-एक गांव को गोद लेने का कार्य पूर्ण करें। वित्त और सामान्य प्रशासन विभाग के लंबित प्रकरण समय पर निराकृत करें। भवनों के रख-रखाव के लिए महाविद्यालयों को आवश्यकतानुसार राशि दी जाए। उन्होंने कहा कि 200 महाविद्यालयों की अधोसंरचना मजबूत करने की कार्यवाही समय पर पूरी करें। विभाग के एकीकृत पोर्टल का कार्य शीघ्रता से पूर्ण करें। उन्होंने कहा कि 50 महाविद्यालयों का बहु-विषयक संस्थानों और 150 महाविद्यालयों को क्वॉलिटी लर्निंग सेंटर के रूप में उन्नयन करने का कार्य शीघ्रता से पूर्ण करें।

विभाग द्वारा 160 महाविद्यालयों में 282 सर्टिफिकेट एवं 177 डिप्लोमा पाठ्यक्रमों के संचालन की जारी की गई अनुमति के अनुसार पाठ्यक्रम संचालित करें। इसी तरह 100 कॉलेजों में आईटी की अधोसंरचना को कम्प्यूटर लैब के साथ सुदृढ़ करने का कार्य विश्वविद्यालयों में इन्क्यूबेशन सेंटर स्थापित करने का कार्य समय पर पूरा करें।

उन्होंने कहा कि उच्च शिक्षा संस्थानों में उत्कृष्टता केन्द्रों की स्थापना की जाये। विभागीय छात्रवृत्ति देने का कार्य शेष नहीं रहे। मध्यप्रदेश लोक सेवाओं के प्रदान की गारंटी अधिनियम के तहत विभाग की सेवाएं लाई जाएं। बैठक में प्रमुख सचिव उच्च शिक्षा अनुपम राजन, अपर आयुक्त चंद्रशेखर वालिम्बे सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

नगरीय विकास के कामों के लिए दरें 29 फीसदी तक बढ़ीं

नौ साल बाद दरों में किया गया संशोधन

सोमवार को भोपाल में प्रदेश के नगरीय विकास एवं आवास मंत्री भूपेंद्र सिंह एवं राज्य मंत्री ओपीएस भदौरिया ने नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग की पुनरीक्षित एकीकृत मानक दरों (आईएसएसआर) की पुस्तिका का विमोचन किया।

भोपाल (एजेंसी)। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग द्वारा कराए जाने वाले विभिन्न कार्यों के लिए पुनरीक्षित एकीकृत मानक दर आईएसएसआर सोमवार से लागू हो गई है। इसी के साथ नगरीय विकास से जुड़े कामों के लिए दरों में 29 फीसदी तक बढ़ोतरी का रास्ता साफ हो गया है।

पुनरीक्षित दरों की पुस्तिका का विमोचन नगरीय विकास एवं आवास मंत्री भूपेंद्र सिंह और राज्यमंत्री ओपीएस भदौरिया ने किया। इसके पूर्व इसका पुनरीक्षण मई 2012 में किया गया था। एकीकृत मानक दर अनुसूची एक जून 2011 को पहली बार लागू की गई थी। एकीकृत मानक पर अनुसूची चार भागों पेयजल, सीवरेज एवं ट्यूबवेल, भवन निर्माण, सड़क पुल एवं पुलिया और विद्युत कार्य में लागू की गई हैं।

पेयजल और सीवरेज के कामों के लिए दरों में सबसे अधिक बढ़ोतरी की गई है। इसके लिए 20 से 29 फीसदी तक दरों में बढ़ोतरी की गई है। इसी तरह भवन निर्माण के कार्यों के लिए दरों में 15 से 20 फीसदी तक बढ़ोतरी की गई है। सड़क, पुल और पुलिया से जुड़े कामों के लिए दरों में 15 से 29 फीसदी तक बढ़ोतरी की गई है। विद्युत कार्य से जुड़े कामों के लिए दरों को युक्तियुक्त करते हुए दरों में बड़ा बदलाव किया गया है। इस तरह के कामों के लिए दरों को 10 फीसदी तक कम करने के साथ ही कुछ कामों के लिए दरों में 05 फीसदी तक ही बढ़ोतरी की गई है। नगरीय विकास एवं आवास मंत्री ने कहा कि श्रम दर एवं सामग्री की दरों में वृद्धि और जीएसटी लागू होने के कारण आईएसएसआर में पुनरीक्षण जरूरी हो गया था। उन्होंने कहा कि दरें पुनरीक्षित होने से कार्यों की गुणवत्ता मेंटेन होगी। दरें व्यावहारिक होने से कार्य कराने में सहूलियत होगी।

नई दरें एक नजर में

कार्य का नाम	बढ़ोतरी
पेयजल/सीवरेज	20 से 29 फीसदी
भवन निर्माण	15 से 20 फीसदी
सड़क/पुल/पुलिया	15 से 29 फीसदी

सीएम ने सिचुएशन रूम से लिया बाढ़ प्रभावित गांवों का जायजा

जिला प्रशासन और एसडीआरएफ की टीम राहत और बचाव कार्य में जुट गई है। एनडीआरएफकी टीम भी मौके पर पहुंच गई है।

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह ने सोमवार को मंत्रालय स्थित सिचुएशन रूम से शिवपुरी जिले में पानी से घिरे पांच गांवों का जायजा लेकर स्थानीय अधिकारियों से राहत कार्यों की जानकारी भी ली। शिवपुरी जिले की बैराड़ तहसील के 6 ग्राम कुपवाड़ा, हर्रई, अकुरनी, बरखेड़ी, चिलपई और रायपुर पार्वती नदी में आई बाढ़ के पानी में घिरे हैं। इनमें से कुपवाड़ा, हर्रई और अकुरनी गांव से ग्रामीणों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचा दिया गया है। बरखेड़ी, चिलपई और रायपुर में ग्रामीण बाढ़ के पानी से घिरे हुए हैं। मुख्यमंत्री ने सिचुएशन रूम से क्षेत्र के एसडीएम, थाना प्रभारी, स्थानीय सरपंच, पंचायत सचिव और आंगनवाड़ी कार्यकर्ता से मोबाइल पर बात कर स्थिति की जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने कहा कि ग्रामीणों को गांव में ही ऊंचे स्थान पर सुरक्षित पहुंचाए ताकि बाढ़ के पानी से ग्रामीण प्रभावित न हो। मुख्यमंत्री ने ग्रामीणों का हौसला और हिम्मत बढ़ाते हुए कहा कि राहत के हरसंभव प्रयास किए जा रहे हैं। हेलीकाप्टर पहुँचते ही ग्रामीणों को सुरक्षित स्थान पर लाने का कार्य आरंभ हो जाएगा। ग्रामीण चिंता न करें, सभी लोगों की सुरक्षा राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

मुख्यमंत्री ने प्रदेश में बाढ़ की स्थिति की समीक्षा भी की। उन्होंने अगले 48 घंटे में ग्वालियर, चंबल संभाग में बारिश की संभावना को देखते हुए ग्रामीणों को गांवों से तत्काल निकलने के निर्देश दिए। चौहान ने प्रदेश के अन्य भागों में हो रही वर्षा और बांधों की स्थिति की जानकारी ली।

समय-सीमा में सिंचाई परियोजनाएं पूरी करवाएं मंत्री कुशवाह ने अधिकारियों को दिए निर्देश

भोपाल । प्रदेश के नर्मदा घाटी विकास राज्य मंत्री भारत सिंह कुशवाह ने कहा कि नर्मदा घाटी विकास परियोजना में प्रस्तावित सभी सिंचाई परियोजनाओं को तय समय-सीमा में पूरा कराया जाए। अधिकारियों को परियोजनाओं के निर्माण की सतत मॉनिटरिंग करना चाहिए। श्री कुशवाह सोमवार को यहां नर्मदा घाटी विकास भवन के सभाकक्ष में विभागीय समीक्षा कर रहे थे। राज्य मंत्री श्री कुशवाह ने कहा कि नर्मदा घाटी विकास अंतर्गत सभी सिंचाई परियोजनाओं को समय पर पूरा कराने के लिए इंजीनियर्स निर्माण एजेंसियों से लगातार संपर्क में रहें और यह सुनिश्चित करें कि काम नहीं रुके। अपर मुख्य सचिव आईपीसी केशरी ने इंजीनियर्स को हिदायत देते हुए कहा कि निर्माण कार्यों में अनावश्यक विलंब हुआ और निर्माण एजेंसियों द्वारा कार्य रोका गया, तो इसके लिए संबंधित इंजीनियर्स जिम्मेदार होंगे। निर्माण कार्य रुकने पर अधिकारियों की वेतन वृद्धियां भी रुक सकती हैं। बैठक में मुख्य अभियंता, अधीक्षण यंत्री और कार्यपालन यंत्री मौजूद थे।

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह ने उद्योगपतियों को किया आश्वस्त

फर्नीचर और खिलौना क्लस्टर में हरसंभव सहायता देगी सरकार

भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि इंदौर में विकसित होने वाले फर्नीचर और खिलौना क्लस्टर में राज्य शासन हरसंभव सहयोग प्रदान करेगी। क्लस्टर में स्थापित इकाइयों से प्रदेश में रोजगार की संभावनाएं बढ़ेंगी। यह आत्म-निर्भर मप्र के निर्माण के लिए आवश्यक है।

इंदौर में फर्नीचर और खिलौना क्लस्टर विकसित करना, उद्योगपतियों की सराहनीय पहल है। मुख्यमंत्री चौहान सोमवार को मंत्रालय में इंदौर फर्नीचर क्लस्टर तथा खिलौना क्लस्टर के संबंध में भेंट करने आए उद्योगपतियों से चर्चा कर रहे थे। इंदौर के बेटमा में 154 हेक्टेयर क्षेत्रफल में 600 करोड़ रुपए की लागत से फर्नीचर क्लस्टर विकसित किया जा रहा है। क्लस्टर में 171 निवेशकों द्वारा अपनी इकाइयां स्थापित की जाएंगी। इससे लगभग 5200 लोगों को रोजगार मिलेगा। मुख्यमंत्री ने क्लस्टर के लिए नामांतरण के आधार पर अलॉटमेंट, क्लस्टर को तीन फेज में विकास की अनुमति और विद्युत सब स्टेशन, एक एमएलडी पानी तथा 45 मीटर सड़क बनाकर देने की प्रतिनिधियों की मांग पर सहमति प्रदान की।

इंदौर खिलौना क्लस्टर में होगा 70 करोड़ का निवेश

इंदौर में राऊ रंगवासा स्थित औद्योगिक क्षेत्र में बनने वाले खिलौना क्लस्टर में 70 करोड़ रुपए के निवेश की 20 इकाइयां स्थापित करने की योजना है। इससे लगभग 4,000 लोगों को रोजगार मिलेगा। प्रथम वर्ष का अनुमानित उत्पादन लगभग 250 करोड़ रुपए का है। प्रतिनिधि मंडल ने क्लस्टर के लिए शासन द्वारा क्षेत्र को विकसित कर विभागीय दर पर सदस्यों को सीधे आवंटित करने संबंधी मांग रखी। मुख्यमंत्री ने इसकी सहमति देते हुए भवन निर्माण के लिए दो एफएआर की स्वीकृति भी प्रदान की।

चंद्रा सर्वटे बनीं राज्य आदिवासी कांग्रेस महिला विंग की कार्यवाहक अध्यक्ष

भोपाल, (एजेंसी)। मप्र आदिवासी कांग्रेस विभाग के अध्यक्ष अजय शाह ने महिला विंग का गठन कर सोमवार को श्रीमती चंद्रा सर्वटे को 'मप्र आदिवासी कांग्रेस महिला विंग का प्रदेश कार्यवाहक अध्यक्ष मनोनीत किया है। प्रदेश कांग्रेस की ओर से मुहैया करायी गयी जानकारी के अनुसार श्री शाह ने कांग्रेस अध्यक्ष श्रीमती सोनिया गांधी की भावना के अनुरुप श्रीमती सर्वटे को प्रदेश आदिवासी कांग्रेस महिला विंग में मनोनीत कर अपेक्षा की है कि वे प्रदेश में आदिवासी वर्ग को कांग्रेस की रीति-नीति से अवगत कराकर पार्टी को और अधिक मजबूती तथा सक्रियता प्रदान करने का कार्य करेंगी।

राणा दग्गुबाती ने लॉन्च किया नया कलेक्शन

पुरुषों और महिलाओं के लिए दस सीमित संस्करण वाला परफ्यूम पेश करते हुए, अभिनेता राणा दग्गुबाती ने एनएएस परफ्यूम फ्लैगशिप परफ्यूम, रॉ एंड बोल्ड को लॉन्च किया। एनएएस परफ्यूम बनाने वाली समृद्ध सामग्री फ्रांस और संयुक्त अरब अमीरात से मंगाई जाती है और हैदराबाद में सावधानी से दस्तकारी की जाती है। प्रीमियम परफ्यूम ब्रांड अपने ग्राहकों को बाजार में उपलब्ध परफ्यूम की उचतम सांद्रता प्रदान करता है जो परफ्यूम्स और एक्स्ट्राइट डी परफम है। कंपनी भी अपनी कोशिश के जरिए लड़कियों की शिक्षा का समर्थन करेगी। एनएएस की सिग्नेचर खुशबू रॉ एंड बोल्ड के बारे में बोलते हुए राणा दग्गुबाती ने कहा, मैं नेहा और सुहासिनी के लिए उनके नए उद्यम, एनएएस पर रोमांचित हूं। मुझे यकीन है कि वे और यादा ऊंचाइयों को हासिल करना जारी रखेंगे। मैं इसके लिए भी उत्साहित हूं। मेरे लिए रॉ और बोल्ड लॉन्च करना गर्वित है,क्योंकि यह एक ऐसा परफ्यूम जो हर तरह से मेरी सिग्नेचर खुशबू है। ओपनिंग स्निटस नोट्स कचे लेकिन परिष्कृत मर्दानगी की भावना पैदा करने के लिए बेस वुडी नोट्स के साथ मिलते हैं।

सेबी ने राज और शिल्पा पर ठोका 3 लाख का जुर्माना

अश्लील वीडियो मामले में फंसे शिल्पा शेट्टी के पति और बिजनेसमैन राज कुंद्रा लगातार सुर्खियों में हैं। इस मामले में किसी भी ओर से उनकी मुश्किलें कम होती नजर नहीं आतीं। वहीं पति के चलते शिल्पा पर भी मुसीबतों के बादल गिरते नजर आ रहे हैं। अब हाल ही में खबर सामने आई है कि सेबी ने शिल्पा शेट्टी और उनके पति पर तीन लाख का जुर्माना लगाया है। यह जुर्माना राज कुंद्रा और उनकी कंपनी वियान इंडस्ट्रीज सेबी (इनसाइडर ट्रेडिंग का निषेध) विनियमों का उल्लंघन करने के लिए लगाया गया है। सेबी की ओर से बुधवार को जारी आदेश के अनुसार उनपर कुल मिलाकर तीन लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया है जिसका भुगतान उन्हें संयुक्त रूप से करना है। शिल्पा और रिपू वियान इंडस्ट्रीज के प्रवर्तक हैं। नियामक ने यह आदेश सितंबर, 2013 से दिसंबर, 2015 के दौरान की गई जांच के बाद दिया है। सेबी ने इन इकाइयों की भेदिया कारोबार प्रतिबंध नियमों के उल्लंघन के लिए जांच की थी। अक्टूबर, 2015 में वियान इंडस्ट्रीज ने चार लोगों को पांच लाख शेयरों का तरजीही आवंटन किया था। इसके अलावा रिपू और शिल्पा को 2.57 करोड़ रुपये (प्रत्येक) के 1,28,800 (प्रत्येक) शेयरों का आवंटन किया गया। इस बारे में उन्हें कंपनी को जरूरी खुलासा करना था क्योंकि लेनदेन का मूल्य 10 लाख रुपए से अधिक था। सेबी ने कहा, ''यह रिकॉर्ड पर है कि भेदिया कारोबार रोधक नियमनों के तहत यह खुलासा तीन साल से अधिक की देरी से किया गया। बता दें कि राज कुंद्रा को मुंबई पुलिस ने 19 जुलाई को गिरफ्तार किया था। हालांकि अब उन्हें 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

एक वास्तविक व्यक्ति को चित्रित करना हमेशा एक चुनौती-कियारा

ट्रोलिंग, भाई-भतीजावाद की बात या उद्योग की कैंप संस्कृति जैसे बाहरी दबावों से खुद को अलग करने की क्षमता पर खुलते हुए कियारा आडवाणी ने जेननॉय बॉलीवुड का आश्वासन दिया। पेशे के साथ आने वाली निगेटिविटी के बारे में कियारा कहती हैं कि, हम अभिनेताओं के रूप में अलग होना सीखते हैं। एक तरह से एक विभाजित व्यक्तित्व की तरह, काम के दौरान कई भूमिकाएं करते है और सीखते हैं कि कैसे अपने जीवन से उस बिट को अलग रखना है। हालांकि, वह स्क्रीन पर जो भूमिकाएं निभाती हैं, वह एक अलग सौदा हो सकता है। उदाहरण के लिए, बायोपिक शेरशाह में डिंपल चीमा की उनकी आगामी भूमिका, एक ऐसा कार्य है जो भावनात्मक रूप से उनके साथ रहा है।

पूनम पांडे ने समझाया न्यूडिटी का असली मतलब

एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी के पति राज कुंद्रा के पोर्नोग्राफी केस के बाद मॉडल और एक्ट्रेस पूनम पांडे भी काफी सुर्खियों में आ गई हैं। इस केस में लगातार अपने बयानों के चलते वो सुर्खियां बटोर रही हैं। राज कुंद्रा की गिरफ्तारी के बाद पूनम ने उन्हें लेकर कई खुलासे किए हैं। अब हाल ही में उन्होंने एक वीडियो में न्यूडिटी को लेकर अपना बयान दिया है, जिसे लेकर एक बार फिर वो चर्चा में आ गई हैं। हाल ही में एक वीडियो में पूनम पांडे ने कहा- मैं एरॉटिक और पॉर्न का मतलब समझाने में उतनी समर्थ नहीं हूं, लेकिन न्यूडिटी का असली में मतलब क्या होता है यह समझा सकती हूं, क्योंकि मैंने बहुत सारे न्यूड फोटोशूट करवाए हैं। पूनम कहती हैं- हमारे देश में ऐसे कई मंदिर और घूमने वाली जगह है जहां पर ऐसी मूर्तियां या पेंटिंग्स हैं जो पूरी तरह से नग्न हैं और इसमें कुछ गलत नहीं है, क्योंकि यह एक फॉर्म ऑफ आर्ट है। यह सब खूबसूरत चीजें हैं। न्यूडिटी के बारे में मेरा ऐसा मानना है कि हम फिल्म या फोटोज के जरिए आपको फॉर्म ऑफ आर्ट ही दिखाते हैं और इसमें कुछ गलत नहीं है। वहीं बात करें राज कुंद्रा केस की तो शिल्पा शेट्टी को अश्लील वीडियो मामले में कहीं राहत मिलती दिखाई नहीं दे रही। किला कोर्ट ने राज को 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है। उनकी जमानत याचिका को भी हाईकोर्ट ने 29 जुलाई तक टाल दिया है।

अक्षय कुमार ने कश्मीर में स्कूल बनवाने के लिए दान दिए 1 करोड़ रुपए

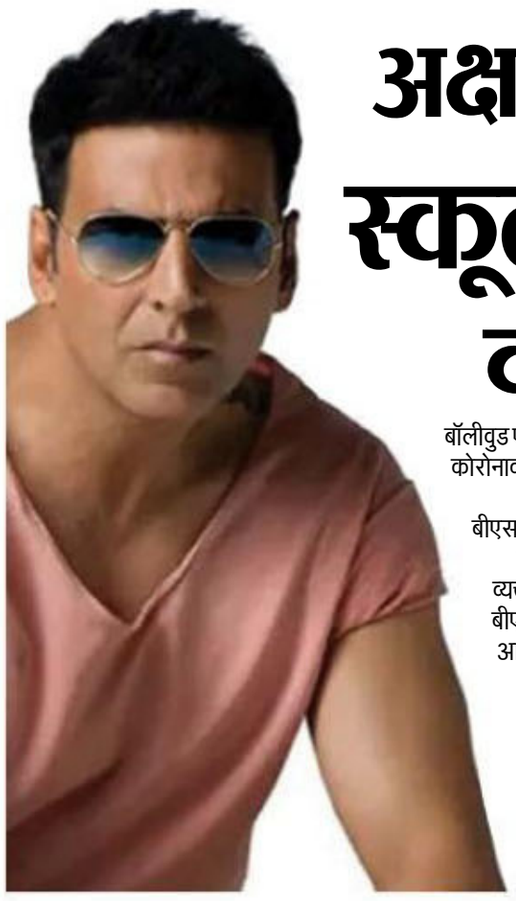

बॉलीवुड एक्टर अक्षय कुमार अपनी फिल्मों के साथ-साथ नेक कामों की वजह से भी चर्चा में बने रहते हैं। कोरोनाकाल में अक्षय ने दिल खोलकर लोगों की मदद की है। वही अब अक्षय ने एक स्कूल के पुनर्निर्माण के लिए 1 करोड़ रुपए दान दिए हैं। अक्षय कुमार हाल ही में कश्मीर गए थे। इस दौरान उन्होंने बीएसएफ के जवानों और अधिकारियों के साथ मुलाकात की। इस यात्रा के दौरान अक्षय ने एक स्कूल को खराब स्थिति में देखा और इसके पुनर्निर्माण के लिए 1 करोड़ रुपए का योगदान देने की इछा व्यक्त की थी। ये स्कूल कश्मीर के तुलैल के नीरू गांव में है। अक्षय के इस सरहनीय कार्य के बारे में बीएसएफ ने अपने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर कर बताया कि स्कूल के लिए 27 जुलाई को आधारशिला रख दी गई है। इस स्कूल का नाम अक्षय के पिता स्वर्गीय हरिओम भाटिया के नाम पर रखा गया है। बीएसएफ ने कुछ तस्वीरों को शेयर करते हुए लिखा, डीजी बीएसएफ राकेश अस्थाना ने पद्मश्री से सम्मानित अक्षय कुमार के साथ बीडब्लूडब्लूए की अध्यक्ष अनु अस्थाना और एसडीजी वेस्टर्न कमांड बीएसएफ सुरेंद्र पंवार की उपस्थिति में आज कश्मिर में हरिओम भाटिया एजुकेशन ब्लॉक गवर्नमेंट मिडिल स्कूल नीरू की वर्चुअली आधारशिला रखी। जय हिंद। अक्षय कुमार स्कूल की आधारशिला रखने के कार्यक्रम में वर्चुअल शिरकत की। इससे पहले भी अक्षय कई बार डोनेशन को लेकर चर्चा में रहे हैं और इस बार भी उनका ये काम उनके चाहने वालों को बेहद पसंद आया है। फैंस उनकी जमकर तारीफ कर रहे हैं।

मुझमें अभिनय का है जुनूनः स्कंद ठाकुर

फील्स लाइक इश्क से अपने अभिनय की शुरूआत करने वाले अभिनेता स्कंद ठाकुर, अभिनय के प्रति अपने जुनून के बारे में बात करते नहीं थकते हैं। वो बताते हैं कि यह सब पृथ्वी थिएटर से कैसे शुरू हुआ। स्कंद ने स्वीकार किया कि अपने माता-पिता को बताए बिना, वह एक अभिनेता के रूप में अपना करियर बनाने के लिए पृथ्वी थिएटर में शामिल हो गए थे। उन्होंने कहा कहा, मेरे माता-पिता चाहते थे कि मैं इंजीनियरिंग करूँ, लेकिन मैं कला प्रदर्शन से इतना प्रभावित हो गया कि मैं जुहू और उसके आसपास एक कॉलेज की तलाश करता रहा। पृथ्वी थिएटर वह जगह है जहाँ मैंने अपने सपने पर काम करना शुरू किया। हर बार जब मैं मंच पर था, मुझे जीवित महसूस हुआ और यही भावना मैं अपने पूरे जीवन में काम पर रखना चाहता हूं।

26 वर्षीय अभिनेता की सह-कलाकार तान्या मानिकतला के साथ फील्स लाइक इश्क में महत्वपूर्ण भूमिका है। वह अपने सह-कलाकार की प्रशंसा करते हैं और उनके साथ काम करने के अपने अनुभव को याद करते हैं। उन्होंने कहा कि हालांकि हमारे पास शूटिंग से पहले एक साथ बिताने के लिए पर्याप्त दिन नहीं थे, क्योंकि तान्या दिल्ली में रहती हैं। वह शूटिंग से 3-4 दिन पहले कुछ कार्यशालाओं में भाग लेने और कुछ अभ्यास करने के लिए चली गईं थी। वो कहते हैं, इतने कम समय में भी, हमने एक-दूसरे के साथ बहुत अछा तालमेल विकसित किया क्योंकि वह बहुत दयालु और बेहद ईमानदार हैं।

सलमान की कभी ईद कभी दिवाली रिलीज डेट आई सामने

बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान के पास इस समय कई फिल्मों की लाइन लगी हुई है। इन्हीं में से एक फिल्म का नाम कभी ईद कभी दिवाली है। बताया जा रहा कि सलमान की यह फिल्म सांप्रदायिक सौहार्द पर एक बहुत मजबूत संदेश देती नजर आएगी। बीते दिनों खबर आई थी कि विवादों से बचने के लिए इस फिल्म का नाम बदलने का विचार किया जा रहा है। सलमान की इस फिल्म का नाम बदल कर भाईजान रखा जा सकता है। सलमान खान की इस फिल्म को फरहाद सामजी बनाने वाले है। इस फिल्म में सलमान के साथ पूजा हेगडे नजर आएंगी। वही आयुष शर्मा और जहीर इकबाल भी दिखेंगे। बताया जा रहा है कि फिल्म में सलमान खान आयुष शर्मा और जहीर इकबाल के बड़े भाई का रोल निभाएंगे। फिल्म की कहानी इन तीनों भाईयों के आसपास घूमेंगी। फिल्म में सलमान सबसे बड़े भाई, फिर जहीर और आयुष सबसे छोटे भाई के किरदार में दिखाई देंगे। वही अब फिल्म की रिलीज डेट को लेकर खबरे सामने आ रही है। बताया जा रहा है कि सलमान खान और साजिद नाडियाडवाला ने हाल ही में फिल्म की शूटिंग शेड्यूल और रिलीज की तारीख पर चर्चा करने के लिए मुलाकात की। मेकर्स ने इस फिल्म को दिवाली 2022 के दिन रिलीज करने का फैसला किया है। सलमान खान इस फिल्म की शूटिंग टाइगर 3 की शूटिंग खत्म करने के बाद शुरू करेंगे। इस फिल्म का एलान साल 2019 में ही हो गया था। लेकिन कोरोना वायरस और फिर लॉकडाउन की वजह से अभी तक ये फिल्म शुरू नहीं हुई।

अनुष्का शर्मा की उड़ी है नींद आधी रात को जगा रहा बचपन का प्यार

बचपन का प्यार मेरा भूल नहीं जाना रे ने अनुष्का शर्मा की भी नींद उड़ा डाली है। अनुष्का शर्मा ने इंस्टाग्राम पर एक फनी मीम शेयर किया है, जिसे देख आपकी हंसी निकल जाएगी। अनुष्का शर्मा चैन से सो नहीं पा रहीं। इस वक्त सोशल मीडिया पर हर किसी के दिलो-दिमाग पर एक ही गाना छाया है और वह है बचपन का प्यार मेरा भूल नहीं जाना रे। बाकियों की तरह 12 साल के सहदेव दिरदो के इस गाने ने अनुष्का शर्मा की भी नींद उड़ा डाली है। बता दें कि में बचपन का प्यार गाना गाते हुए सहदेव दिरदो का एक वीडियो हाल ही में सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। देखते ही देखते इस गाने को लेकर सोशल मीडिया पर मीम्स की बाढ़ आ गई है। सिलेब्रिटीज़ तक इस गाने को लेकर सोशल मीडिया पर पोस्ट डालने से खुद को रोक नहीं पा रहे। अनुष्का शर्मा ने भी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक मीम पोस्ट किया है। अनुष्का ने बताया है कि कैसे इस गाने ने उनकी नींड उड़ा रखी है। इस पोस्ट में एक शख्स का कार्टून है जो बेड पर सोता नजर आ रहा है। इसपर लिखा गया है- मैं रात को शांति से सोने की कोशिश कर रहा, लेकिन दिमाग में चल रहा- जाने मेरी जानेमन, बसपन का प्यार मेरा भूल नहीं जाना रे चल रहा। हालांकि अनुष्का ने अपने इंस्टा स्टोरी पर यह पोस्ट रीशेयर किया है जिसे वास्तव में बास्केट बॉल प्लेयर और क्रिकेटर इशांत शर्मा की वाइफ प्रतिमा सिंह ने शेयर किया है। इस पोस्ट के साथ अनुष्का ने ढेर सारी लाफ्टर इमोजी का इस्तेमाल किया है। यहां बता दें कि सहदेव का यह गाना साल 2019 में उनके स्कूल टीचर ने क्लास में रिकॉर्ड किया था। स्कूल में ड्रेस में पूरी डिसीप्लीन के साथ गा रहे सहदेव के इस गाने ने अब सोशल मीडिया पर तहलका मचा रखा है और लगभग हर कोई इसी गाने को गुनगुनाते दिख रहे हैं।

टोक्यो ओलंपिक: भारतीय हॉकी टीम ने ऑस्ट्रेलिया को 1-0 से हराया

इतिहास रचा

पहली बार भारतीय महिलाएं सेमीफाइनल में

गुरजीत कौर
मैच में एकमात्र गोल कर भारत को दिलाई जीत

द ग्रेट वॉल ऑफ इंडिया सविता पुनिया

टोक्यो। भारतीय महिला हॉकी टीम ने अपने जबरदस्त डिफेंस के दम पर सोमवार को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 1-0 से ऐतिहासिक जीत दर्ज करते हुए टोक्यो ओलंपिक के सेमीफाइनल में पहली बार स्थान बना लिया। 4 अगस्त को सेमीफाइनल में भारतीय महिला टीम का अर्जेंटीना से मुकाबला होगा। जिस भारतीय टीम ने लीग मुकाबलों के दौरान आयरलैंड के खिलाफ मिले सभी 14 पेनल्टी कार्नर जाया कर दिए थे सोमवार को उसी ने मिले पहले पेनल्टी कार्नर को ही भुनाते हुए स्वर्ण के प्रबलतम दावेदार माने जा रहे देश पर चमत्कारिक विजय अर्जित कर ली। भारत ने खेल के पहले क्वार्टर से ही विपक्षी टीम पर दबदबा कायम रखा। भारत की गुरजीत कौर ने 22वें मिनट में पेनल्टी कार्नर को गोल में तब्दील किया जो अंत में निर्णायक सिद्ध हुआ। पहले, दूसरे और तीसरे क्वार्टर में भारतीय टीम ने आस्ट्रेलियाई आक्रमण का बखूबी जवाब दिया और गेंद को अधिकांश समय तक अपने कब्जे में रखा।

गोलकीपर सविता पुनिया ने नौ गोल शॉट बचाकर जीत दिलाई

भारतीय महिला हॉकी टीम ने टोक्यो ओलंपिक के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। इस मैच में गुरजीत कौर ने एकमात्र गोल किया, लेकिन भारत की जीत गोलकीपर सविता पुनिया ने पक्की की। अपने शानदार प्रदर्शन के बाद सविता को ग्रेट वॉल ऑफ इंडिया कहा जा रहा है। उन्होंने इस मैच में नौ गोल शॉट बचाकर ऑस्ट्रेलिया को एक भी गोल नहीं करने दिया। इनमें सात पेनाल्टी कॉर्नर और दो फील्ड गोल के शॉट शामिल हैं। यहां डिफेंस की बात इसलिए जरूरी है, क्योंकि पूल राउंड के अपने आखिरी और करो या मरो के मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भारत का डिफेंस काफी कमजोर दिखा था। भारत ने इस मैच में चार गोल किए थे, लेकिन तीन गोल खाए भी थे।

ऑस्ट्रेलिया के हाई कमिश्नर ने सविता को द ग्रेट वॉल बताया

भारत में ऑस्ट्रेलिया के हाई कमिश्नर बैरी ओ फैरेल ने टीम इंडिया को बधाई देते हुए सविता को द ग्रेट वॉल ऑफ इंडिया के नाम से संबोधित किया। उन्होंने ट्वीट किया कि भारत की महिला हॉकी टीम ने ऑस्ट्रेलिया को हराते हुए पहली बार ओलंपिक के सेमीफाइनल में पहुंचकर इतिहास रच दिया है। कंगारू टीम और गोल के बीच में सविता पुनिया दीवार बनकर खड़ी रहीं। हमारी टीम उनसे पार नहीं पा सकीं।

भारत ने मजबूत डिफेंस से ऑस्ट्रेलिया के हर प्रहार को नाकाम किया

भारत ने अपने पिछले मुकाबले से सबक लेते हुए ऑस्ट्रेलिया को वापसी का मौका नहीं दिया। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हाफ टाइम तक भारत 1-0 से आगे था। ऑस्ट्रेलियाई टीम गोल करने की हरसंभव कोशिश कर रही थी, लेकिन सविता और भारतीय डिफेंडरों के सामने वह कुछ न कर सकी। कंगारू टीम ने तीसरे क्वॉर्टर के शुरू में स्टीवर्ट ग्रेस के प्रयासों से मौका भी बनाया, लेकिन भारतीय गोलकीपर ने मारिया विलियम्स के शॉट को रोककर यह हमला नाकाम कर दिया। ऑस्ट्रेलिया ने इसके बाद दो पेनल्टी कार्नर हासिल किए, लेकिन सविता की अगुआई में भारतीय डिफेंडर्स मजबूती के साथ हर खतरे टालती रहीं।

तीन हार के बाद फिल्म देखने से मिला फायदा: सोर्ड मारिन

भारतीय महिला हॉकी टीम के मुख्य कोच सोर्ड मारिन ने खुलासा किया कि लगातार तीन हार से टीम का मनोबल टूट गया था लेकिन इसके बाद खिलाड़ियों ने आत्मविश्वास जगाने वाली फिल्म देखी जिससे उनमें नया जोश भरा और वे पहली बार ओलंपिक सेमीफाइनल में पहुंचकर इतिहास रचने में सफल रही। भारतीय टीम ने लगातार हार के बाद शानदार वापसी की और मारिन ने कहा कि आयरलैंड के खिलाफ करो या मरो मैच से पहले एक फिल्म देखने से टीम को मनोवैज्ञानिक रूप से मदद मिली। उन्होंने इस फिल्म के नाम का खुलासा नहीं किया। भारत की क्वॉर्टरफाइनल में ऑस्ट्रेलिया पर जीत के बाद मारिन ने कहा, स्वयं पर विश्वास करने और अपने सपनों पर विश्वास करने से अंतर पैदा हुआ और यह अतीत को ध्यान में रखते हुए वास्तविकता का सामना करने से जुड़ा था। यह अहम चीज थी और हमने यही किया।

भारतीय महिला टीम का यह तीसरा ओलंपिक

भारतीय महिला टीम ने पहली बार ओलंपिक के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। यह भारतीय टीम का तीसरा ओलंपिक है। इससे पहले भारतीय महिला हॉकी टीम ने 1980 मॉस्को ओलंपिक और 2016 रियो ओलंपिक में भाग लिया था। इससे पहले रविवार को भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने ब्रिटेन को भी 3-1 से हराकर 49 साल बाद ओलंपिक खेलों के सेमीफाइनल में प्रवेश किया था। यह शाहरुख खान अभिनीत चक दे इण्डिया फिल्म नहीं थी। जो कुछ सोमवार को टोक्यो में घटित हुआ वो एक सपने के हकीकत में बदलने की महान गाथा है। जिस तरह से उस फिल्म की खिताबी भिड़ंत में कोच शाहरुख खान के मार्गदर्शन में भारत ने आस्ट्रेलियाई महिला हॉकी टीम को मात दी थी ठीक वैसे ही टोक्यो ओलंपिक में भारतीय महिला हॉकी टीम ने तीन बार की स्वर्ण पदक विजेता को स्तब्ध करते हुए इतिहास रच दिया।

रानी रामपाल के पिता के दिल में बेटी को खिलाड़ी बनाने की चाह जागी, 6 वर्ष की उम्र में अकादमी में दिलाया प्रवेश

भारतीय टीम की जीत की सूत्रधार बेशक अमृतसर की गुरजीत कौर बनीं लेकिन टीम को इस सफलता तक पहुंचाने में कप्तान रानी रामपाल का अहम योगदान रहा। फास्ट फॉरवर्ड प्लेयर रानी रामपाल ने जिंदगी की दुश्वारियों को हराकर सफलता का झंडा बुलंद किया है। हरियाणा में शाहाबाद की बेटी रानी रामपाल के संघर्ष की कहानी उनके पिता की मेहनत के साथ शुरू हुई थी। शाहाबाद कस्बा के माजरी मोहल्ले की रानी के पिता तांगा चलाया करते थे और अक्सर महिला हॉकी खिलाड़ियों को आते-जाते देखते थे। बस यहीं से पिता के दिल में बेटी को खिलाड़ी बनाने की चाह जाग उठी और वह 6 वर्षीय बेटी को एसजीएनपी स्कूल के हॉकी मैदान में कोच बलदेव सिंह के पास छोड़ आए। जहां से रानी की हॉकी की स्वर्णिम शुरुआत हुई। रानी बताती हैं कि घर में इतने पैसे भी नहीं थे कि पिता मेरे लिए हॉकी भी खरीद सकें, लेकिन मेरे सपनों में उड़ान थी और उन्हीं सपनों और इच्छाओं को देखते हुए पिता ने मुझे गांव की अकादमी में डाल दिया। रानी अपनी हर उपलब्धि के लिए कोच बलदेव सिंह का शुक्रिया अदा करती हैं। उनका कहना है कि मेरा परिवार जिस समय पैसे नहीं जुटा पाया था, मेरे कोच ने मेरे हाथ में हॉकी स्टिक थमा दी थी। मैं उनकी शुक्रगुजार हूं।

महिला हॉकी टीम हर कदम पर इतिहास रच रही है: ठाकुर

महिला हॉकी टीम को खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने बधाई देते हुए ट्वीट किया, शानदार प्रदर्शन। महिला हॉकी टीम हर कदम पर इतिहास रच रही है। पूर्व खेल मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा, भारत का सपना सच हो रहा है। मेरे पास अपनी खुशी व्यक्त करने के लिये शब्द नहीं हैं। पूर्व भारतीय हॉकी कप्तान वीरेन रासकुइन्हा ने इसे स्वर्णिम पल करार देते हुए कहा, भारतीयों ने जिस तरह से अपने गोल का बचाव किया उससे काफी प्रभावित हूं। एथेंस ओलंपिक खेलों के रजत विजेता निशानेबाज राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने कहा, भारतीय महिला हॉकी टीम को ओलंपिक सेमीफाइनल में पहुंचने पर बधाई। आपने भारत को गौरवान्वित किया है। भारत के ओलंपिक में एकमात्र व्यक्तिगत स्वर्ण पदक विजेता अभिनव बिंद्रा ने ट्वीट किया, रियो ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता साक्षी मलिक, बिलियर्ड्स और स्नूकर में कई बार के विश्व चैंपियन पंकज आडवाणी, भारतीय फुटबॉल टीम के कप्तान सुनील छेत्री, पूर्व क्रिकेटर वीवीएस लक्ष्मण और भारतीय क्रिकेट बोर्ड के सचिव जय शाह ने भी महिला हॉकी टीम को बधाई दी।

घुड़सवार फवाद मिर्जा व्यक्तिगत इवेंटिंग में 23वें स्थान पर रहे

टोक्यो। भारत के फवाद मिर्जा ओलंपिक की घुड़सवारी स्पर्धा के फाइनल में पहुंचने वाले पहले भारतीय बनने के बाद इवेंटिंग स्पर्धा में 23वें स्थान पर रहे।

मिर्जा ने अपने घोड़े सिगन्योर मेडिकॉट के साथ व्यक्तिगत इवेंटिंग वर्ग के जंपिंग फाइनल्स में प्रवेश किया था। फाइनल में उन्हें 12.40 पेनल्टी अंक मिले और उनके कुल 59.60 पेनल्टी अंक रहे जिसमें क्वॉलीफाइंग स्पर्धाओं ड्रेसेज, क्रॉसकंट्री और जंपिंग के तीन दौर के अंक शामिल है। बेंगलुरू के 29 वर्ष के राइडर मिर्जा सिडनी ओलंपिक 2000 में इम्तियाज अनीस के बाद ओलंपिक के लिए क्वॉलीफाई करने वाले पहले भारतीय हैं। दिवंगत विंग कमांडर आई जे लाम्बा (अटलांटा 1996) ओलंपिक में क्वॉलीफाई करने वाले पहले भारतीय थे। ड्रेसेज दौर में नौवें स्थान पर रहे फवाद को जंपिंग दौर में आठ पेनल्टी अंक मिले। उनके कुल पेनल्टी अंक 47.2 रहे और वह 25वें स्थान पर थे। मिर्जा और सिग्न्योर ने तकनीकी कारण से देर से शुरू हुए क्रॉसकंट्री को सिर्फ आठ मिनट में पूरी कर ली। जर्मनी की जूलिया क्राजेवस्की को स्वर्ण मिला जो इवेंटिंग के इतिहास में पहली महिला ओलंपिक चैम्पियन है ।

ऐश्वर्य प्रताप और संजीव राजपूत ने किया निराश

टोक्यो। भारत के निशानेबाजों का एक और निराशाजनक प्रदर्शन सोमवार को देखने को मिला। ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर और अनुभवी संजीव राजपूत पुरुषों की 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन के फाइनल में जगह नहीं बना सके और भारत लगातार दूसरे ओलंपिक में निशानेबाजी में खाली हाथ रहा जबकि भारत के रिकॉर्ड 15 निशानेबाजों ने इस ओलंपिक के लिए क्वॉलीफाई किया था। इनमें से केवल सौरभ चौधरी ही पुरुष 10 मीटर एयर पिस्टल के फाइनल में जगह बना सके और सातवें स्थान पर रहे। ओलंपिक में पहली बार खेलने उतरे तोमर क्वालिफाइंग राउंड में कुल 1167 के स्कोर के साथ 21वें स्थान पर रहे जबकि राजपूत 1157 के स्कोर के साथ 32वें स्थान पर रहे। राजपूत का यह तीसरा ओलम्पिक था। तीन अलग अलग पोजीशन नीलिंग , प्रोन और स्टेंडिंग के स्कोर इकठ्ठा करने के बाद आठ शीर्ष निशानेबाज फाइनल के लिए क्वालीफाई करते हैं। यह लगातार दूसरा ओलम्पिक है जिसमें भारतीय निशानेबाज खाली हाथ रहे। इसके साथ ही भारतीय निशानेबाजों का टोक्यो ओलंपिक से बिना पदक जीते लौटना भी तय हो गया। भारतीय निशानेबाज पांच साल पहले रियो ओलंपिक में भी एक भी पदक नहीं जीत पाए थे। भारत ने लंदन 2012 ओलंपिक में विजय कुमार के रजत और गगन नारंग के कांस्य पदक के रूप में दो पदक जीते थे।

मयंक अग्रवाल इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट से बाहर, इन 3 बल्लेबाज में से कौन करेगा रोहित शर्मा के साथ ओपनिंग

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम को इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज से ठीक पहले एक बड़ा झटका लगा है। नेट प्रैक्टिस के दौरान टीम के दूसरे ओपनर मयंक अग्रवाल को तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी की गेंद सिर पर जा लगी। चोट गंभीर होने की वजह से अब वह पहले टेस्ट मैच में नहीं खेल पाएंगे। शुभमन गिल पहले ही चोट की वजह से इंग्लैंड दौरे से वापस लौट चुके हैं। अब टीम इंडिया के सामने ओपनिंग में रोहित शर्मा के जोड़ीदार को लेकर मुश्किल खड़ी हो गई है। रोहित शर्मा टीम इंडिया के नियमित टेस्ट ओपनर हैं उनके साथ पिछली दो सीरीज में शुभमन गिल ने पारी की शुरुआत की थी। इससे पहले मयंक अग्रवाल टीम इंडिया के लिए ओपनर की जिम्मेदारी निभा रहे थे। 4 अगस्त से भारत और इंग्लैंड के बीच टेस्ट सीरीज की शुरुआत हो रही है। 2 दिन पहले 2 अगस्त यानी सोमवार को बीसीसीआइ ने मयंक के चोटिल होकर पहले मैच से बाहर होने की जानकारी दी।

कौन होगा रोहित का जोड़ीदार- भारतीय टीम के पास इस वक्त बतौर ओपनर दो विकल्प मौजूद हैं। घरेलू क्रिकेट में अच्छा करने वाले बंगाल की टीम से रणजी खेलने वाले अभिमन्यू ईश्वरन को चयनकर्ताओं ने इंग्लैंड ओपनर के विकल्प के तौर पर ही भेजा था। कप्तान उनको इस अहम मुकाबले में रोहित के साथ पारी की शुरुआत करने का मौका दे सकते हैं। वैसे टीम के पास केएल राहुल के तौर पर एक और बैकअप ओपनर भी मौजूद है। इससे पहले उनके पास इंग्लैंड में खेलने का मौका भी है। इंग्लैंड में खेलते हुए उनके नाम शतक भी है। वहीं हनुमा विहारी को भी बतौर ओपनर खिलाए जाने की खबर आ रही है। ऐसे में केएल को मिडिल आर्डर में बल्लेबाजी के लिए फिट किया जा सकता है।

भारतीय कप्तान कोहली ने बताया, इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में जीतने के लिए क्या करने की है जरूरत

नाटिंघम। भारतीय कप्तान विराट कोहली ने कहा कि इंग्लैंड में टेस्ट सीरीज जीतने के लिए अथक प्रयास और पूरी तरह से उत्कृष्टता हासिल करने पर ध्यान देना जरूरी है। विराट कोहली की अगुआई में भारतीय टीम जो रूट की कप्तानी वाली इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेलेगी, जिसका आगाज बुधवार को पहले टेस्ट से होगा।

विराट कोहली ने भारतीय विकेटकीपर दिनेश कार्तिक के सवाल पर स्काई स्पो र्ट्स से कहा, %पांच टेस्ट मैचों की सीरीज में हमें हर दिन अथक प्रयास के साथ उत्कृष्टता हासिल करने पर ध्यान देना जारी रखना होगा। यहां आपको खुद से यह कहना होगा कि आप कड़ी मेहनत करना चाहते हैं और ऐसी परिस्थितियों का सामना करना चाहते हैं, जो हर दिन हर टेस्ट मैच में कठिन होती हैं। आपको इस तरह के कार्यभार के लिए मानसिक तौर पर तैयार रहना होगा। मेरे लिए व्यक्तिगत रूप से यहां टेस्ट मैच या टेस्ट सीरीज जीतने से ज्यादा कुछ नहीं है। हम मैदान पर कदम रखते हैं और प्रतिस्पर्धा करते हैं।

कोहली ने कहा कि, हम हर टेस्ट मैच जीतना चाहते हैं, यही मेरे लिए ज्यादा मायने रखता है, क्योंकि फिर से यह एक संस्कृति की तरह है, ये परिणाम हैं। भारतीय क्रिकेट के लिए यह (इंग्लैंड में टेस्ट सीरीज में जीत) बहुत बड़ी बात होगी और हमने इसे पहले भी किया है। हम इसे फिर से कर सकते हैं, लेकिन मुझे यह संस्कृति अधिक पसंद है। मैं अपनी क्षमता के मुताबिक सब कुछ करूंगा, भले ही आप टेस्ट मैच हार जाएं। मैं चाहता हूं कि टेस्ट मैच के तीसरे या चौथे दिन हम जीत दर्ज करने की कोशिश करें क्योंकि मुझे आत्मसमर्पण करके मैच बचाने की कोशिश करना पसंद नहीं है।%

वहीं दूसरी तरफ इंग्लैंड के कप्तान जो रूट ने अपने दोस्त और स्टार आलराउंडर बेन स्टोक्स के बारे में कहा कि उन्होंने हमेशा टीम को सर्वोपरि रखा है और अब समय है कि वह खुद को तरजीह दें। स्टोक्स ने मानसिक स्वास्थ्य कारणों से खेल से ब्रेक लिया है।जो रूट ने कहा, %मैं चाहता हूं कि मेरा दोस्त अच्छा रहे। जो भी बेन को जानता है, उसे पता है कि वह दूसरों को अपने से ऊपर रखते हैं। अब उन्हें खुद पर ध्यान देने की जरूरत है। उन्हें जितना समय चाहिए, देना चाहिए। पूरी टीम उनके साथ है।% उन्होंने ये भी कहा कि, उनकी टीम टेस्ट सीरीज के लिए तैयार है।

ग्रेसिया पोली और अप्रियानी ने जीता महिला युगल का खिताब

टोक्यो। इंडोनेशिया की ग्रेसिया पोली और अप्रियानी राहायु की महिला युगल जोड़ी ने ओलंपिक बैडमिंटन के फाइनल में चीन की चेन किंग चेन और जिया यी फैन की जोड़ी को 2-0 से हराकर स्वर्ण पदक हासिल किया।

गैरवरीय इंडोनेशियाई जोड़ी ने स्वर्ण पदक की दावेदार चीन की जोड़ी को 21-19, 21-15 से सीधे गेम में मात देकर उलटफेर किया। महिला युगल में चीनी की जोड़ियों ने लगातार पांच बार ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीता है। यह सिलसिला हालांकि 2016 रियो ओलंपिक में टूट गया था जब उसे फाइनल में जापान के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था। इससे पहले सोमवार को दक्षिण कोरिया की किम सो-येओंग एवं कोंग ही योंग की जोड़ी ने हमवतन ली सो-ही एवं शीन सेयुंग-चान की जोड़ी को हराकर इस स्पर्धा का कांस्य पदक जीता था।

पदक सुनिचित करने के इरादे से उतरेगी पुरुष हॉकी टीम

विश्व चैंपियन बेल्जियम से होगा मुकाबला

टोक्यो। भारतीय पुरुष हॉकी टीम आज सेमीफाइनल में विश्व चैंपियन बेल्जियम को हराकर फाइनल में जगह बनाते हुए 41 साल में पहला ओलंपक पदक सुनिचित करने के लक्ष्य के साथ उतरेगी।

आठ स्वर्ण पदक सहित 11 ओलिंपिक पदक जीतने वाले भारत का खेलों में समृद्ध इतिहास है और मनप्रीत सिंह की अगुवाई वाली टीम उस गौरव को लौटाने की राह पर है। भारत ने रविवार को क्वार्टर फाइनल में ग्रेट ब्रिटेन को 3-1 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई और अब टीम पदक जीतने की दहलीज पर खड़ी है। रैंकिंग के लिहाज से हालांकि दोनों टीमों के बीच अधिक अंतर नहीं है क्योंकि भारत भी दुनिया की तीसरे नंबर की टीम है। हाल में दोनों टीमों के बीच भिड़ंत का आंकड़ा भी भारत के पक्ष में है। भारत ने 2019 में बेल्जियम के दौरे पर मेजबान टीम के खिलाफ तीनों मुकाबले जीते थे। उस दौरे पर भारत ने बेल्जियम को 2-0, 3-1 और 5-1 से हराया था। दोनों टीमों के बीच इस साल मार्च में भारत के यूरोपीय दौरे के दौरान हुए मुकाबले को भी मनप्रीत सिंह की टीम ने 3-2 से जीता था।

टोक्यो ओलंपिक में भारत के आज के मुकाबले

- **एथलेटिक्स:** अनु रानी, महिला भाला फेंक क्वॉलीफिकेशन ग्रुप ए, सुबह 05.50 बजे, तेजिंदरपाल सिंह तूर, पुरुष गोला फेंक क्वॉलीफिकेशन ग्रुप ए, सुबह 03:45 बजे
- **हॉकी:** भारत बनाम बेल्जियम, पुरुष हॉकी सेमीफाइनल, सुबह सात बजे।
- **कुश्ती:** सोनम मलिक बनान बोलोरतुया खुरेलखू (मंगोलिया), सुबह 8:30 बजे से शुरू होने के बाद सातवां बाउट

चक्का फेंक: कमलप्रीत कौर के हाथ से फिसला पदक

फाइनल में छठे स्थान पर रहीं, टोक्यो ओलंपिक का सफर समाप्त

टोक्यो । टोक्यो ओलंपिक में महिलाओं के डिस्कस थ्रो (चक्का फेंक) का फाइनल में भारत की कमलप्रीत कौर के हाथ निराशा लगी और वे इतिहास रचने से चूक गईं। उनका टोक्यो ओलंपिक सफर भी समाप्त हो गया।

भारत की कमलप्रीत कौर डिस्कस थ्रो के फाइनल में छठे स्थान पर रही हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ थ्रो 63.70 मीटर का रहा। कमलप्रीत के तीन थ्रो फाउल रहे। उन्हें मेडल हासिल करने के लिए 65.72 मीटर से ज्यादा का थ्रो करना था। अमेरिका की ऑलमैन वैलेरी 68.98 मीटर थ्रो के साथ स्वर्ण पदक जीता। जर्मनी की क्रिस्टीन पुडेंज 66.86 मीटर चक्का फेंककर दूसरे स्थान पर रहीं और उन्हें रजत पदक मिला। वहीं क्यूबा की याएमे पेरेज ने 65.72 मीटर के साथ कांस्य पदक अपने नाम किया। इस इवेंट में पहले 3 अटैम्प्ट के बाद बॉटम-4 एथलीट को बाहर कर दिया जाता है। इसके बाद बाकी बचे 8 एथलीट 3 और अटैम्प्ट करते हैं। हर एथलीट के 6 अटैम्प्ट में जो बेस्ट होगा, उसी को काउंट किया जाता। इसी के आधार पर मेडल तय किए गए।

डिस्कस थ्रो में भारत का अब तक का यह सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन

खेलों के महाकुंभ टोक्यो ओलंपिक में कमलप्रीत कौर इतिहास रचने से चूक गईं। वह 63.70 मीटर थ्रो के साथ छठे स्थान पर रहीं। लेकिन आपको बता दें कि डिस्कस थ्रो में भारत का अब तक का यह सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन था। इससे पहले 2010 राष्ट्रमंडल खेलों की स्वर्ण पदक विजेता कृष्णा पूनिया भी लंदन ओलंपिक 2012 में छठे स्थान (63.62 मीटर) पर रही थीं जबकि विकास गौड़ा 64.79 मीटर के साथ आठवें स्थान पर रहे थे।

दुती ने सत्र का सर्वश्रेष्ठ समय निकाला लेकिन सेमीफाइनल में नहीं पहुंच सकी

भारत की स्टार धाविका दुती चंद टोक्यो ओलम्पिक के एथलेटिक्स मुकाबलों में सोमवार को महिलाओं की 200 मीटर दौड़ में सत्र का अपना सर्वश्रेष्ठ समय निकालने के बावजूद सेमीफाइनल में नहीं पहुंच सकीं। दुती ने 23.85 सेकंड का समय निकाला लेकिन सत्र का अपना सबसे बेहतरीन समय निकलने के बावजूद हीट में आखिरी स्थान पर रहीं और सेमीफाइनल में नहीं पहुंच सकीं।